फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 359 प्रभात जयपुर, मंगलवार 30 जुलाई, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

Saand Ki Aankh...

It was a close final and she was also in with a chance to win silver at one stage. "In the last shot, I was fighting with all the energy I had. Maybe, I can get better in the next (event)."

Does rubbing Magnesium oil on your feet help you sleep better?

'हालांकि, भाजपा की सरकार है, हम जातिगत जनगणना का विधेयक पास करायेंगे?'

राहुल गांधी ने लोकसभा में यह उद्घोष करके चुनौती दी सरकार को

- राहुल का तर्क था कि जनसंख्या के एक बड़े हिस्से, 73 प्रतिशत को शिकायत है कि, दलित, बैकवर्ड, अल्पसंख्यक, आदिवासी, निर्धन से सरकार को कोई सहानुभूति नहीं है।
- अतः 73 प्रतिशत जनसंख्या यह जानना चाहती है कि उनकी सत्ता में कितनी भागीदारी है और वो कैसे लाभान्वितों की श्रेणी में आ सकते हैं और सिस्टम का हिस्सा बन सकते हैं।
- राहुल गांधी ने यह कटाक्ष भी किया कि वो बीस अफसर, जिन्होंने बजट तैयार किया है, उस उपेक्षित 73 प्रतिशत जनसंख्या का प्रतिनिधित्व नहीं करते।
- इन अफसरों ने बजट के पहले हलवा बनाने की प्रक्रिया तो पूरी की, पर, वह हलवा वंचित जनसंख्या में नहीं बांटा।
- राहुल ने स्पीकर से यह भी कहा कि पत्रकारों को उस शीशे के पिंजरे से आज़ाद करें, क्योंकि वे अब सांसदों, मंत्रियों से लोकसभा के प्रवेश द्वार पर ''बाइट'' नहीं ले सकते, क्योंकि, वो केवल वही रिपोर्ट कर सकते है, जो पिंजरे से दिखता है।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जुलाई। राहुल गांधी उस समय पूरे जोश-खरोश में दिखाई दिये, जब वे लोकसभा में बजट पर बोलने खड़े हुये। उन्होंने भाजपा को आड़े हाथों लिया, बजट की आलोचना की तथा भाजपा को चुनौती देते हुये कहा कि देश में भले ही भाजपा की सरकार हो, लेकिन जातिगत सर्वे कराने वाला विधेयक तो पारित होगा।

भाजपा को बिल्कुल स्तब्ध करते हुये, राहुल ने दो टूक शब्दों में कह दिया कि सत्तारूढ़ दल को देश की करीब 73 प्रतिशत जनता की कोई चिन्ता नहीं है। इस 73 प्रतिशत हिस्से में दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक, आदिवासी, गरीब तथा गरीबों में पद-दलित वर्ग के लोग आते हैं।

उन्होंने कहा कि ये 73 प्रतिशत लोग यह जानना चाहते हैं कि देश की सत्ता में उनका क्या हिस्सा है तथा वे इस सत्ता-तन्त्र के लाभार्थी तथा हिस्सा कैसे हो सकते हैं। उन्होंने साफ-साफ कहा कि इस बजट को बनाने वाले 20 अफसरों में इन सभी जातियों और वर्गों का प्रतिनिधित्व नहीं था। उनके द्वारा बजट-पूर्व तैयार किये हलवे को इस आबादी के साथ साझा नहीं किया गया था। उन्होंने हलवा-सैरमनी के दौरान अफसरों के साथ वित्तमंत्री का फोटोग्राफ भी दिखाया।

लोकसभा अध्यक्ष ने इसकी अनुमति नहीं दी।

राहुल ने अंबानी तथा अडाणी परिवार के अपने प्रिय विषय को एक बार फिर हथियार बनाते हुये कहा कि जिस चक्रव्यूह में अभिमन्यु घेर लिया गया है, उसका नियन्त्रण छः लोग कर रहे हैं।

जब लोकसभा अध्यक्ष ने अडाणी तथा अम्बानी के नाम लेने पर आपत्ति जताई, तो उन्होंने कहा, ठीक है, अब वे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ऑफ ड्यूटी काम में करंट लगने पर क्लेम नहीं मिलेगा'

जयपुर, 29 जुलाई (का.सं.)। जिले की स्थाई लोक अदालत ने ऑफ ड्यूटी में अवैध तरीके से बिजली लाइन का काम करने के दौरान करंट लगने वाले संविदाकर्मी को राहत देने से इनकार करते हुए उसका 90.50 लाख रुपए का क्लेम खारिज कर दिया है। लोक अदालत ने फैसले में कहा कि परिवादी ने बिजली लाइन का काम बिना किसी आदेश व ड्यूटी के अपनी मर्जी से किया है और उसे बिजली लाइन का शट डाउन प्राप्त करने का कोई भी अधिकार नहीं था। उसे केवल जी.एस.एस. परिसर में ही काम करने के लिए संविदा पर रखा था, लेकिन उसने अपने कार्य क्षेत्र के बाहर जाकर अवैध तौर पर बिजली लाइन का काम किया और उस समय ही उसे करंट लगा। ऐसे में हादसा उसकी लापरवाही से हुआ

- जिले की स्थाई लोक अदालत ने बिजली विभाग के संविदा-कर्मी का 90.50 लाख रूपए का क्लेम खारिज कर दिया और कहा कि वह कार्य क्षेत्र से बाहर बिजली का काम कर रहा था, यह हादसा उसकी लापरवाही से हुआ है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने हेमंत सोरेन को जमानत देने का झारखण्ड हाई कोर्ट के आदेश बरकरार रखा तथा ई.डी. की याचिका खारिज कर दी

- सुप्रीम कोर्ट ने ई.डी. पर तीखी टिप्पणी की, हम कुछ कहना नहीं चाहते अगर हमने आगे कुछ कहा तो आप मुश्किल में आ जाएंगे।
- ज्ञातव्य है कि जमीन के सौदे में मनी लॉण्डरिंग के आरोप में ई.डी. ने 31 जनवरी को हेमन्त सोरेन को गिरफ्तार किया था। सोरेन ने गिरफ्तारी से पूर्व मुख्यमंत्री पद छोड़ दिया तथा जमानत पर रिहा होने के बाद 4 जुलाई को वे पुनः झारखंड के मुख्यमंत्री बन गए हैं।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बड़ी राहत प्रदान की और झारखंड उच्च न्यायालय से सोरेन को जमीन के सौदे में मनीलॉण्ड्रिंग के मामले में जमानत देने के फैसले को बरकरार रखा। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत के खिलाफ दायर एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) की याचिका खारिज कर दी।

जस्टिस बी.आर.गवई और जस्टिस के.वी.विश्वनाथन की बैंच ने एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू जो की ई.डी. का प्रतिनिधित्व कर रहे थे,ये कहा कि हम इस आदेश में दखल देने के इच्छुक नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि, हम यह स्पष्ट कर दें कि हाईकोर्ट के जज ने तर्कसंगत फैसला सुनाया तथा हाईकोर्ट की टिप्पणियों का ट्रायल या अन्य कार्यवाही पर असर नहीं होगा। ''बैंच की टिप्पणी से ई.डी. को भारी झटका लगा है।

राजू ने यह बताने का प्रयास किया कि ई.डी. द्वारा प्रिवैन्शन ऑफ मनी लॉडरिंग एक्ट के सैक्शन 50 के तहत रिकॉर्ड किए गए गवाहों के बयानों पर यकीन ही कर रहे हैं जो गलत है, तो सुप्रीम कोर्ट की बैंच ने तीखी टिप्पणी भी कि, ''हम और कुछ नहीं कहना चाहते। अगर हमने कुछ कहा तो आप मुश्किल में पड़ जाएंगे।''

सुप्रीम कोर्ट द्वारा ई.डी. की याचिका खारिज कर देने से झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष को भारी राहत मिली है जिन्होंने 31 जनवरी को ई.डी. द्वारा गिरफ्तारी से पूर्व मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। इस रेस में जमानत मिलने के बाद जेल से बाहर आने पर 04 जुलाई को सोरेन ने पुनः मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

ई.डी. के वकील ने हाईकोर्ट में कहा था कि अगर सोरेन को जमानत दी गई तो वे ऐसा ही अपराध पुनः करेंगे उन्होंने ई.डी. के खिलाफ एस.सी./

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'देश में भय का माहौल है, पर, हम भाजपा के इस चक्रव्यूह को ध्वस्त करेंगे'

राहुल गांधी ने लोकसभा में यह भी कहा कि चक्रव्यूह को नष्ट करने के प्रयास में अभिमन्यु मारा गया था, हम अभिमन्यु नहीं, अर्जुन हैं, जो अपने प्रयास में पूर्णतया सफल होगा

- राहुल गांधी ने इस कथन को आगे ले जाते हुए यह भी कहा कि, मैंने चक्रव्यूह के बारे में काफी रिसर्च की है और यह पाया है कि उस महाभारत के चक्रव्यूह का नाम ''पद्म व्यूह'' भी है, जिसका मतलब, इसका स्वरूप कमल जैसा है।
- ''आज इक्कीसवीं सदी का चक्रव्यूह भी कमल के आकार का है, जिसे प्र.मंत्री ने अपनी छाती पर धारण किया हुआ है।''
- तथा, जिन छः कौरव महारथियों ने अभिमन्यु को घेर कर मार दिया था, वही आज भाजपा के महारथी नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत, अजीत डोभाल, अंबानी व अडानी, भारत की 73 प्रतिशत दलित जनता के साथ करना चाहते हैं।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जुलाई। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लोकसभा में मोदी सरकार की नीतियों पर प्रहार करने के लिए महाभारत की लोकप्रिय कहानी का हवाला देकर कहा कि केन्द्र सरकार किसानों, विद्यार्थियों, मध्यम व लघु व्यवसाइयों, तथा मध्यम वर्ग की जनता की तकलीफों के लिए जिम्मेदार है।

गांधी ने हिंदी जो भारत के एक बड़े तबके की भाषा है, में बोलते हुए कहा, ''परंतु ये लोग अभिमन्यु की तरह नहीं है, ये तो अर्जुन हैं और ये लोग चक्रव्यूह को तोड़ देंगे''।

बजट सत्र के दौरान लोकसभा में बोलते हुए गांधी ने भारत में विभिन्न क्षेत्रों के कष्टों की तुलना प्राचीन भारत के ''चक्रव्यूह'' की संरचना से की।'' महाभारत के अर्जुन का पुत्र चक्रव्यूह के जाल में फंस जाता है और अंत में मारा जाता है।

गांधी ने कहा कि ''हजारों वर्ष पूर्व कुरुक्षेत्र के युद्ध में छः लोगों ने अभिमन्यु को ''चक्रव्यूह'' के जाल में फंसाया था और उसको जान से मार दिया था। राहुल ने कहा कि उन्होंने इस विषय पर शोध कर यह निष्कर्ष निकाला कि ''चक्रव्यूह'' को ''पद्म व्यूह'' नाम से भी जाना जाता है, जिसका मतलब है ''कमल स्वरुप।'' ''चक्रव्यूह'' कमल की आकृति में बनाया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'निर्देशों का पालन भर्ती एजेंसी और परीक्षार्थी का दायित्व'

जयपुर, 29 जुलाई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने न्यायिक सेवा भर्ती-2024 से जुड़े मामले में कहा है कि प्रतियोगी परीक्षा के निर्देशों की पालना करना भर्ती एजेंसी व परीक्षार्थी दोनों का ही दायित्व है। भर्ती परीक्षा की ओ.एम.आर. शीट को जांचने का काम मशीन करती है और इसमें अधूरे छोड़े गए गोलों को मशीन नहीं पढ़ सकती है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट भी यह व्यवस्था दे चुका कि हाईकोर्ट भर्ती

- हाई कोर्ट ने यह टिप्पणी करते हुए आर.जे.एस. परीक्षा के अभ्यर्थी पायल व अन्य की याचिका खारिज कर दी। इन अभ्यर्थियों ने ओ.एम. आर. शीट में अधूरे भरे गोलों को पूरा भरने की अनुमति मांगने के लिए याचिका दायर की थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कर्नाटक सरकार और वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन के बीच जुबानी जंग और तेज हुई

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राज्य के साथ पक्षपात का और केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने राज्य सरकार पर ''मिसमैनेजमैंट'' का आरोप लगाया

- कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा, वित्त मंत्री राज्यसभा में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करती हैं, वे जब भी आती हैं, झूठ बोलती हैं और बजट आवंटन पर भी झूठ बोल रही हैं। बजट से पहले जो वायदे किए गए थे, उनका कहीं भी उल्लेख नहीं है।
- इसके जवाब में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतामरन ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार व आर्थिक कुप्रबंधन का आरोप लगाया और कहा, यू.पी.ए. के दस साल के राज में कर्नाटक को मात्र 60,779 करोड़ रुपए मिले, जबकि एन.डी.ए. सरकार ने गत वर्ष तक राज्य को 2.36 लाख करोड़ दिए थे।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जुलाई। इन दिनों कर्नाटक सरकार और केन्द्रीय वित्त मंत्री के बीच जुबानी जंग छिड़ी हुई है। राज्य के मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री पर राज्य को किए गए बजट आवंटन पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है।

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन, जो कर्नाटक से राज्यसभा सदस्य हैं, ने कांग्रेस नीत कर्नाटक सरकार पर भारी भ्रष्टाचार और राज्य की अर्थव्यवस्था को बरबाद करने का आरोप लगाया है। उन्होंने राज्य सरकार की खराब नीतियों से अर्थव्यवस्था बदहाल हो गई है। सरकार एक तरफ तो खुले हाथ से मुफ्त सुविधाएं दे रही है दूसरी तरफ उनके लिए पैसा जुटाने हेतु आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ा रही है। केन्द्रीय वित्त मंत्री पर करारा पलटवार करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि वे बजट आवंटन पर झूठ बोल रही हैं। केन्द्र सरकार वित्तीय मुद्दों पर लगातार प्रदेश सरकार के साथ अन्याय कर रही है। भाजपा, कर्नाटक को भ्रष्ट राज्य के रूप में प्रस्तुत करना चाहती है जबकि वास्तविकता एकदम अलग है। उन्होंने वित्तीय भेदभाव के खिलाफ विशाल विरोध प्रदर्शन के लिए कांग्रेस का आव्हान किया। उन्होंने सीतारमन से पूछा इस अन्याय का उनके पास क्या जवाब है। उन्होंने कहा कि निर्मला सीतारमन जब भी कर्नाटक आती हैं, तब झूठ बोलती हैं वो पहले भी झूठ बोली थीं और अभी भी बोल रही हैं।

सिद्धारमैया ने बजट से पूर्व केन्द्र सरकार द्वारा 5,300 करोड़ रूपए दिए जाने के वादे की याद दिलाई और कहा कि विभिन्न इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के लिए फंड नहीं है जैसे अपर भद्रा प्रोजैक्ट।

मुख्यमंत्री ने पूछा, ''पंद्रहवे वित्त आयोग ने विशेष अनुदान के रूप में 5,495 करोड़ रूपए देने की सिफारिश की थी। क्या बजट में यह राशि है? कहा गया था कि बैंगलुरू में रिंग रोड के लिए 3,000 करोड़ रूपए दिए जाएंगे। जलाशयों के लिए 3,000 करोड़ रूपए देने की बात थी, क्या यह सब है बजट में।''

आंध्र प्रदेश और बिहार पर की गई विशेष मेहरबानियों का हवाला देते हुए सिद्धारमैया ने हैरानी जताई की कर्नाटक पर इतनी कृपा क्यों नहीं की गई। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा कि क्या आप जानते हैं कि पंद्रहवे वित्त आयोग में सबसे ज्यादा अन्याय कर्नाटक के साथ हुआ जबकि खुद वित्त मंत्री राज्यसभा में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कर चोरी के आरोपी को मिली जमानत रद्द

जयपुर, 29 जुलाई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कर चोरी के मामले में आरोपी गौतम गर्ग को मिली जमानत को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने आरोपी को कहा है कि वह तीस दिन में निचली अदालत में सरेंडर करे। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने ये आदेश केन्द्र सरकार की ओर से दायर जमानत रद्द करने के लिए पेश की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- राजस्थान हाई कोर्ट ने कर चोरी के आरोपी गौतम गर्ग की जमानत रद्द करने के साथ उसे तीस दिन में सरैंडर करने के आदेश दिए हैं।

याचिका में जीएसटी के वरिष्ठ अधिवक्ता किंशुक जैन ने अदालत को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुकेश अंबानी विश्व के सबसे बड़े आम निर्यातक बने

पैट्रोलियम, दूर संचार और खुदरा क्षेत्र के अलावा कृषि क्षेत्र में भी रिलायंस का भारी दखल

- रिलायंस के कृषि क्षेत्र में उतरने की शुरुआत हुई 1997 से, जब प्रदूषण के कारण जाम नगर रिफाइनरी के लिए चुनौती खड़ी हो गई थी।
- प्रदूषण से निजात पाने के लिए रिलायंस इण्डस्ट्रीज़ के रिफाइनरी के आस-पास की जमीन को आम के विशाल बाग में बदल दिया गया, जिसका नाम धीरूभाई के नाम पर रखा गया।
- इस बाग में आम की 200 किस्मों के 1.30 लाख वृक्ष हैं, जिनमें भारत की लोकप्रिय किस्मों के अलावा विदेशी किस्में भी शामिल हैं।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जुलाई। मुकेश अंबानी, जो पेट्रोलियम, टेलीकम्यूनिकेशान तथा रिटेल के क्षेत्र में बहुत बड़े व्यवसायी के रूप में प्रसिद्ध हैं, अब अप्रत्याशित रूप से कृषि क्षेत्र की ओर मुड़ गये हैं। रिलायंस इन्डस्ट्रीज लिमिटेड, उनके प्रबंधक-कौशल के फलस्वरूप विश्व में आमों के सबसे बड़े निर्यातक का रूप ले चुकी है। उद्योग क्षेत्र, जो उनके व्यवसाय का मूल था, से उल्लेखनीय रूप से हटते हुये, वे कृषि क्षेत्र में विशिष्टता अर्जित करने की दिशा में बढ़ चुके हैं।

1997 में गुजरात की अपनी जामनगर रिफाइनरी में उल्लेखनीय प्रदूषण-परिवर्तनों का सामना करते हुये, रिलायंस इन्डस्ट्रीज ने एक अभिनव प्रतिक्रिया दी थी। पर्यावरण संबंधी प्रभावों को संबोधितत करते हुये तथा पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के नियमों-विनियमों का पालन करते हुये, कंपनी ने एक सर्वथा नया प्रोजैक्ट हाथ में लिया था, जिसके तहत रिफायनरी के आस-पास की बंजर जमीन को आमों के एक अति विशाल बगीचे का रूप देना था। इस अभिनव पहल का उद्देश्य न केवल प्रदूषण से लड़ना था, बल्कि उस औद्योगिक कॉम्पलेक्स के चारों तरफ एक दीर्घकालीन एवं स्थायी हरियाली-बहुल क्षेत्र विकसित करना था।

600 एकड़ में फैले हुये इस विशाल बाग, जिसका नाम रिलांयस के संस्थापक धीरुभाई अंबानी के नाम पर रखा गया है, में 200 से अधिक किस्मों के 1,30,000 से ज्यादा आम के वृक्ष हैं। मुगल बादशाह अकबर द्वारा स्थापित ऐतिहासिक ''लाखीबाग'' बगीचे के प्रति सम्मान है तथा भारत के सम्पन्न अतीत तथा आधुनिक पर्यावरणीय जिम्मेदारी के बीच एक रिश्ता दर्शाता प्रतीत होता है।

इस क्षेत्र की अत्यधिक खारे पानी तथा शुष्क परिस्थितियों में फलने-फूलने के लिये, रिलायंस ने कटिंग ऐज टेक्नॉलॉजी काम में ली गई है, जिसमें मीठे पानी के लिये डीसेलिनेशन प्लांट भी शामिल है। इसके अलावा, उन्नत कृषि तकनीकें, जैसे वॉटर हार्वेस्टिंग, ड्रिप सिंचाई तथा पर्याप्त उर्वरक आदि काम में लिये गये।

बगीचे में आमों की विविध एवं नाना प्रकार की किस्में हैं। पुरानी एवं प्रसिद्ध भारतीय किस्मों जैसे केसर, अलफाँसो तथा नीलम से लेकर अन्तर्राष्ट्रीय किस्मों, जैसे फ्लोरिडा के टॉमी अटकिन्स तथा इज़राइल के लिली तक। प्रतिवर्ष लगभग 600 टन बहुत ही बढ़िया आमों का उत्पादन करते हुये, रिलायंस एशिया की अग्रणी आम-निर्यातक कम्पनी के रूप में उभरी है तथा देश-विदेश के बाजारों की माँग पूरी कर रही है।

यहाँ यह बताना उल्लेखनीय होगा कि 'फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइज़ेशन (एफ.ए.ओ.) के अनुसार, आमों की माँग हर वर्ष 3.3 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। एफ.ए.ओ. के एक अनुमान के अनुसार, 2030 तक दुनिया में आम का कुल उत्पादन बढ़कर 840 लाख मीट्रिक टन तक पहुँच जायेगा। इसमें से आधा उत्पादन भारत में होगा। थाइलैंड तथा इन्डोनेशिया भी प्रमुख दक्षिण एशियाई आम निर्यातक के रूप प्रतिष्ठित हो चुके हैं। अन्य किसी देश की तुलना में, भारत में आमों की खपत ज्यादा होगी - भारत में प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष आम का उपभोग 28.4 किग्रा. होगा।

आम के उत्पादन के अतिरिक्त, रिलायंस कम्पनी स्थाई एवं सामुदायिक विकास के उन्नयन में भी सक्रिय योगदान देती है। कम्पनी प्रतिवर्ष आम की 1,00,000 पौध स्थानीय किसानों को वितरित करती है, कृषि के नये-नये तरीकों एवं पद्धतियों पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित करती हैं तथा कृषक समुदाय में पर्यावरणीय-प्रबंधन को प्रोत्साहित करती है। कम्पनी की यह पहल कृषि के उन्नत एवं नये-नये तरीकों की रिलायंस की व्यापक भूमिका को रेखांकित करती है।

आम की खेती क्षेत्र में मुकेश अंबानी का प्रवेश यह सविस्तार बताता है कि बड़े-बड़े कॉर्पोरेट आर्थिक ग्रोथ को पोषित करते हुये पर्यावरण सम्बन्धी चुनौतियों के समाधान के मामले में अपने संसाधनों का उपयोग किस प्रकार कर सकते हैं।

धीरु भाई अंबानी लाखीबाग भावना को मूर्त रूप देती है, बल्कि कृषि-निर्यात के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व तथा स्थाई महत्व के प्रति उसकी भावना की एक बार फिर से पुष्टि करती है।

बारामूला में विस्फोट, चार लोगों की मौत

श्रीनगर, 29 जुलाई। जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में विस्फोट की घटना सामने आई है। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि बारामूला के सोपोर इलाके में अचानक हुए विस्फोट में चार लोगों की जान चली गई। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। सेना और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई है और इलाके की छानबीन की जा रही है। अभी धमाके के पीछे की वजह सामने नहीं आई है।

- इस घटना के पीछे आतंकियों का हाथ होने के संदेह के कारण मौका स्थल पर सेना और पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया है। विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

जानकारी के अनुसार, विस्फोट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

धीरज सारे आनंदों और शक्तियों का मूल है। –फ्रैंकलिन

प्रसारण सेवा विनियम विधेयक- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर नियंत्रण की तैयारी

लोकसभा चुनाव 2014 एवं विशेष कर 2019 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने सोशल मीडिया का बहुत प्रभावित प्रयोग किया। लगभग प्रतिदिन मतदाताओं को भाजपा की विचारधारा के समर्थन में सोशल मीडिया में एक प्रकार से वैचारिक बमबारी देखने को मिली। इसके कारण, मतदाताओं की सोच पूरी तरह प्रभावित हुई। सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों जैसे व्हाट्सएप, यूट्यूब, इंस्टाग्राम आदि पर भाजपा ने न केवल अपने नेताओं के पक्ष में प्रभावी संदेश मतदाताओं तक पहुंचाया अपितु उसने स्वतंत्रता संठााम के अनेक सेनानियों जैसे महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू से संबंधित कई व्यक्तिगत आक्षेप वाले वीडियो भी जारी किए और उन्हें बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंचाया।

इसी का परिणाम था कि 2019 में प्रधानमंत्री मोदी को अद्वितीय सफलता प्राप्त हुई एवं भारी बहुमत वाली सरकार बनी। 2019 के बाद भी सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग के कारण प्रधानमंत्री मोदी की छवि एक अपराजेय नेता के रूप में बना दी गई। न केवल यह, उन्हें विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेताओं में से एक घोषित कर दिया ।

2019 के पश्चात, विशेष कर कोरोना के दौरान, सरकार की असफलताओं के बहुत सारे उदाहरण कुछ प्रबुद्ध पत्रकारों एवं युट्युबर्स द्वारा जनता के सामने लाए गए।कई निष्पक्ष और स्वतंत्र पत्रकारों जैसे अभिसार शर्मा, अजीत अंजुम, रवीश कुमार ने प्रमुख राष्ट्रीय समाचार चैनलों को छोड़कर अपने यूट्यूब चैनल बना लिए। इनके अतिरिक्त ध्रुव राठी जैसे व्यक्ति जो पहले से ही अपने शैक्षणिक एवं यात्रा वीडियो के कारण बहुत लोकप्रिय थे उन्होंने भी समसामयिक विषयों पर अपने वीडियो बनाकर पोस्ट करने शुरू कर दिए। इन्होंने कई ऐसे तथ्य की जनता के सामने रखने प्रारंभ किए जिससे सरकार की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ा। इन लोगों ने शोध करके प्रधानमंत्री मोदी के 2014 और 2019 के चुनाव प्रचार के दौरान दिए गए भाषणों की क्लिपिंग एकत्र की और उनकी तुलना वास्तविक धरातल की स्थिति से की और यह सिद्ध करने का प्रयास किया कि सरकार के अधिकांश वादे पूरे नहीं हुए हैं। कई कमियां जो पहले सामने नहीं आ पाती थीं, वे अब सामने आने लगीं ।

विपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस ने अपने सोशल मीडिया प्रकोष्ठ का प्रभावी प्रयोग करना प्रारंभ कर दिया। विपक्षी दलों द्वारा सोशल मीडिया के प्रभावी प्रयोग का ही परिणाम था कि लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम अलग तरह के रहे। मोदी जहां अति आत्मविश्वास में लोकसभा में '400 पार' का नारा दे रहे थे, वहीं जब 2024 के परिणाम आए तो भारतीय जनता पार्टी को 400 तो दूर की बात है अपने स्वयं के स्तर पर बहुमत के आंकड़े अर्थात 272 से भी 30 सीटें कब मिलीं ।

सरकार की आलोचना के लिए सोशल मीडिया का उपयोग इतना अधिक होने लगा कि नवंबर 2023 में सरकार ने केवल एवं टीवी नेटवर्क कानून 1995 के स्थान पर प्रसारण सेवाएं विनियमन 2023 का प्रारूप जनता के सामने प्रस्तुत किया। यह बात लोकसभा चुनाव से ठीक पहले की थी। अत: इसे विधेयक के रूप में लोकसभा में प्रस्तुत नहीं किया गया एवं अब चुनाव पूरा होने के पश्चात अप्रैल 2024 में इसी विधेयक का संशोधित प्रारूप तैयार किया गया है। इसे कैबिनेट के समक्ष शीघ्र रखा जाकर पारित कराया जाएगा एवं उसके पश्चात इसे संसद में अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जाएगा।

यदि संसद में भी यह पारित हो गया तो फिर यह प्रसार सेवा विनियम कानून का रूप ले लेगा और पूरे देश में लागू हो जाएगा। इस कानून की पृष्ठभूमि ही यह है कि सरकार ने यह अनुभव किया कि सरकार की कड़ी आलोचना का मुख्य माध्यम अब राष्ट्रीय चैनल नहीं रहकर यूट्यूब, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप आदि बन गए हैं, अत: इन पर नकेल कसे बिना काम चलने वाला नहीं है।

यह दिलचस्प है के प्रसारण सेवाएं विनियमन विधेयक का प्रारूप अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। कहा जा रहा है कि इसका प्रारूप कुछ ओटीपी प्लेटफार्म के मालिकों, राष्ट्रीय चैनलों के मालिकों एवं अन्य संबंधित व्यक्तियों के साथ साझा किया गया एवं उसी के आधार पर नया संशोधित प्रारूप बनाया गया है। अधिकांश यूट्यूब कंटेंट क्रिएटर का कहना है कि उनसे किसी प्रकार की कोई राय नहीं ली गई। जो व्यक्ति, इस प्रस्तावित कानून से सबसे अधिक प्रभावित होंगे, उनकी कोई भूमिका इस कानून के बनाने में नहीं होगी। यह वैसी ही स्थिति होगी जैसी किसानों के संबंध में तीन कानून बनाते समय हुई थी। उस समय भी किसानों से राय नहीं ली गई थी। संसद में भी उस पर बहस नहीं हो पाई थी और अपने भारी बहुमत के आधार पर शोर शराबे में पारित करा लिया गया था । अंतत:, किसानों के कड़े विरोध और 700 किसानों की आंदोलन में हुई मृत्यु के पश्चात, सरकार को वे तीनों कानून वापस लेने पड़े। जिस प्रकार से प्रसारण सेवाओं को नियंत्रित करने का यह कानून बनाया जा रहा है उससे आशंका यही उत्पन्न होती है कि कहीं इनका भी वही हश्र नहीं हो जो किसानों के कानून का हुआ था।

सरकार की आलोचना के लिए सोशल मीडिया का उपयोग इतना अधिक होने लगा कि नवंबर 2023 में सरकार ने केवल एवं टीवी नेटवर्क कानून 1995 के स्थान पर प्रसारण सेवाएं विनियमन 2023 का प्रारूप जनता के सामने प्रस्तुत किया। यह बात लोकसभा चुनाव से ठीक पहले की थी।

आई अब हम इस कानून के प्रमुख प्रावधान एवं उसके प्रभाव का उल्लेखकर लें ।

यह कानून सभी ब्रॉडकास्टर्स पर लागू होगा। ब्रॉडकास्टर की परिभाषा बड़ी विस्तृत एवं वृहद रखी गई है । जहां एक और ओटीटी प्लेटफॉर्म एवं यूट्यूब चैनल इसमें सम्मिलित होंगे ही, वहीं कोई नागरिक भी यदि किसी समाचार या किसी रिपोर्ट पर अपने टिप्पणी दे देता है और उसका प्रसार एक निश्चित संख्या से अधिक हो जाता है, तो वह भी ब्रॉडकास्टर की श्रेणी में लाया जा सकता है। एक बार कोई भी व्यक्ति या संस्था ब्रॉडकास्टर की श्रेणी में आ गई तो उस पर इस कानून के सभी प्रावधान लागू हो जाएंगे। उसे एक समिति बनानी होगी जो प्रसारित होने वाले विषय वस्तु का मूल्यांकन करेगी, एक ग्रीवेंस रिड्रेसल अधिकारी बनाना होगा जो विषय वस्तु से संबंधित प्राप्त शिकायत का निराकरण करेगी । कल्पना कीजिए, कोई साधारण व्यक्ति यदि कथित सरकार विरोधी टिप्पणी कर देता है तो वह भी इस कानून के अंतर्गत कार्रवाई का भागीदार हो जाएगा। इस कानून के अंतर्गत, यदि सरकार द्वारा कोई भी विषय वस्तु किसी की भावना को ठेस पहुंचाने वाली अथवा देश हित के विरुद्ध मानी गई तो उसे हटाने का निर्णय सरकार ले सकेगी। इस अधिनियम की पालना न करने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई की जाकर उसे 2 साल की सजा और उस पर 10 लाख तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा । न्यायालय के आदेश के बिना, सरकार को यदि लगता है की कोई विषय वस्तु आपत्तिजनक है तो उसे हटाने का आदेश दिया जा सकेगा एवं उसे संदेश को रोका भी जा सकेगा। विषय वस्तु से संबंधित किसी भी शिकायत के बारे में अंतिम निर्णय ब्रॉडकास्ट अपील अधिकरण के द्वारा लिया जाएगा । इस ब्रॉडकास्ट अपील अधिकरण का गठन भी सरकार ही करेगी, जिसमें स्वाभाविक है सरकार की मनपसंद के लोग होंगे ।

कुल मिलाकर इस कानून के आने के बाद आशंका यही है कि हम एक प्रकार के 'डिजिटल तानाशाही' के युग में प्रवेश कर जाएंगे जहां न तो नागरिकों की कोई निजता बचेगी एवं न ही कोई यूट्यूब पर या पोस्ट द्वारा सरकार की नीतियों की आलोचना कर पाएगा। सरकार यदि चाहे तो ऐसे ब्रॉडकास्टर के द्वारा उपयोग में लिए जा रहे सभी डिजिटल उपकरण जैसे मोबाइल फोन, लैपटॉप, कंप्यूटर, पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क आदि जप्त कर सकेगी। इसके लिए किसी भी प्रकार के न्यायिक आदेश की आवश्यकता नहीं होगी । कल्पना कीजिए, एक साधारण नागरिक द्वारा यूट्यूब पर डाले गए किसी वीडियो से नाराज होकर यदि उसके उपकरण जप्त कर लिए गए तो उसके लिए यह वित्तीय हानि इतनी अधिक होगी कि वह इस काम को करने की दोबारा सोचेगा भी नहीं। कोई वीडियो राजनीतिक प्रवृत्ति का नहीं भी है किंतु यदि उसमें परोक्ष रूप से भी महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार जैसे शब्दों का प्रयोग कर किया गया तो उसे सरकार – विरोधी मानकर, उसे भी इस कानून के अंतर्गत दोषी माना जा सकेगा।

संभवतया, सरकार इस कानून के अंतर्गत किसी के विरुद्ध औपचारिक कार्रवाई न भी करे, किंतु सरकार का उद्देश्य पूरा हो जाएगा यदि डर के मारे कोई भी व्यक्ति या संस्था सरकार के विरुद्ध किसी प्रकार का कोई भी विषय वस्तु अपने माध्यम से प्रचारित प्रसारित नहीं करेगा। कानून में यह भी स्पष्ट नहीं है कि इसमें शिकायत कैसे होगी और इस कानून के अंतर्गत प्रावधानों की पालना किस प्रकार कराई जाएगी? किसी भी परिभाषा को अस्पष्ट रखने का उद्देश्य ही यह होता है कि सरकारी अधिकारी मनमाने तौर पर उसकी परिभाषा बना सकें और जिसके विरुद्ध चाहे, उसके विरुद्ध कानून कारवाई कर सकें ।

हालांकि अभी तक इस प्रस्तावित कानून का कोई प्रारूप सामने नहीं आया है किंतु जो बातें समाचार पत्रों और अन्य माध्यमों से सामने आई है उसके आधार पर यह आलेख लिखा गया है। सरकार को यह चाहिए कि तत्काल विधेयक के प्रारूप को सार्वजनिक करे एवं नागरिकों से इस पर अपने सुझाव आमंत्रित करे। इसके बाद, इसे संसद में रखकर गहन चर्चा के बाद सर्वसम्मति से पारित करने की कार्यवाही करे। यदि सरकार ने इसे बिना किसी चर्चा के, केवल अपनी आलोचना से बचने की आड़ में, बहुमत के आधार पर संसद से पारित करा भी लिया तो न्यायालय में इसका टिकना कठिन है, किंतु कुछ समय भी यदि यह कानून अस्तित्व में रहा, तो संभव है, सरकार कई प्रतिष्ठित, निष्पक्ष, स्वतंत्र और साहसी पत्रकारों को जेल में डाल देगी, ऐसी आशंका करना गलत नहीं होगा।

फिलहाल तो हम यही प्रार्थना कर सकते हैं कि सरकार को सद्बुद्धि आए और इस प्रकार के किसी भी दमनकारी कानून से बचे ताकि संविधान प्रदत्त नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर किसी प्रकार की आंच ना आए। आगे आगे देखिए, होता है क्या?

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

जैविक पशुपालन शोध और उद्यमिता विकास पर जोर दें विश्वविद्यालय : राज्यपाल मिश्र

बीकानेर के पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आयोजित

बीकानेर, (निसं)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा जैविक पशुपालन, शोध और अनुसंधान के साथ प्रसंस्करण व उद्यमिता में कौशल विकास से जुड़े कार्य प्रारम्भ किए जाएं। राज्यपाल मिश्र सोमवार को बीकानेर के पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

बीकानेर के वेटनरी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र ने स्वर्ण पदक व उपाधियां प्रदान की।

- समारोह में 665 उपाधियों और 29 पदकों से विद्यार्थियों को अलंकृत किया

राज्यपाल ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या घटती कृषि जोत पानी तथा अन्य प्राकृतिक संसाधनों की कमी मनुष्य के लिए एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में पशुधन और पशु उत्पाद ही पोषण सुरक्षा की दृष्टि से वरदान साबित हो सकते हैं। इसके लिए खाद्य और दुग्ध उद्योग में छोटे और मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि राजुवास तीन संघटक पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालयों एक डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय आठ सम्बद्ध महाविद्यालयों तथा 101 डिप्लोमा संस्थानों के माध्यम से प्रदेश में पशु चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान एवं प्रसार के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रसार शिक्षण के तहत पशुधन संरक्षण प्रसंस्करण की आधुनिक तकनीक के बारे में पशुपालकों से जानकारियां साझा करें। मिश्र ने कहा कि कृषि एवं पशुपालन की हमारी संस्कृति रही है। खेती-बाड़ी आय अर्जन के साथ पोषण सुरक्षा का भी माध्यम है। मिश्र ने आव्हान किया कि नवीन प्रौद्योगिकी के माध्यम से पशु सम्पदा रोग निदान और उपचार के साथ-साथ उनकी उत्पादक क्षमता बढ़ाने के प्रयास करने होंगे। राज्यपाल मिश्र ने पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को दीक्षांत समारोह की बधाई दी।

राज्यपाल मिश्र ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के अन्तर्गत एक विद्यार्थी-एक पेड़ की संकल्पना में हर विद्यार्थी को भागीदारी का आव्हान किया। कुलपति प्रो. सतीश गर्ग ने स्वागत उद्बोधन दिया और विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नज़ीर अहमद गनई ने दीक्षांत भाषण दिया।

समारोह में बीकानेर पूर्व विधानसभा विधायक सिद्धी कुमारी, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरूण कुमार, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित, राज्यपाल के विशेषाधिकारी गोविंद जायसवाल, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम आदि मौजूद रहे। कुलसचिव बिन्दु खत्री ने आभार जताया। राज्यपाल ने समारोह के दौरान 538 छात्र-छात्राओं को स्नातक 106 को स्नातकोत्तर एवं 21 को विद्यावाचस्पति की उपाधियां प्रदान की। इस दौरान राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकाशनों का विमोचन किया।

संस्कृति संध्या मल्हार-2024 में नृत्य नाटिकाओं द्वारा ऋतुओं को जीवंत किया

भीलवाड़ा, (निसं)। स्थानीय रमा कत्थक संस्थान एवं एल.एन.जे. समूह के सहयोग से वर्षा एवं सुख स्मृद्धि की कामना के लिए शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय नृत्यों की संस्कृति संध्या मल्हार-2024 का आयोजन स्थानीय महाराणा प्रताप सभागार (टाउन हॉल) में किया गया।

जानकारी देते हुए संस्थान के अध्यक्ष कैलाश पालिया ने बताया कि चार से छह वर्ष आयु के बच्चों के नीनाद समूह ने "राधे कृष्ण" की ज्योति अलौकिक एवं "ऊंची ऊंची ढोरियों से बांधू मैं गगर को" कृष्ण वन्दना प्रस्तुत कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। नुपूर समूह ने गरबा नृत्य "कान्हा रे थोड़ा सा प्यार दे" स्वरा समूह ने "मेघ मल्हार" पर आधारित "गरज-गरज आज मेघ घनन घनन छायोरी", की प्रस्तुति से सम्पूर्ण वातावरण को सावन महिने के एहसास से भर दिया। श्रुति समूह ने "आ जा रे मोरे रसिया ये मौसम मिलने का है" रागिनि समूह ने "बूंदन-बूंदन बरसे मेघा" एवं सकल बन फूल रही सरसों की प्रस्तुति से कार्यक्रम की ऊंचाईयां प्रस्तुत की। महाराज बिन्दादीन की प्राचीन अष्ठपदी निरतन ढंग से किरत किरत समूह ने भगवान नटवर के रूपों के साथ कत्थक के तकनीकी पक्ष तोड़े, टुकड़े, गत, फरद आदि की सुन्दर व्याख्या की। मनसवी पचिसियां एवं हर्षिता पुरोहित के युगल नृत्य "इठलाती बलखाती चमकत है, दामिनीयां" जो कि स्वर्गीय पंडित बिरजू महाराज के मन भीतर के अन्तर्गत था की मन मोहक प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया।

महाराणा प्रताप सभागार (टाउन हॉल) में संस्कृति संध्या मल्हार-2024 में कलाकारों ने कार्यक्रम पेश किये।

कार्यक्रम में किंकणी समूह के द्वारा रामायण पर आधारित नृत्य नाटिका का प्रस्तुतिकरण बहुत ही सुन्दर रूप से किया गया। पल्लवी समूह पिया बावरी पर सुन्दर प्रस्तुतिकरण दिया। बाल कलाकार ओनिक जैन ने भी वर्षा ऋतु पर गायन की सुन्दर प्रस्तुति दी। अंकिता राणावत एवं कविता ओझा को कत्थक के क्षेत्र में एवं औनिक जैन को गायन में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सम्मानित किया गया। खचाखच भरे टाउनहॉल में दर्शकों ने भरपूर आनंद लिया। संस्थान के सचिव रमा पचिसिया के अनुसार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री जानकीलाल भांड, रजनीश वर्मा, आरसीएम समूह के टीसी छाबड़ा, ओस्तवाल समूह की नीतू ओस्तवाल, समाजसेवी पूजा गलुन्दिया, संगीत गुरू विद्याशंकर किन्नरीया ने कत्थक नृत्य के प्रति बच्चों का इतना सम्पर्ण देखकर संस्थान के उद्देश्यों एवं गुरूजनों को शुभकामनाएं दी। कत्थक गुरू रमा पचिसिया के मार्ग निर्देशन में मनसवी, हर्षिता, प्रेरणा, स्तुति, अदिति, युक्ति ने नृत्य निर्देशन किया। कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ कलाकार संगीतज्ञ एवं 500 से ज्यादा कला प्रेमियों की उपस्थिति रही।

सावन के दूसरे सोमवार को शिव मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब

मंदिरों में सहस्त्रधारा, रुद्राभिषेक व जलाभिषेक के कार्यक्रम हुये

अजमेर, (कासं)। सनातन संस्कृति में श्रावण मास में भगवान भोले नाथ की अराधना के रूप में मनाया जाता है। सावन माह के दूसरे सोमवार को शहर सहित जिलेभर के मंदिरों में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। कांवड़िए पुष्कर सरोवर से जल भरकर अपने गंतव्य मंदिरों तक जा रहे हैं तो वहीं मंदिरों में सहस्त्रधारा, रुद्राभिषेक व जलाभिषेक सहित धार्मिक आयोजन हो रहे हैं और बम-बम भोले के जयघोष गुंजायमान हो गए। श्रद्धालु अपने आस्था के अनुरूप भगवान भालेनाथ के गर्भग्रह में शिवलिंग पर जल, बिल्वपत्र, घी, शहद आदि से अभिषेक कर रहे हैं।

वैशाली नगर सागर विहार कॉलोनी स्थित बड़कालेश्वर मंदिर में सहस्त्रधारा का आयोजन हुआ। संयोजक डॉ.बीना चौधरी ने बताया कि पांच पंडित द्वारा रुद्रपाठ किया गया। सात जोड़ों द्वारा विधिवत पूजा अर्चना कराई गई। शिव परिवार सहित श्रीकृष्ण राधा, राम दरबार, दुर्गा मां की प्रतिमाओं का नयनाभिराम श्रृंगार किया। मंदिर की भी विशेष सजावट गई। आरती के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया। अखिल भारतीय प्रजापति युवा संगठन की ओर से कुम्हार मोहल्ला आर्य नगर स्थित कुम्हारेश्वर महादेव मंदिर में विधि-विधान से शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा हुई। शिव शक्ति नगर से शोभायात्रा निकाली गई। पंडित पीयूष दाधीच ने विधि-विधान से भगवान शिव परिवार की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई। इस अवसर पर हवन यज्ञ हुआ। वहीं शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कांवड़िए पुष्कर सरोवर से जल लेने पहुंच रहे हैं। श्रद्धालु पुष्कर सहित आसपास के पवित्र सरोवर से जल लेकर अपने-अपने क्षेत्रों में स्थित मंदिरों पर पहुंच रहे हैं, इसके साथ रुद्रीपाठ के बीच सहस्त्रधाराएं हो रही है। ब्रह्माकुमारीज द्वारा शिव दर्शन आध्यात्मिक प्रदर्शनी:- प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शास्त्री नगर की ओर से पलटन बाजार विजयवर्गीय धर्मशाला में आयोजित शिव दर्शन आध्यात्मिक प्रदर्शनी को देखने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग के दर्शन कर पूजा-अर्चना की

अजमेर में सावन के दूसरे सोमवार को महिलाओं ने मंदिरों में शिवजी की पूजा-अर्चना की।

ब्रह्माकुमारी आशा बहन ने कहा कि सर्व आत्माओं के पिता परमात्मा शिव ज्योति बिंदु स्वरूप हैं। ज्ञान के सागर हैं। गुणों के भंडार हैं। आनंद के सागर हैं। कार्यक्रम में कीर्ति बहन, भाई ओमप्रकाश, हरिराम आदि मौजूद रहे। श्री पर्वतेश्वर महादेव मंदिर पर मंगलवार को सहस्त्रधारा का आयोजन होगा। सुबह नौ बजे पंडितों द्वारा विधि-विधान से शिव पूजन, दोपहर एक बजे मंत्रोच्चारण के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक (सहस्त्र धारा) पांच बजे तक तत्पश्चात भगवान शिव का विशेष श्रृंगार, महाआरती व प्रसाद का वितरण होगा।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 30 जुलाई, 2024

सावन मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, कृत्तिका नक्षत्र दिन 10:23 तक, वृद्धि योग दिन 3:56 तक, विष्टि करण सायं 4:45 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-वृष, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 10:23 तक है। कुमार योग दिन 10:23 से आरम्भ होगा। भद्रा सायं 4:45 तक रहेगी। आज मंगला गौरी पूजा है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:14 से 10:53 तक, लाभ-अमृत 10:53 से 2:13 तक, शुभ 3:53 से 5:32 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:54, सूर्यास्त 7:12

मेष
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

कर्क
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

धनु
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मकर
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कुंभ
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों को दी कई सौगातें

भरतपुर व बीकानेर यू.आई.टी. होंगे विकास प्राधिकरण, चतुर्थ श्रेणी के पदों पर होगी भर्ती

- वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा का जवाब दिया मुख्यमंत्री ने
- एन.एफ.एस.ए. के लाभार्थियों को 450 रुपये में गैस सिलेण्डर
- 1 सितंबर 2024 से लागू होंगी वेतन विसंगति संबंधी सिफारिशें
- बार काउंसिल को एक बारीय सहायता के रूप में 7 करोड़ 50 लाख रुपये
- द्रव्यवती नदी के विकास के लिए नवीन योजना बनाई जाएगी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 450 रुपये में एलपीजी सिलेण्डर की योजना का दायरा बढ़ाते हुए अब प्रदेश में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के सभी लाभार्थियों को 450 रुपये में एलपीजी सिलेण्डर दिया जाएगा। अब तक प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना एवं बीपीएल श्रेणी के परिवारों को इसका लाभ मिल रहा था।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को राजस्थान विनियोग एवं वित्त विधेयक पर चर्चा के प्रत्युत्तर के दौरान गत सरकार में गठित कर्मचारी वेतन विसंगति परीक्षण समिति की सिफारिशों को लागू करने, पुलिस, आरएसी, जेल प्रहरी, वन रक्षक में अग्निवीर युवाओं को नियुक्ति का प्रावधान, भरतपुर एवं बीकानेर में विकास प्राधिकरण सहित कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीब, पिछड़ा एवं अंतिम छोर में बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए 24 गुणा 7 कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने भी सर्वजनहिताय की सोच वाला, समाज के सभी वर्गों-युवा, किसान, महिला, मजदूर, गरीब, असहाय, उपेक्षित और अंतिम छोर पर खडे.व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने वाला बजट दिया है। इस बजट के 10 संकल्पों से हम प्रदेशवासियों की खुशहाली के साथ विकसित राजस्थान का निर्माण करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 जून 1975 भारत के लोकतंत्र में काला दिवस था। उस दिन पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी ने अपना पद बचाने के लिए लोकतंत्र की हत्या की। नेताओं को मीसा कानून के तहत जेल में डाला, न्यायालय के अधिकारों पर कुठाराघात किया और मीडिया पर सेंसरशिप लागू की। साथ ही 1953 से 2014 के बीच 50 बार से अधिक राज्यों में चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार जनहित का काम करती है, नाम बदलने का राजनीति नहीं। पूर्ववर्ती सरकार ने अटल सेवा केन्द्र का नाम राजीव गांधी सेवा केन्द्र करने एवं अन्नपूर्णा रसोई योजना का नाम बदलकर इंदिरा रसोई योजना करने का कार्य किया गया।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ठोस कार्य करने की नीति के साथ आगे बढ़ रही है, वहीं पूर्ववर्ती सरकार के समय में केवल थोथी घोषणाएं हुईं। पशुधन बीमा योजना में पशुपालकों का रजिस्ट्रेशन किया लेकिन एक भी पशु का बीमा नहीं किया गया। वहीं प्रतापगढ़, जालौर एवं राजसमंद में मेडिकल कॉलेज खोलने, फिरोजपुर फीडर की मरम्मत के कार्य, जयपुर में विश्वकर्मा एमएसएमई, केन्द्रीय बस स्टैंड-सिंधी कैम्प को मल्टी मॉडल इंटीग्रेटेड आईएसबीटी हब के रूप में विकसित करने सहित कई घोषणाओं की क्रियान्विति नहीं हुई।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने अल्प अवधि में 45 हजार से अधिक पदों के लिए भर्तियों के विज्ञापन प्रकाशित किये हैं। लगभग 20 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी भी प्राप्त हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में ईआरसीपी (पूर्वी राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट) के लिए भी कोई एमओयू नहीं किया गया। साथ ही, यमुना जल समझौते के लिए एक मांग पत्र भी नहीं लिखा गया। वहीं हमनें प्रदेशहित में इन योजनाओं पर कार्य प्रारंभ किया।

इस दौरान शर्मा ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना 4.0 के अंतर्गत प्रदेश की ढाई हजार से अधिक ग्रामीण बसावटों को सड़क से जोड़ने का प्रावधान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार प्रकट किया। उन्होंने प्रदेश में सड़कों के निर्माण एवं उन्नयन संबंधी कार्यों के लिए 1 हजार 100 करोड़ रुपये के अधिक की राशि के कार्यों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि 2 वर्षों में 1 हजार करोड़ रुपये व्यय कर 10 हजार से अधिक आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्रों में सीमेंट कंक्रीट के अटल प्रगति पथ निर्मित किए जाएंगे। उन्होंने बड़े शहरों में सार्वजनिक परिवहन के लिए 500 के स्थान पर 1000 ई-बस उपलब्ध करवाये जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भरतपुर एवं बीकानेर यूआईटी का उन्नयन कर वहां विकास प्राधिकरण का गठन करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों में जन सुविधा के कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सम्पादित करने के उद्देश्य से जिला स्तर पर जिला नगरीय आयुक्त की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि द्रव्यवती नदी के विकास के लिए नवीन योजना बनाई जाएगी। उन्होंने 10 हजार से अधिक आबादी वाले कस्बों एवं निकटवर्ती गांवों को शामिल करते हुए 100 कलस्टरों में चरणबद्ध रूप से फेकल स्लज मैनेजमेंट के कार्य एवं दौसा शहर में सीवरेज मास्टर प्लान, सूरजगढ़ (झुंझुनूं), सांगोद (कोटा) में सीवरेज लाईन के कार्य, चेचट एवं खैराबाद कस्बों में क्षतिग्रस्त नालों की सफाई एवं पुनर्निर्माण कार्यों की घोषणा भी की।

शर्मा ने प्रदेश में पेयजल सुविधा हेतु बीसलपुर पेयजल योजना में अजमेर (फेज-3)-जयपुर (फेज-2) के लिए कॉमन इंटेक वैल मय ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण सहित पेयजल संबंधी 9 कार्य 540 करोड़ रुपये की लागत से करवाये जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पेयजल की गुणवत्ता एवं स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए वाटर टेस्टिंग लैब्स को राष्ट्रीय स्तर का बनाकर एनएबीएल से मान्यता प्राप्त करने हेतु 15 करोड़ 50 लाख रुपये व्यय किए जाएंगे। साथ ही, वाटर टेस्टिंग सेंपल्स को जीओ टेगिंग कर ऑनलाइन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए एससीआईएल और गेल से एमओयू करते हुए 4100 मेगावाट क्षमता का सृजन किया जाएगा। उन्होंने किसानों के खेत पर कुसुम परियोजना/हैम मॉडल के माध्यम से 1000 मेगावाट अतिरिक्त ऊर्जा उत्पादन किए जाने की घोषणा की। साथ ही, प्रदेश में हैम मॉडल पर बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के माध्यम से चरणबद्ध रूप से 2000 मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता सृजित की जाएगी। उन्होंने ऊर्जा उत्पादन में निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के लिए कैप्टिव पावर उत्पादन की सीमा 100 प्रतिशत से बढ़ाकर 200 प्रतिशत करने एवं विभिन्न क्षमता के 4 जीएसएस स्थापित किए जाने की घोषणा भी की।

शर्मा ने युवा उद्यमिता प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 6 प्रतिशत ब्याज पुनर्भरण हेतु ऋण की सीमा बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये किए जाने, पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत दस्ताकारों को दिये जा रहे 5 प्रतिशत की दर पर ऋण हेतु 2 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज अनुदान दिये जाने, खुशियारा (बारां) एवं पण्डेर (जहाजपुर)-शाहपुरा में औद्योगिक पार्क एवं अजमेर में आईटी पार्क स्थापित किये जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं की स्किलिंग एवं अप्रेंटिसशिप के लिए पीएम पेकेज के अंतर्गत प्रदेश के ढाई लाख से अधिक युवाओं को लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने भर्तियों में लगने वाले समय को कम करने के उद्देश्य से दस्तावेज सत्यापन विभागीय स्तर पर कराये जाने एवं विज्ञप्ति उपरांत रिक्तियों की संख्या में 50 प्रतिशत वृद्धि के प्रावधान को बढ़ाकर 100 प्रतिशत किये जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि चतुर्थ श्रेणी की भर्ती के नियमों में परिवर्तन किया जाकर इन पदों पर भर्ती की जाएगी। उन्होंने सीईटी के प्रावधानों में बदलाव करते हुए क्वालीफिकेशन हेतु सभी श्रेणियों के लिए न्यूनतम अंक 40 प्रतिशत एवं एससी-एसटी के लिए 35 प्रतिशत अंक किये जाने की घोषणा की। उन्होंने कालवाड़, बनीपार्क (जयपुर) सहित 6 नवीन महाविद्यालयों, 3 नवीन कन्या महाविद्यालयों, बालाहेड़ा (महवा-दौसा) में कृषि महाविद्यालय, 2 पॉलिटेक्निक एवं एक महिला पॉलिटेक्निक सहित शिक्षा के विस्तार की दृष्टि से कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की।

शर्मा ने कहा कि आरयूएचएस का उन्नयन करते हुए एम्स दिल्ली की तर्ज पर राजस्थान इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की स्थापना की जाएगी। उन्होंने प्रदेश में राजस्थान इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा पद्धति अधिनियम-2018 के अंतर्गत इलेक्ट्रोपैथी बोर्ड का गठन किये जाने की भी घोषणा की। उन्होंने श्रीगंगानगर एवं मेडिकल कॉलेज कोटा में कैंसर मरीजों के लिए लीनियर एक्सलरेटर मशीनें उपलब्ध करवाने सहित विभिन्न चिकित्सा संस्थानों की स्थापना एवं क्रमोन्नयन की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री ने राजस्थानी साहित्य को बढ़ावा देने के लिए प्रतिवर्ष विजयदान देथा साहित्य उत्सव मनाने सहित विभिन्न आस्था केन्द्रों, पेनोरमा एवं बावड़ी संबंधी विकास कार्यों के लिए भी घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि जयपुर एवं जोधपुर में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नवीन क्षेत्रीय कार्यालय शुरू किए जाएंगे। उन्होंने एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि से 2 लाख 50 हजार हैक्टेयर क्षेत्रफल को सिंचित किए जाने के लिए विभिन्न सिंचाई संबंधी कार्यों करवाये जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि किसानों को फसल, फसली रोग एवं विपणन संबंधी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध करवाने के लिए 40 करोड़ रुपये का प्रावधान कर राज किसान साथी प्लेटफॉर्म विकसित किया जाएगा। उन्होंने पंजीकृत गौशालाओं को देय अनुदान में 10 प्रतिशत की वृद्धि, 2 हजार दुग्ध संकलन केन्द्र खोलने, पशु चिकित्सा संस्थानों की स्थापना एवं क्रमोन्नयन, परबतसर (डीडवाना-कुचामन), सेड़वा (चौहटन) एवं भाड़ोती (सवाईमाधोपुर) में कृषि मंडी खोलने तथा 150 बीज बैंकों की स्थापना सहित विभिन्न घोषणाएं की।

शर्मा ने केन्द्रीय सशस्त्र बलों की तर्ज पर अग्निवीर युवाओं को पुलिस, आरएसी, जेल प्रहरी, वन रक्षक में नियुक्ति दिए जाने का प्रावधान करने की घोषणा की। उन्होंने प्रदेश में 100 सीटर राज्य स्तरीय अभय कमांड सेंटर की स्थापना करने, तिजारा (खैरथल) में बॉर्डर होमगार्डस की एक कंपनी तैनात किए जाने, अजमेर/जयपुर स्थित राजस्व मंडल एवं कर बोर्ड का एकीकरण किये जाने, डीड राइटर्स की संख्या दोगुनी कर 5 हजार किये जाने, विभिन्न प्रशासनिक, पुलिस इकाईयों एवं न्यायालयों की स्थापना एवं क्रमोन्नयन सहित अन्य महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की। उन्होंने बार काउंसिल को एक बारीय सहायता के रूप में 7 करोड़ 50 लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने गत सरकार द्वारा गठित कर्मचारी वेतन विसंगति परीक्षण समिति की वेतन सुधार, वेतन विसंगति संबंधी शेष सिफारिशों को 1 सितंबर, 2024 से लागू करने, राजस्थान कॉन्ट्रेक्चुअल हॉयरिंग टू सिविल पोस्ट्स रूल्स-2022 के अंतर्गत सृजित पदों के नियमित पदों में परिवर्तित किये जाने पर नियुक्ति हेतु 5 वर्ष के अनुभव की निर्धारित पात्रता अवधि में वर्ष 2024-25 में 2 वर्ष की छूट प्रदान किये जाने की घोषणा की। उन्होंने पेंशनर्स को राहत प्रदान करते हुए 70 से 75 वर्ष के पेंशनर्स के लिए 5 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता दिए जाने की घोषणा की।

नव नियुक्त राज्यपाल कल शपथ लेंगे

जयपुर। राजस्थान के नव नियुक्त राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे 31 जुलाई को राजभवन में आयोजित समारोह में शपथ ग्रहण करेंगे। राज्यपाल बागडे को मुख्य न्यायाधिपति मनिन्द्र मोहन श्रीवास्तव शपथ ग्रहण करवाएंगे। राज्यपाल के सचिव गौरव गोयल ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह राजभवन में सांय 4 बजे आयोजित होगा।

बोनस अंक नहीं देने पर मांगा जवाब

जयपुर। हाईकोर्ट ने फार्मासिस्ट भर्ती-2023 में अभ्यर्थी को बोनस अंक नहीं देने पर प्रमुख चिकित्सा सचिव और स्वास्थ्य निदेशक सहित स्थानीय सीएमएचओ से जवाब तलब किया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश रजनीश भारती की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने प्लेसमेंट एजेंसी के जरिए काम किया था। उसके पास करोना काल और उसके बाद का अनुभव प्रमाण पत्र है। इसके बावजूद भी उसे अनुभव के बोनस अंकों का लाभ नहीं दिया गया और दस्तावेज सत्यापन के बाद उसे चयन प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया।

आम सूचना हर आम व खास को इत्तिला दी जाती है कि प्लॉट नम्बर 61 व 62 वाके कृष्णा विहार, हरनाथपुरा, झोटवाडा, जयपुर को घोटी देवी पत्नी श्री मालूराम मीणा, निवासिया-मकान नम्बर 55 व 56, मीणा की ढाणी, हरनाथपुरा, झोटवाडा, जयपुर में जरिये विक्रय अनुबंध महिपाल सिंह शेखावट को विक्रय कर दिया है, यदि इस संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह निम्न पते पर सूचना प्रकाशन से 15 दिवस की अवधि में सम्पर्क कर लेवे। आयन्दा कोई आपत्ति माननीय नही होगी।
जयपुर विनोद कुमार एडवोकेट
दिनांक-29.07.24 मो.-9887069197

कार्यालय उपायुक्त, (विद्याधर जोन) नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(अम्बाबाडी सामुदायिक केन्द्र, अम्बाबाडी सर्किल, जयपुर)
क्रमांक:-एफ.55 ( ) वि.जोन/ न.नि.ज.(ग्रे)/2024/1216
सार्वजनिक सूचना दिनांक:- 25/07/2024
भूखण्ड सं. 07, पंचवटी-बी कॉलोनी, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर (निजी खातेदारी) जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्री श्रवण कुमार कुमावत पुत्र श्री गणेश नारायण के पक्ष में क्षेत्रफल 137.18 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया था। मूल आवंटी की मृत्यु उपरान्त पंजीकृत हकत्याग पत्र एवं विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती मोनिका डीडवानिया पत्नी श्री महेन्द्र कुमार शर्मा ने भूखण्ड सं. 07, पंचवटी-बी कॉलोनी, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर का नाम हस्तान्तरण चाहा गया है। उक्त भूखण्ड के नाम हस्तान्तरण बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी। उपायुक्त
विद्याधर नगर जोन नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर जयपुर
क्रमांक: 3113 **जाहिर आम-सूचना** दि.:26.07.2024
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 84/217 (MIG-B) का आवंटन श्री दीपक धवन पुत्र श्री जगदीश धवन को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 3895 दिनांक 14.09.2001 को जारी किया गया था आवंटी श्री दीपक धवन के निवेदन पर कार्यालय आदेश क्रमाक 2086 दिनांक 15.10. 2001 के द्वारा श्रीमती स्वर्णलता धवन पत्नी श्री जगदीश धवन का नाम जोड़ा गया। इनके पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 04.08.2009 को कर दिया गया। श्री दीपक धवन एव श्रीमती स्वर्णलता धवन द्वारा उक्त आवास को श्रीमती नीता भदोरिया पत्नी श्री देश दीपक भदोरिया एवं श्रीमती विमला भदोरिया पत्नी स्व. श्री उदय सिंह भदोरिया को विक्रय कर इनके पक्ष में विक्रय पत्र दिनांक 04.08.2009 को उप पंजीयक-अष्टम जयपुर में पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती विमला भदोरिया की मृत्यु दिनांक 14.05.2017 को हो जाने के कारण पुत्र श्री देश दीपक भदोरिया द्वारा आवासन मण्डल मे अपना नाम 1/2 हिस्से पर मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। अतः उक्त आवास का हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्रीमती नीता भदोरिया एवं श्री देश दीपक भदोरिया का नाम मण्डल रिकॉर्ड में 50-50 प्रतिशत हिस्सा दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय,
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम राजस्थान आवासन मंडल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक : 3072 दिनांक : 25.7.24
जाहिर आम-सूचना
राजस्थान आवासन मंडल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या LA-605 (LIG), प्रताप अपार्टमेंट का आवंटन श्री अजय पाल सिंह गुजराल पुत्र श्री नानक सिंह गुजराल को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 821 दिनांक 02.11.2011 को जारी किया गया था। श्री अजय पाल सिंह गुजराल की मृत्यु दिनांक 01.11.2017 को हो जाने के कारण उनकी पत्नी श्रीमती अवनीत कौर पत्नी स्व. श्री अजयपाल सिंह द्वारा आवासन मंडल में अपना नाम मंडल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अत: उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्ष कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मंडल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती अवनीत कौर पत्नी स्व. श्री अजयपाल सिंह का नाम मंडल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय
सम्पदा प्रबंधक
वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मंडल, जयपुर

आम सूचना जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांक : जविप्रा/उपा./जोन-5/2024/डी-1237 दिनांक 29.07.2024
न्यू पिंक सिटी गृह निर्माण सहकारी समिति की योजना महेश नगर, के भूखण्ड संख्या सी-505 व 506 का पुनर्गठन करते हुए नाम हस्तान्तरण हेतु श्री संजय प्रतिहार पुत्र श्री कजोडमल द्वारा आवेदक किया गया है। श्री कजोडमल बैरवा के वारिसान 1. श्रीमती मनफली देवी पत्नी स्व. श्री कजोडमल 2. श्री विजय कुमार वर्मा 3. अजय वर्मा 4. सोनू वर्मा पुत्रान स्व. श्री कजोडमल बैरवा के पक्ष में निष्पादित रजि. विक्रय पत्र की प्रमाणित छाया प्रति, श्री कजोडमल बैरवा के मृत्यु प्रमाण-पत्र की प्रमाणित छाया प्रति प्रस्तुत कर स्वामित्व पुनर्गठन करते हुए हस्तान्तरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया हैं। इस कार्यालय द्वारा भूखण्ड संख्या-सी-506, का श्री संजय प्रतिहार पुत्र श्री कजोडमल के पक्ष में क्षेत्रफल 216.66 वर्ग गज का पट्टा विलेख दिनांक 29.09. 2023 को जारी किया गया था। उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में आवेदन द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र व दस्तावेजों के आधार पर आवेदक के पक्ष में नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही करने के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, हितधारी, संस्था को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को इस सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिवस में प्रस्तुत कर देवें। निर्धारित मियाद में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर आवेदकगण के पक्ष में नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। उपायुक्त जोन-5

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक मकान नम्बर 90/54, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान मे स्थित है, उक्त वर्णित सम्पूर्ण मकान नम्बर 90/54 को श्रीमती इन्दिरा छाबड़ा धर्मपत्नि श्री तारा चन्द छाबड़ा ने जरिये विक्रय पत्र लिखा हुआ दिनांक 09/11/2011 श्री खेमेन्द्र अग्रवाल पुत्र श्री झम्मन लाल अग्रवाल से खरीद किया था तत्पश्चात् श्रीमती इन्दिरा छाबड़ा का दिनांक 07/01/2022 को स्वर्गवास हो गया है तथा श्री तारा चन्द छाबड़ा का भी स्वर्गवास हो जाने के कारण राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर ने उक्त वर्णित सम्पूर्ण मकान नम्बर 90/54 श्रीमती निशा जैन, श्रीमती नमिता जैन, श्रीमती सीमा सुमित जैन एवं श्रीमती रश्मि जैन पुत्रियान् स्वर्गीय श्री तारा चन्द छाबड़ा एवं स्वर्गीय श्रीमती इन्दिरा छाबड़ा के नाम हस्तांतरित कर दिया है। यह कि उक्त मकान को श्रीमती विन्दु कुमारी गुप्ता धर्मपत्नि श्री देवेन्द्र कुमार मित्तल निवासी फ्लैट नम्बर जी-1, प्लाट नम्बर ए-256, कृष्णम् रेजीडेन्सी, 80 फीट रोड़, महेश नगर, जयपुर, राजस्थान ने श्रीमती निशा जैन, श्रीमती नमिता जैन, श्रीमती सीमा सुमित जैन एवं श्रीमती रश्मि जैन से खरीद करने का इकरार किया है तथा उक्त मकान की खरीद हेतु श्रीमती विन्दु कुमारी गुप्ता ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड से ऋण हेतु आवेदन भी किया है, यदि उक्त मकान के विक्रय/हस्तांतरण इत्यादि के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति/व्यक्तियों, संस्था, कम्पनी इत्यादि को किसी भी प्रकार की आपत्ति, आक्षेप इत्यादि हो तो प्रकाशन तिथि से 7 दिन (सात दिन) की अवधि में मुझे सूचित करें, अन्यथा बाद मियाद आपत्ति अमान्य मानी जावेगी तथा उक्त मकान के विक्रय पत्र का विधिवत् पंजीयन श्रीमती विन्दु कुमारी गुप्ता के हित मे करा दिया जायेगा।
दिनांक:29/07/2024 Shashank Tikkiwal, Adovocate
स्थान:जयपुर मो.-916640077

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in, Phone No. 0141-2782772
कमांक-DHC-III/568 दिनांक-16/7/24
जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 93/42, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 162.00 वर्ग मीटर / वर्ग गज का आवंटन श्री योगेश गर्ग पुत्र श्री हरी निवास गर्ग को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 3926 दिनांक 12.12.1989 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 06.04.1990 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात श्री योगेश गर्ग की मृत्यु दिनांक 27.01.2020 को हो जाने के कारण इनकी पत्नी श्रीमती ममता गर्ग पत्नी स्व. श्री योगेश गर्ग ने मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञिप्त प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्रीमती ममता गर्ग पत्नी स्व. श्री योगेश गर्ग के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

विवाहिता ने दो बच्चों के साथ कुएं में कूदकर आत्महत्या की

सालरा गांव में पति से पारिवारिक कलह के चलते विवाहिता ने आत्महत्या का कदम उठाया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र के सालरा गांव में पति से पारिवारिक कलह के चलते विवाहिता ने नौ माह के नवजात बेटे और सात साल की मासूम बेटी के साथ कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने अथक प्रयास के बाद ग्रामीणों के सहयोग से मां-बेटे के शवों को कुएं से निकलवा लिया।

- **महिला ने 7 साल की बेटी कविता व नौ माह के बेटे को लेकर कुएं में छलांग लगा दी**

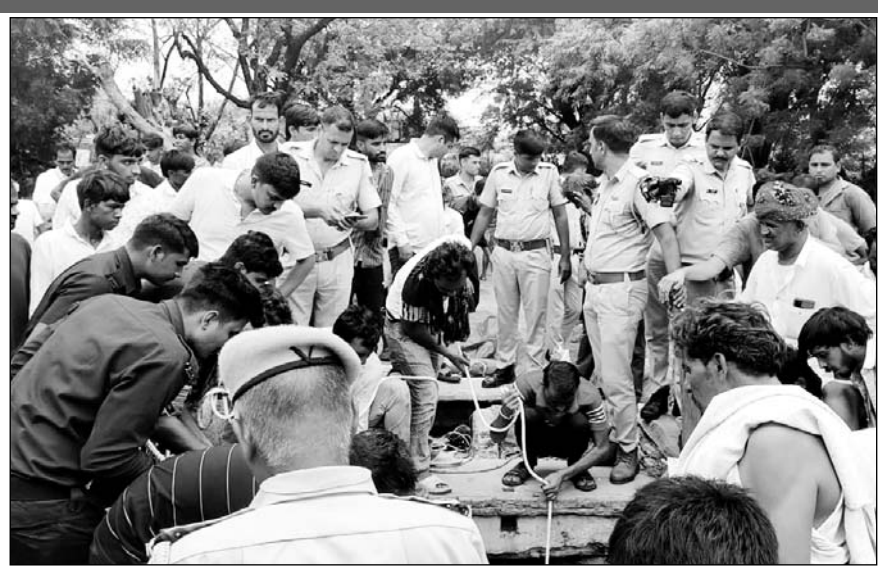

सुभाषनगर थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर ने बताया कि सालरा निवासी राजू देवी गाडरी (30) व उसके पति उदयलाल गाडरी के बीच पारिवारिक कलह चल रहा था। इसी के चलते सोमवार सुबह करीब पांच बजे राजू देवी, अपनी सात साल की बेटी कविता व नौ माह के बेटे हनुमंत को लेकर घर से निकल गई। राजू देवी, अपने घर से करीब आधा किलोमीटर दूर स्थित अपने ही कुएं पर पहुंची और बेटे-बेटी सहित कुएं में छलांग लगा दी।

पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से तीनों के शवों को कुएं से निकलवाया।

उधर, राजू देवी के घर से निकलने के बाद परिजन उसकी तलाश में निकले तब इस घटना का पता चला। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सुभाषनगर थाना प्रभारी गुर्जर मय जाप्ता मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से कुएं में गिरी महिला व उसके बेटे-बेटी की तलाश शुरु की। अथक प्रयास के बाद मां-बेटे के शवों को कुएं से निकाल लिया गया। कड़ी मशक्कत के बाद बच्ची का शव भी कुए से बाहर निकाल लिया गया।

राज्य में स्कूलों के लिये वार्षिक कैलेंडर जारी

साल के 365 दिनों में स्कूल महज 213 दिन ही संचालित होंगे

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग ने राज्य के सरकारी व प्राइवेट स्कूलों के लिए सेशन 2024-25 के लिए वार्षिक कैलेंडर जारी कर दिया है। साल के 365 दिनों में स्कूल महज 213 दिन ही संचालित होंगे, जबकि 152 दिन स्कूलों में अलग-अलग कारणों से अवकाश रहेगा। इसमें रविवार का अवकाश भी शामिल है।

- **152 दिन स्कूलों में अलग-अलग कारणों से अवकाश रहेगा इसमें रविवार का अवकाश भी शामिल है**
- **स्कूलों में प्रथम परख 21 अगस्त से 23 अगस्त तक होंगे। वहीं द्वितीय परख14 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक होंगे**

शिक्षा निदेशक आशीष मोदी की ओर से जारी कैलेंडर के अनुसार इस बार मध्यावधि अवकाश यानी दीपावली के अवकाश 27 अक्टूबर से शुरू होंगे और सात नवम्बर तक रहेंगे। इसी तरह सर्दियों की छुट्टियां हर बार की तरह 25 दिसम्बर से शुरू हो जाएगी और पांच जनवरी तक रहेगी। स्कूलों में प्रथम परख 21 अगस्त से 23 अगस्त तक होंगे। वहीं द्वितीय परख14 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक होंगे। इस बार अर्द्धवार्षिक परीक्षायें 12 दिसम्बर से 24 दिसम्बर तक आयोजित होंगी। वार्षिक परीक्षा 24 अप्रैल से 8 मई तक आयोजित होंगी। परीक्षा परिणाम 16 मई को घोषित होगा।

शिक्षा विभाग ने इस बार भी हर महीने के दूसरे व चौथे शनिवार को "नो बेग डे" घोषित किया है। इस दिन स्कूलों में अलग-अलग गतिविधियां आयोजित होगी, जिसमें बच्चों को स्टेज पर आने का अवसर दिया जाएगा। शिक्षा विभाग से जुड़े सरकारी व प्राइवेट स्कूलों में नया सेशन एक जुलाई 2025 से शुरू होगा। इससे पहले रिजल्ट घोषित होने के साथ ही स्कूलों में छुट्टियां घोषित हो जाएगी। आमतौर पर प्राइवेट स्कूल एक अप्रैल से ही सेशन शुरू कर देते हैं लेकिन सरकारी स्कूल में सेशन एक जुलाई से ही शुरू हो रहा है। इस बार जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन 25 व 26 अक्टूबर को घोषित होगा, वहीं राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन 17 व 18 जनवरी को घोषित होगा। इन चार दिनों में सरकारी स्कूल में अवकाश रहेगा।

'सामाजिक सुरक्षा पेंशन भुगतान की लंबित अवधि एक महीना की'

जयपुर, (वि.सं.)) विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान आज विधायक अमृतलाल मीणा के प्रश्न पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से वर्तमान में सामाजिक सुरक्षा पेंशन भुगतान की लंबित अवधि एक महीना कर दी गई है। गहलोत ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय यह अवधि तीन महीने से अधिक थी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा पेंशन राशि में 15 प्रतिशत की वृद्धि कर इसे 1000 रुपये से 1150 रूपये किया गया है। वर्तमान में पेंशनर्स को गत एक अप्रैल से बढ़ी हुई पेंशन राशि का भुगतान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 89 लाख पेंशनर्स के खातों में 1037 करोड़ रूपये की राशि का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया गया है।

खेलने गए चार बच्चों की तालाब में डूबने से मौत

सभी बच्चे नहाने के लिए तालाब में उतरे थे, किसी को भी तैरना नहीं आता था

परबतसर, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम कैराप में घर से बाहर खेलने गए चार बच्चों की गांव के तालाब में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। सभी नहाने के लिए तालाब में उतरे थे। किसी को भी तैरना नहीं आता था। तलाश कर रहे परिजनों और ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस-प्रशासन ने तालाब में सर्च ऑपरेशन चलाया। इसके बाद चारों बच्चों के शव तालाब में गहरे दलदल में फंसे हुए मिले।

मामला डीडवाना-कुचामन जिले के कैराप गांव का है। घटना रविवार शाम पांच बजे हुई। खुनखुना एसएचओ देवीलाल ने बताया कि कैराप गांव के भूपेश (13) पुत्र काशीराम लोहार, साहिल खान (14) पुत्र संजय खान, शिवराज (14) पुत्र गिरधारी लोहार, विशाल ढाका (14) पुत्र बलदेव राम जाट रविवार शाम एक साथ घर से बाहर खेलने के लिए निकले थे। चारों बच्चे देर शाम तक घर नहीं लौटे तो परिजनों को

भूपेश लोहार।

साहिल खान।

शिवराज लोहार।

विशाल ढाका।

चिंता हुई। आसपास बच्चों की तलाश की गई। जानकारी मिली कि बच्चे तालाब किनारे खेलने गए थे।

इस पर रात को तालाब किनारे पहुंचे तो वहां चारों बच्चों की चप्पलें तालाब के किनारे पड़ी मिली। बच्चे कहीं नजर नहीं आए। दो बच्चों के शव ग्रामीणों ने निकाले। खुनखुना थानाधिकारी देवीलाल बिश्नोई ने बताया कि रात करीब 9.20 बजे ग्रामीणों ने हादसे की सूचना दी थी। इस पर पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे। दो बच्चों के शवों को ग्रामीणों ने खुद के स्तर पर दलदल से निकाल लिए थे। अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक हिमांशु भी मौके पर पहुंचे। सूचना पर कलेक्टर बालमुकुंद असावा ने एसडीआरएफ की टीम के साथ तहसीलदार और एएसपी हिमांशु शर्मा को रात 10 बजे मौके पर भेजा। चार घंटे के सर्च के बाद एस डी आर एफ की टीम ने रात करीब दो बजे दो अन्य बच्चों के शवों को भी तालाब से बाहर निकाला, जिन्हें डीडवाना के राजकीय बांगड़ जिला अस्पताल लाया गया। शवों का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिए गए हैं। मामले की जांच की जा रही है। एक साथ चार बच्चों की मौत से गांव में गमगीन माहौल है।

आकाशीय बिजली गिरने से दो बच्चों की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। आकाशीय बिजली गिरने से खेरवाड़ा तहसील के कागदर गांव में दो बच्चों की मौत हो गई। दोनों बच्चे पहाड़ी पर बकरी चराने के लिए गए थे। खेरवाड़ा तहसील के गांव निवासी गोपाल पुत्र सुरेंद्र कलासुआ तथा लक्की पुत्र अनिल कलासुआ दोनों बच्चे गांव में ही बकरी चरा रहे थे। इस दौरान बिजली गिरने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों बच्चों को पहले खेरवाड़ा फिर डूंगरपुर रेफर किया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया है।

वहीं डूंगरपुर जिले के पाल देवल गांव में सोफ स्टोन माइंस काम करे मजदूरों भी आकाशीय बिजली गिरने से घायल हो गए। घायलों में अधिकांश महिलाएं शामिल है। सभी लोगों देवल गांव में सॉफ स्टोन की माइंस पर काम करते थे। बिजली गिरने से एक महिला के हाथ पैर झुलस गए। महिला को गंभीर हालात में रैफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार देवल गांव सोमवार को मजदूर सॉप स्टोन की माइंस पर काम कर रहे थे। तभी बारिश शुरू हो गई बारिश से बचने के लिए सभी मजदूर माइंस पर खड़े डंपर के सहारे छुप गए। इस दौरान आसमान से आकाशीय बिजली गिर गई। जिसे आस पास में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना एंबुलेंस की दी। इस पर 108 के पायलट दिनेश रोत और ईएमटी रेखा गायरी मौके पर पहुंचे और घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां सभी घायलों का इलाज चल रहा है।

लोहार्गल में कांवड़ियों के बीच घुसे शरारती तत्वों ने सूर्य कुंड पर हंगामा किया

शरारती तत्वों ने धक्का मारकर पुलिसकर्मी को कुंड में गिराया

नवलगढ़, (निसं)। तीर्थराज लोहार्गल धाम के सूर्य कुंड पर रविवार रात्रि को हुई घटना से पुलिस प्रशासन और सूर्य कुंड पर पवित्र स्नान के लिए जाने वाले भक्तों की प्रतिष्ठा पर प्रश्न चिह्न लग गया। रविवार-सोमवार की मध्य रात्रि के बाद सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने लगा, जिसमें लोहार्गल सूर्य कुंड पर रात्रि करीब 11.15 बजे स्नान कर रहे लोगों को पुलिस जवान डंडे मारकर खदेड़ते नजर आ रहे हैं। वीडियो चारों तरफ आग की तरह फैल गया। लोगों में अनेक प्रकार की चर्चाएं भी शुरू हो गई, लेकिन सूर्य कुंड के चारों ओर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखने पर पता चला कि घटना का दूसरा पहलू भी है।

- **शरारती तत्वों को काबू करने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया**

तीर्थराज लोहार्गल धाम के सूर्य कुंड पर अव्यवस्थायें फैली हुई हैं।

फुटेज में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि गौमुख के पास महिलाएं कांवड़ पात्र में पवित्र जल भर रही थी। इस दौरान महिलाओं की तरफ आ रहे शरारती तत्वों को पुलिस जवानों ने टोका और दूसरी तरफ जाने के लिए कहा। कुंड के पास लगे माइक पर भी बार-बार अनाउंसमेंट किया गया। इसके बाद रात्रि 11.15 बजे कांवड़ियों की भीड़ में छिपे असामाजिक तत्व ने एक पुलिस जवान को धक्का मारकर कुंड में गिरा दिया, जिसके बाद पुलिस के जवानों ने कुंड में काफी देर से नहा रहे शरारती लोगों को बाहर निकालने के लिए डंडे फटकारे और 1-2 जने को डंडे भी लगे। इसके बाद 11.20 पर इन शरारती लोगों ने मिलकर पुलिस जवान को जमकर पीटा। कुंड पर हुड़दंग बढ़ता देख कांवड़िए पवित्र जल लेकर अपने-अपने गंतव्य की ओर निकल गए। हुड़दंग करने वाले शरारती लोग भी लाइट नहीं होने की वजह से अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग गए। मामले में गोठड़ा थाने में प्रकरण भी दर्ज हुआ है।

घटना की जानकारी लेने व कुंड पर पुलिस की व्यवस्था व अन्य व्यवस्थाओं को लेकर नवलगढ़ पुलिस उप अधीक्षक मनोज कुमार गुप्ता व गोठड़ा थानाधिकारी कमलेश चौधरी सोमवार दोपहर लोहार्गल पहुंचे। डीवाईएसपी मनोज कुमार गुप्ता ने लोहार्गल पंचायत कार्यालय में सरपंच जगमोहनसिंह शेखावत, लोहार्गल सूर्य मंदिर पीठाधीश्वर अवधेशाचार्य महाराज, लोहार्गल के ग्राम विकास अधिकारी अनिल कुमार, सूर्य कुंड के आसपास के दुकानदारों व ग्रामीणों के साथ बैठक की। जिसमें लोगों से भविष्य में इस प्रकार की अप्रिय घटना न हो इसके लिए सुझाव मांगे। सरपंच जगमोहनसिंह, अवधेशाचार्य महाराज ने शनिवार से सोमवार सुबह तक कुंड पर कम से कम 40 पुलिस जवानों की तैनाती करने की मांग की। साथ ही मौजूद लोगों ने सूर्य कुंड पर जाने वाले श्रद्धालुओं का मार्ग दूसरे रास्ते से करने की मांग भी उठी। सरपंच जगमोहनसिंह व महंत अवधेशाचार्य ने सूर्य कुंड पर व्यवस्थाओं के लिए पुलिस टीम के साथ अपने कार्यकर्ता लगाने का भरोसा दिया।

जगदगुरू अवधेशाचार्य महाराज, पीठाधीश्वर सूर्य मंदिर लोहार्गल का कहना है कि धरती के पहले तीर्थ लोहार्गल धाम के सूर्य कुंड पर असामाजिक तत्वों द्वारा की गई घटना निंदनीय हैं। शिवभक्त कांवड़िए सूर्य कुंड पर हुड़दंग नहीं कर सकते। यह लोग तो कांवड़ियों को बदनाम करने व कांवड़ यात्रा को बंद करवाने के षड़यंत्र के तहत कांवड़ियों के बीच भेष बदलकर घुस गए। घटना के समय महिला कांवड़ यात्री गौमुख के पास कांवड़ पात्र में जल भर रही थी। उसी समय सारा घटनाक्रम शुरू हुआ। मौके पर पुलिस जवानों की संख्या बहुत कम थी। इसलिए मैं प्रशासन से मांग करता हूं कि कांवड़ियों के साथ आने वाले डीजे लगे वाहनों को गोल्याणा चौराहे पर ही रोका जाए और दूसरे वाहनों की भी गोल्याणा चौराहे से लोहार्गल कुंड के बीच 3-4 स्थानों पर जांच की जाए, इन वाहनों को भी कुंड से दूर रोका जाए, साथ ही संभव हो सके तो रात के समय शराब व अन्य प्रकार के नशे करके कांवड़ियों के जत्थों में घुसकर कुंड पर आने वाले असामाजिक तत्वों की जांच की जाए। पूरे श्रावण मास में शनिवार से सोमवार तक अतिरिक्त पुलिस बल लगाए जाए।

जगमोहनसिंह शेखावत, सरपंच, लोहार्गल का कहना है कि रविवार-सोमवार की मध्य रात्रि की घटना निंदनीय हैं। कांवड़ियों के भेष में कुछ असामाजिक तत्व सूर्य कुंड पर आ गए और हुड़दंग फैलाया तथा पुलिस के साथ भी इनकी कहासुनी हुई। घटना के समय सूर्य कुंड पर सैकड़ों की संख्या में कांवड़िए मौजूद थे, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। घटना के समय लोहार्गल में बिजली कटौती चल रही थी। यहां पर विद्युत कटौती की बड़ी समस्या है। इसलिए विद्युत निगम के अधिकारियों को रात्रि के समय बिना कटौती बिजली सप्लाई देनी चाहिए और ग्राम पंचायत की ओर से शुक्रवार से रविवार रात्रि तक विशेष पुलिस बल तैनात करने की मांग की गई है।

मनोज कुमार गुप्ता, पुलिस उप अधीक्षक, नवलगढ़ का कहना है कि रात्रि को अचानक भीड़ बढ़ जाने से कुछ देर के लिए अव्यवस्था हुई। कांवड़ियों के साथ आए डीजे लगे वाहनों को लोहार्गल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। साथ ही कांवड़ियों के साथ मोटरसाइकिलों के साइलेंसर हटाकर तेज आवाज करने वाले चालकों व बाइकों को जब्त किया जाएगा। कुंड पर आने वाले श्रद्धालुओं व कांवड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो इसके लिए सरपंच, मंदिरों के पुजारियों व ग्रामीणों को साथ लेकर तथा पुलिस जाब्ता बढ़ाकर व्यवस्थाओं को सुगम व सुरक्षित किया जाएगा। जिससे रविवार रात्रि को हुई घटना जैसी पुनरावृत्ति नहीं हो।

राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल
2-2,ए झालाना डूंगरी,जयपुर फोन 0141-2711237, 2703657, 2700540 फैक्स : 0141-2710362 email: secretary.rstb@rajasthan.gov.in

खुली बोली प्रतियोगिता से दर अनुबंध
निविदा सूचना संख्या 334

मण्डल कार्यालय में सेवाप्रदाता एजेन्सी के माध्यम से मण्डल कार्यालय उपयोग हेतु कम्प्यूटर, लैपटॉप एवं लेजर प्रिन्टर क्रय हेतु फर्मो से सीलबंद बोलियों दिनांक 06.08.2024 दोपहर 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। बोली की अनुमानित लागत 25.00 लाख रूपये है।

बोली से संबंधित विवरण एवं शर्तें वैबसाईट **http://sppp.rajasthan.gov.in, https://eproc.rajasthan.gov.in** पर देखी एवं डाउन लोड की जा सकती है।

UBN No. : TBB2425GLOB00022

राज.संवाद/सी/24/2981 सचिव

कार्यालय नगर परिषद बून्दी

क्रमांकः– 1773 दिनांकः– 26.07.2024

-:: निविदा सूचना ::-

नगर परिषद बून्दी द्वारा जारी निविदा सं0: निर्माण/2024–25/1767 दिनांक 26/07/2024 की निविदा दिनांक 26/07/2024 से दिनांक 05/08/2024 शायः 6.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जावेगी। निविदा दिनांक 06/08/2024 को 3.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा निविदा दिनांक 06/08/2024 को 04.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। विस्तृत शर्ते व विवरण निविदा sppp.rajasthan.gov.in/eproc.rajasthan.gov.in पर **DLB2425WSOB04196,** तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।

आयुक्त
राज.संवाद/सी/24/2955 नगर परिषद, बून्दी

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति नदबई जिला भरतपुर (राज0)
E-mail - Kums.nadbai@rajasthan.gov.in

क्रमांक :– 9298378 दिनांक :– 26.07.2024

बोली आमंत्रण सूचना संख्या–03/2024–25
NIB–DAM 2425A0240

ईच्छुक बोलीदाताओं से लैब ऑपरेटर ठेका, बागवानी व्यवस्था ठेका, प्रकाश व्यवस्था मय मोटर पम्प चालक ठेका, डाटा इन्टरनेट ठेका, प्याऊ पर पानी पिलाने का कार्य हेतु बोली /निविदा दिनांक 06.08.2024 सांय 04:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा के सबंध मे अन्य विवरण राजस्थान राज्य की उपापन पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in पर और विभागीय वेबसाईट www.agriculture.rajasthan.gov.in/dam पर देखे जा सकते है।

क्रमशः UBN – DAM2425SSOB00551, DAM2425SSOB00552, DAM2425SSOB00553, DAM2425SSOB00554, DAM2425SSOB00555

राज.संवाद/सी/24/3016 प्रशासक सचिव

VARDHMAN MAHAVEER OPEN UNIVERSITY, KOTA
(Rawathbhata Road, Kota -324021) (Estate Cell)

NOTICE INVITING E-TENDER (NIB 13/2024-25)

E-Bid is invited for **"ARC for hiring of Computer Machines along with trained personnel"** (UBN: VMU2425SLRC00012). Further details may be obtained from **http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.vmou.ac.in w.e.f. 29/07/2024.**

Raj.Samwad/C/24/2937 OIC Estate

AJMER VIDYUT VITRAN NIGAM LIMITED
Corporate Identification Number (CIN) – U40109RJ2000SGC016482
Registerd Office: VidyutBhawan, Panchsheel Nagar, Makarwali Road, Ajmer-305004
Office of The Superintending Engineer (Civil)
Email-secivilavvnl@gmail.com ; http ://energy.rajasthan.gov.in/avvnl

No. : AVVNL/SE/CIVIL/AJM/FC: D : 807 Date : 26/07/2024

ई-निविदा सूचना संख्या 03 (2024-25)

केन्द्र/राज्य सरकार के विभागों में 'ए' व 'एए' श्रेणी तथा अ.वि.वि.नि.लि. के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत, अनुभवी तथा माल एवं सेवाकर विभाग से पंजीकृत निविदाकारों से अधिशाषी अभियंता (सिविल/सिविल-QC), अजमेर/उदयपुर/सीकर/चितौडगढ के अधीन सिविल कार्यों के लिए निविदाऐं **UBN No. AVV2425WSOB00146, AVV2425WSOB00147, AVV2425WSOB00149 to AVV2425WSOB00161, AVV2425WSOB00163 to AVV2425WSOB00172, AVV2425WSOB00174 to AVV2425WSOB00194, AVV2425WSOB00196 to AVV2425WSOB00205** आमन्त्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट **http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in** व **http://energy.rajasthan.gov.in/avvnl** पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/24/2929 अधीक्षण अभियन्ता (सिविल)

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग विद्युत खण्ड भरतपुर
निविदा सूचना सं. 04/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नांकित विद्युत कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं के.लो.नि.वि. डाक, दूरसंचार, रेलवे, से.अ.से., अन्य राज्य सरकारों / केन्द्रीय सरकार के उपक्रमों/ सगठनों के पास सूचीबद्ध ठेकेदार, जो राजस्थान के वर्ग कक और क के समतुल्य है, निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण इन्टरनेट साईट www.pwd.rajasthan.gov.in, www.dipr.rajasthan.gov.in पर एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध है।

S.No.	NIB No.	UBN No.
1.	PWD2425A0890	PWD2425WSOB03370
2.	PWD2425A0890	PWD2425WSOB03371
3.	PWD2425A0890	PWD2425WSOB03372
4.	PWD2425A0890	PWD2425WSOB03373
5.	PWD2425A0890	PWD2425WSOB03374

DIPR/C/6664/2024 अधिशाषी अभियंता, सानिवि विद्युत खंड, भरतपुर

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, सांभर लेक जिला जयपुर ग्रामीण

क्रमांकः– न.पा.सा./2024/79 दिनांकः– 26.07.2024

ई–निविदा सूचना संख्या 04/2024

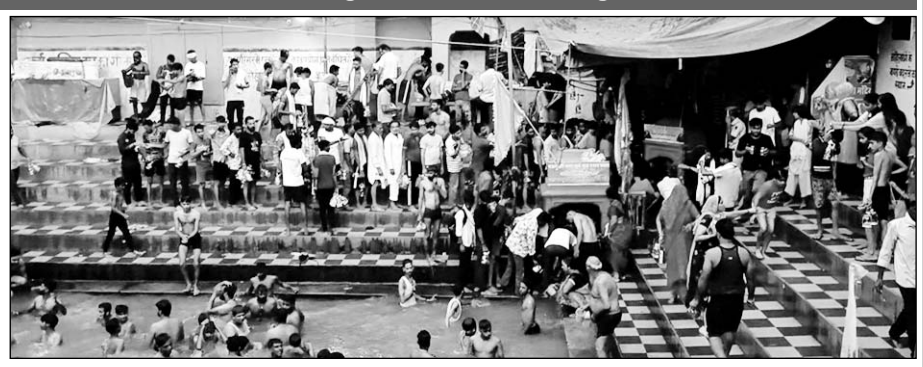

नगर पालिका सांभर लेक द्वारा निम्न कार्य कराये जाने हेतु सेवायें में ईच्छुक एंव अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया हेतु आनलाईन निविदाएें आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म आनलाईन वेबसाईट **http://eproc.rajasthan.gov.in** डाउनलोड एवं अपलोड व **http://sppp.rajasthan.gov.in** पर डाउनलोड किये जा सकते हैः–

S. No.	Particulars	Detail
1	Unique Bid Number	DLB2425SSOB04246, DLB2425SSOB04249, DLB2425SSOB04251, DLB2425SSOB04252, DLB2425SSOB04254
2	Number of Work:-	05
3	Estimate Cost of Tender	80.00 लाख
4	Earnest money (EMD) 2%	1.60 लाख
5	Cost of tender document (non-refundable) In favor of Municipal Corporation Jaipur Heritage Payable at Jaipur.	निविदा में अंकित कार्य के सम्मुख तालिका अनुसार
6	RISL Processing Fees (non-refundable) In favor of MD RISL Payable at Jaipur.	निविदा में अंकित कार्य के सम्मुख तालिका अनुसार
7	Tender Publication on official web site http;//eproc.rajasthan.gov.in	26.07.2024
8	Tender download start date	26.07.2024
9	Bid Submission start date & Time	26.07.2024
10	Bid Submission End date & Time	05.08.2024
11	Technical bid opening date & Time	07.08.2024
12	Financial bid opening date & Time	Will be Intimated latter to the Technically qualified Bidders

अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका मण्डल सांभर लेक नगर पालिका मण्डल सांभर लेक
राज.संवाद/सी/24/2985

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
पृथ्वीराज मार्ग, अजमेर

क्रमांक :स्टोर (प्रशा.)/17 दिनांक :– 27.07.2024

ई–निविदा सूचना

एक वर्ष के लिए इस कार्यालय में जॉब वर्क आधार पर कम्प्यूटर सिस्टम मय प्रशिक्षित कार्मिक (मशीन विद मैन) दर अनुबंध पर सेवा उपलब्ध करवाने हेतु विनिर्दिष्टत पंजीकृत बोलीदाता/संवेदक जो की राजस्थान अनुबंधित श्रमिक (नियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम 1970, कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम 1952, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948, वस्तु एवं सेवा कर (GST) आय कर (पैन नम्बर) एवं राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यिक संस्थान अधिनियम 1958, या इण्डियन पार्टनरषिप एक्ट 1932 के अन्तर्गत या इण्डियन कम्पनीज एक्ट 1956 अन्तर्गत पंजीकृत हो, से निम्नलिखित प्रकार से खुली बोली आमंत्रित की जाती हैः–

क्रम	विवरण	कार्य की अनुमानित लागत	बोली प्रतिभूति राशि	बोली प्रपत्र शुल्क/आरआईएसएल प्रोसेसिंग फीस	ऑनलाईन बोली प्रपत्र भरने की अन्तिम तिथि व समय	ऑनलाईन तकनीकी बोली खोलने की तिथि व समय
1.	65 कम्प्यूटर सिस्टम मय प्रशिक्षित कार्मिक(मैन विद मशीन)	91.00 लाख रूपये	1.82 लाख	2000/– 1500/– प्रोसेसिंग फीस	06.08.2024 को मध्यान्ह 12 बजे तक	06.08.2024 को दोपहर 1 बजे

1. खुली बोली आमंत्रण सूचना विस्तृत आमंत्रण सूचना मय बोली दस्तावेज राजस्थान राज्य लोक उपापन पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajastan.gov.in पर भी देखा जा सकता है।
2. बोली प्रतिभूति, बोली प्रपत्र शुल्क, प्रोसेसिंग फीस राशि निगम द्वारा उपलब्ध कराई बैंक खातों में जमा करानी होगी।
3. किसी भी बोली को स्वीकार/अस्वीकार करने या किसी बोली को निरस्त करने का उपापन समिति का अधिकार सुरक्षित हैं।

NIB :- ANN2425A0073
UBN:- ANN2425SSLOB00089

उपायुक्त
राज.संवाद/सी/24/3010 नगर निगम, अजमेर

राजस्थान सरकार
कार्यालय खनि अभियन्ता, खान एवं भूविज्ञान विभाग, जयपुर
पंचम तल, खनिज भवन, तिलक मार्ग, सी स्कीम जयपुर 302 005
दूरभाष नं. 0141-2227404 Email: me.jaipur@rajasthan.gov.in

क्रमांकः खअ/जय/निविदा-05/2025/853 दिनांक : 24.07.2024

नीलामी सूचना प्रकाशन 05/2024-25

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जयपुर जिले के विभिन्न राजस्व ग्रामों के खातेदारी/सरकारी खसरों में अवैध खनन/निर्गमन चैकिंग के दौरान एमएमसीआर 2017 के नियम 54 व 60 के तहत जब्तशुदा खनिज चेजा पत्थर/क्वार्टज खनिज जैसी भी, जितनी भी, जहां भी है, उसी स्थिति में नीलामी हेतु दरें सीलबंद लिफाफे में आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न तालिका व विभागीय बेवसाईट www.mines.rajasthan.gov.in, Portal https://sppp.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध है। उक्त नीलामी में भाग लेने हेतु नीलामी प्रपत्र 1,000/- रु का डी.डी./बैंकर्स चैक खनि अभियंता जयपुर (MINING ENGINEER JAIPUR) के नाम से जमा कराकर किसी भी कार्यदिवस में दिनांक 13 अगस्त 2024 (दोपहर 3.00 बजे) तक कार्यालय खनि अभियंता, पंचम तल, खनिज भवन, तिलक मार्ग, सी स्कीम जयपुर से प्राप्त किये जा सकते है।

नीलामी हेतु खनिज चेजा पत्थर समूहों का संक्षिप्त विवरण–

क्र. सं.	तहसील, राजस्व ग्राम एवं खसरा नंबर जहाँ खनिज पढ़ा हुआ है	खनिज का नाम	खनिज की अनुमानित मात्रा	बयाना / अमानता राशि	न्यूनतम बोली राशि (रु.)/ (प्रति टन)
1	बस्सी, घाटा खसरा संख्या 216	चेजा पत्थर	1110	9768.00	440.00
2	बस्सी, दयारामपुरा खसरा संख्या 110/1	चेजा पत्थर	1293	11378.00	440.00
3	बस्सी, दयारामपुरा खसरा संख्या 119	चेजा पत्थर	6643.62	5864.00	440.00
4	बस्सी, दयारामपुरा खसरा संख्या 116,120 व 200 / 39	चेजा पत्थर	7800	68640.00	440.00
5	बस्सी, दयारामपुरा खसरा संख्या 103	चेजा पत्थर	960	8448.00	440.00
6	बस्सी, दयारामपुरा खसरा संख्या 10	चेजा पत्थर	450	3960.00	440.00

नीलामी हेतु खनिज क्वार्टज समूहों का संक्षिप्त विवरण–

क्र. सं.	तहसील, राजस्व ग्राम एवं खसरा नंबर जहाँ खनिज पढ़ा हुआ है	खनिज का नाम	खनिज की अनुमानित मात्रा	बयाना / अमानता राशि	न्यूनतम बोली राशि (रु.)/ (प्रति टन)
1	बस्सी, घाटा खसरा संख्या 216	क्वार्टज	150	4050.00	1350.00
2	बस्सी, दयारामपुरा खसरा संख्या 10	क्वार्टज	50	1350.00	1350.00

आठ समूहों (खातेदारी/सरकारी खसरे) में पड़े जब्तशुदा चेजा पत्थर/क्वार्टज की प्रत्येक समूह के लिए अलग-अलग बोली दरें सीलबंद लिफाफे में दिनांक 13 अगस्त 2024 (सायंकाल 5.00 बजे) तक प्राप्त की जायेगी। निर्धारित समय तक प्राप्त सीलबंद लिफाफे कमेटी द्वारा दिनांक 14 अगस्त 2024 को प्रात: 11.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोले जायेगे। नीलामी की शर्ते एवं विस्तृत जानकारी विभागीय बेवसाईट www.mines.rajasthan.gov.in एवं पोर्टल http:s://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगी व किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय समय में नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

UBN - MIN2425GLOB00018

DIPR/C/6603/2024 खनि. अभियंता जयपुर

सलूम्बर में दलित शिक्षक और सीकर में दलित छात्र की हत्या का मुद्दा विधानसभा में गूंजा

कांग्रेस विधायकों ने वैल में उतरकर करीब साढ़े 3 घंटे तक हंगामा और नारेबाजी की, हालात इतने बिगड़े कि सदन की कार्यवाही भी 3 बार स्थगित करनी पड़ी

-विधानसभा संवाददाता-

- विपक्ष का कहना था कि, ''उदयपुर में कन्हैयालाल हत्याकांड के बाद उसके परिजनों को 1 करोड़ रु. मुआवजा और नौकरी दी गई थी, जबकि इस प्रकरण में पीड़ित परिवार को मात्र 21 लाख रु. दिये गए हैं, जो कि भेदभाव है।''
- सदन में यह प्रकरण बढ़ता देखकर स्पीकर देवनानी ने व्यवस्था दी कि, ''राज्य सरकार, मंगलवार को इन मुद्दों पर शून्यकाल के बाद जवाब देगी। इसके बाद हंगामा शांत हुआ और सदन की कार्यवाही सुचारु चली।''

जयपुर। सलूम्बर में दलित शिक्षक और सीकर में दलित छात्र की हत्या का मुद्दा सोमवार को विधानसभा में गूंजा। कांग्रेस विधायकों ने वैल में उतरकर करीब साढ़े 3 घंटे तक हंगामा और नारेबाजी की। हालात इतने बिगड़े की सदन की कार्यवाही 3 बार स्थगित करनी पड़ी। मामला बढ़ता देखकर स्पीकर वासुदेव देवनानी ने व्यवस्था दी कि, ''राज्य सरकार, मंगलवार को इन मुद्दों पर शून्यकाल के बाद जवाब देगी। इसके बाद हंगामा शांत हुआ और सदन की कार्यवाही सुचारु चली।''

दरअसल शून्यकाल में विधायक थावरचंद ने स्थगन प्रस्ताव के तहत, संलबूर में दलित शिक्षक की हत्या का मामला उठाया और कहा कि इस मामले में पीड़ित परिवार को मात्र 21 लाख रुपए का मुआवजा दिया गया हैं, जो कि बहुत कम है। थावरचंद ने कहा कि उदयपुर में कन्हैयालाल हत्याकांड के बाद राज्य सरकार ने उसके परिजनों को एक करोड़ रुपए का मुआवजा एवं एक आश्रित को नौकरी दी थी, जबकि इस मामले में सरकार ने भेदभाव किया है। इस मामले में भी पीड़ित परिवार को 1 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाये।

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित विपक्ष के सदस्य भी खड़े हो गए और बोलने लगे, इससे सदन में शोरगुल हुआ। विपक्ष के सदस्य इस मामले को लेकर वेल की तरफ बढने लगे और सदन में हंगामा होने लगा।

इस दौरान स्थगन प्रस्ताव के जरिए विधायक पितराम सिंह काला ने सीकर में दलित छात्र की हत्या का मामला उठाया। इसके बाद विपक्ष के सभी सदस्य, दलितों पर अत्याचार के मुद्दे को लेकर सदन की वैल में आ गए और नारेबाजी करने लगे, जिससे सदन में हंगामा बढ़ गया।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने हंगामा कर रहे सदस्यों को टोका लेकिन विपक्ष के सदस्य नारेबाजी करते रहे। देवनानी ने हंगामा कर रहे विपक्ष के सदस्यों से कहा कि संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल जवाब दे रहे हैं, सभी सदस्य अपनी जगह पर जाये लेकिन विपक्ष के सदस्य वैल में डटे रहे और हंगामा करते रहे। इस पर अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष के सदस्य जवाब सुनना नहीं चाहते हैं, ये सदन में हंगामा मचाना चाहे रहे है।

इस दौरान जोगाराम पटेल जवाब देने के लिए खड़े हुए लेकिन कांग्रेस विधायकों के हंगामे के कारण वापस बैठ गए। हंगामा कम नहीं होता देख जोगाराम पटेल फिर उठे और उन्होंने कहा कि सीकर में छात्र की हत्या के मामले की जांच कराकर 1-2 दिन में इस मामले की पूरी रिपोर्ट सदन को बता दी जायेगी। इसके बाद भी विपक्ष का हंगामा चलता रहा। इसी बीच पर्ची के माध्यम से विधायक गणेशराम बंसल, आदूराम मेघवाल, रामसहाय वर्मा और हरलाल सिंह सहारण ने अपनी बात रखी, लेकिन हंगामे के कारण उनकी कोई भी बात स्पष्ट रुप से सुनाई नहीं दी।

दलित अत्याचार का यह हंगामा बढ़ता देखकर स्पीकर देवनानी ने सदन की कार्यवाही 12:45 बजे (भोजन अवकाश से 15 मिनट पहले) ही 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दोपहर 2 बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही फिर शुरु होने लगी तो कांग्रेस विधायक वैल में हंगामा करते रहे, इसके चलते सभापति संदीप शर्मा ने 2:06 बजे सदन की कार्यवाही 30 मिनट के लिए स्थगित कर दी। वापस सदन शुरू होने के बाद भी गतिरोध बरकरार रहा तो पुन: 30 मिनट के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

बाद में दोपहर 3 बजकर 6 मिनट पर सदन की कार्यवाही को शुरू करवाते हुए स्पीकर वासुदेव देवनानी ने व्यवस्था दी कि, राज्य सरकार इस प्रकरण पर मंगलवार को शून्यकाल के बाद जवाब देगी। इसके बाद सदन में हंगामा शांत हुआ और कार्यवाही सुचारु चली।

आई.एन.ए. सोलर का कॉर्पोरेट ऑफिस जयपुर में शुरू हुआ

जयपुर। क्लीन व ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने में भारत की प्रतिष्ठित सोलर पैनल मैन्युफैक्चरिंग कंपनी ''इन्सोलेशन एनर्जी लिमिटेड'' (आई.एन.ए. सोलर) ने 28 जुलाई 2024 को न्यू आतिश मार्केट एक्सटेंशन स्थित अपने कॉर्पोरेट ऑफिस ''फ्लुइडकॉन हाउस'' का उद्घाटन किया।

दफ्तर का उद्घाटन जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, आई.एन.ए. सोलर के चेयरमैन मनीष गुप्ता व एम.डी. विकास जैन ने किया। कंपनी चेयरमैन मनीष गुप्ता और प्रबंध निदेशक विकास जैन ने बताया कि अब जयपुर स्थित इस कार्यालय पर कंपनी के सभी डिपार्टमेंट के 100 से अधिक कर्मचारी एक साथ बैठ सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह नया कार्यालय हमारे व्यापार के विस्तार का हिस्सा है और इसका उद्देश्य हमारे ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता की सेवाएं प्रदान करना और हमारे कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं और सेवाएं प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि आई.एन.ए. सोलर अपने उत्कृष्ट उत्पादों और सेवाओं के माध्यम से सोलर इंडस्ट्री में एक नई ऊंचाई स्थापित कर रही है। आईएनए सोलर पैनल, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मानकों आई.ई.सी, ए.एल.एम.एम. एंड बी.आई.एस. द्वारा मान्यता प्राप्त है। कंपनी देश की लगभग सभी सौर परियोजनाओं जैसे कि जल जीवन मिशन, कुसुम योजना, घरेलू रूफटॉप, बीएसएनएल इत्यादि में अपनी भागीदारी निभा कर मेक इन इंडिया मिशन को प्रमोट कर रही है। मनीष गुप्ता ने बताया कि आईएनए सोलर बीएसई-एसएमई बोर्ड पर सूचीबद्ध है। कंपनी की वर्तमान में 2 मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स जयपुर में स्थित है जिनकी संयुक्त उत्पादन क्षमता 950 मेगावाट है, जो कि आगामी वर्षों में बढ़कर 4000 मेगावाट तक हो जायेगी। सोलर सेल 1200 मेगावाट तथा एल्युमीनियम फ्रेम 12 हजार मैट्रिक टन वार्षिक क्षमता की यूनिट लगाने की योजना है।

सरकारी योजनाओं व कैशलेस इलाज में फ़र्ज़ीवाड़े का आरोप

जयपुर। चिकित्सक की अनुपस्थिति में चिकित्सक के डॉक्यूमेंट विभाग में लगाकर सरकारी योजनाओं में मरीज़ों के इलाज के नाम पर फर्जीवाड़ा कर खिलवाड़ किया जा रहा है।

प्राईवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स सोसायटी के प्रेसिडेंट डॉ विजय कपूर ने बताया कि यह अत्यंत गंभीर मामला है। ये कैसे और क्यों हो रहा है और कौन कर रहा है, यह जांच का विषय है। उन्होंने बताया कि ऐसे प्रकरण उनके संज्ञान में लाए गए हैं, जो ज़्यादातर अप्रशिक्षित या झोलाछाप व्यक्तियों द्वारा किए जा रहे हैं। डॉ. कपूर ने कहा कि सरकार की नाक के नीचे खुलेआम धड़ल्ले से सरकारी योजनाओं में ये गोरखधंधा चल रहा है। ऐसे में कैसे कोई नैतिकता से काम करने वाले चिकित्सक, अस्पताल सम्मान जनक और सही तरीक़े से इन योजनाओं में काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी अधिकारी जानते हुए भी ऐसे प्रकरणों में कार्रवाई क्यों नहीं करते, यह समझ से परे है। डॉ. कपूर ने आरोप लगाया कि भ्रष्ट अधिकारियों, डॉक्टरों, अस्पतालों, दलालों, बीमा कंपनी की मिली भगत से ही सरकारी योजनाओं में यह सब गड़बड़ी संभव है। कपूर ने कहा कि इस मामले में वो इसमें संलिप्त उन कतिपय अस्पतालों व चिकित्सकों को भी कठघरे में खड़ा कर रहे हैं, जिनकी वजह से संपूर्ण चिकित्सा पेशा बदनाम होता है।

पांच जिलों में चांदीपुरा वायरस के लिए अलर्ट

- गुजरात से सटे जिलों के सभी सीएमएचओ को सर्वे करवाने के निर्देश
- जयपुर में चार सैंपल की रिपोर्ट नेगेटिव

जयपुर। गुजरात से सटे जिलों में इन दिनों चांदीपुरा वायरस का खतरा बढ़ गया है। पिछले कुछ दिनों से डूंगरपुर, उदयपुर के एरिया में पॉजिटिव केस मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने 5 जिलों के सीएमएचओ को अलर्ट भेजकर संदिग्ध एरिया में मॉनिटरिंग व सर्वे करवाने के निर्देश दिए हैं।

वहीं, एसएमएस मेडिकल कॉलेज में भी इसकी जांच शुरू हो गई है। जयपुर में अब तक इसके चार संदिग्ध मरीजों की जांच की जा चुकी है, लेकिन अच्छी बात ये है कि इन सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। स्वास्थ्य विभाग के निदेशक डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि इस महीने चांदीपुरा वायरस के पॉजिटिव केस मिलने के बाद से अब तक 13 संदिग्ध मरीजों के सैंपल सीमावर्ती जिलों से पुणे भिजवाएं है। जिनमें से 1 की रिपोर्ट रविवार को पॉजिटिव आई थी। पॉजिटिव आया 3 साल का ये बच्चा अभी डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज के हॉस्पिटल में भर्ती है। उसकी तबीयत अब ठीक है। वहीं, 8 संदिग्धों की रिपोर्ट नेगेटिव आ चुकी है। शेष की रिपोर्ट आना अभी बाकी है। डॉ. शर्मा ने बताया कि डूंगरपुर, बांसवाड़ा, उदयपुर, जालोर, सिरोही जिलों के सीएमएचओ को विशेष रूप से एक्टिव रहने के निर्देश दिए हैं। इन जिलों में ही सबसे ज्यादा इस वायरस के फैलने की आशंका है। जयपुर एसएमएस मेडिकल कॉलेज में पीडियाट्रिक डिपार्टमेंट के एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर प्रियांशु माथुर ने बताया कि ये वायरस सबसे ज्यादा मच्छर और मच्छी के काटने से फैलता है। अभी इसका खतरा फिलहाल गुजरात से लगते जिलों में है। इस बीमारी में बच्चे के एकदम से तेज बुखार तो आता ही है साथ में उल्टी-दस्त की शिकायत रहती है। इसके अलावा बच्चों में अचानक बेहोश होने और दौरे पड़ने की भी स्थिति आती है। डॉ. माथुर ने बताया कि इस वायरस की मोर्टलिटी रेट भी 20 से 40 फीसदी के बीच है, जो बहुत ज्यादा है। जयपुर में इस तरह के लक्षण वाले बच्चों जो जे.के. लोन हॉस्पिटल में आ रहे है। उनकी डॉक्टर मॉनिटरिंग कर रहे है। ऐसे संदिग्ध मरीजों के सैंपल लेकर उनकी टेस्टिंग भी करवा रहे है। राजधानी जयपुर में इस तरह के चार संदिग्ध मरीजों के सैंपल जांच के लिए एसएमएस मेडिकल कॉलेज आ चुके है। इन सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। माइक्रोबायोलॉजी डिपार्टमेंट की सीनियर प्रोफेसर डॉ. भारती मल्होत्रा ने बताया कि ये सैंपल जयपुर के जे. के. लोन से आए थे।

खिलाड़ी लाल बैरवा ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया

जयपुर। लोकसभा चुनाव के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं ने भाजपा का दामन थामा था। हजारों की संख्या में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए नेता और कार्यकर्ताओं का अब 4 महीने के भीतर ही भाजपा से मोहभंग होने लगा है। कई कार्यकर्ताओं के बाद अब बड़े नेताओं ने भी भाजपा से अपना नाता तोड़ लिया है।

इसी कड़ी में पूर्व सांसद खिलाड़ी लाल बैरवा ने भाजपा की प्राथमिक सदस्य से इस्तीफा दे दिया है। बैरवा ने अपना इस्तीफा नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के नाम पत्र लिखकर दिया, जिसमें उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं के लगातार भाजपा से दूरी का हवाला देते हुए अपना इस्तीफा दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा छोड़ भाजपा की विचारधारा से नहीं जुड़ पा रहा हूं। खिलाड़ी लाल बैरवा ने अपने इस्तीफे में भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री (कांग्रेस) की ओर से अपने चौथी बार मुख्यमंत्री बनने की लालसा में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं को कांग्रेस से बाहर करने का विफल प्रयास किया। सचिन पायलट के गुट के लोगों के फोन टेप करवाए, जिसका लोकेश शर्मा (ओ.एस.डी., पूर्व मुख्यमंत्री) सविस्तार बता चुके है। इनमें मेरा भी फोन टेप करवाया गया, जो कि जांच का विषय है। योजनाबद्ध तरीके के साथ मुझे भी पार्टी से निकाला गया, कुछ खास चापलूसों की सिफारिश पर राजस्थान के इतने टुकड़े-टुकड़े कर दिए। बैरवा ने कहा कि पंचायत समिति स्तर के क्षेत्रफल वालों को जिले बना दिए, समाज के टुकड़े कर इतने सामाजिक बोर्ड बना दिए, जिनका स्वयं को भी पता नहीं। 18 फीसदी अनुसूचित जाति के लोगों के लिए आयोग को वैधानिक दर्जे की बात की तो क्या गुनाह कर दिया। पूर्व मुख्यमंत्री के इस तरह के फैसलों की वजह से कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए, लेकिन काफी प्रयास के बाद भी मैं भाजपा की विचारधारा से खुद को जोड़ नहीं पा रहा। मैंने 33 वर्ष कांग्रेस में सक्रिय राजनीति की है, यह मेरे खून में है।

जेल में बिजली का काम सिखाने वाले ने की थी सिम की सप्लाई

- पुलिस ने इलेक्ट्रिशन राजेंद्र महावर को गिरफ्तार किया
- मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी देने वाले कैदी को हिरासत में लेकर जांच में जुटी पुलिस टीम

दौसा/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जान से मारने की धमकी के मामले में दौसा पुलिस ने जेल के अंदर सिम सप्लाई करने वाले इलेक्ट्रिशन राजेंद्र महावर को गिरफ्तार किया है। साथ ही सीएम को धमकी देने वाले कैदी नीमा से पूछताछ से पता चला है कि उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है और वह अवसाद ग्रस्त है। संभवतया वह जो दवा ले रहा है, उसकी ओवरडोज के कारण उसको होश नहीं रहा और उसने मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी का फोन कर दिया। पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ करने में जुटी है।

इधर दौसा पुलिस ने गिरफ्तार किया सिम सफ्लायर आरोपी राजेंद्र महावर बिजली का काम करता था। वह जेल में कैदियों को बिजली का काम भी सिखाता है। जेल में उसकी आवाजाही रहती थी। इसी का फायदा उठाकर जेल में बंद पोक्सो एक्ट के आरोपी रिंकू ने अपने परिजनों का राजेंद्र से संपर्क कराया। उसके बाद राजेंद्र को रिंकू के परिजनों ने सिम उपलब्ध कराई। सिम जेल के अंदर भिजवाने के 500 रूपए भी दिए। जैसे ही जेल में सिम पहुंची तो आरोपी रिंकू अपनी परिजनों से बात करने लगा।

शनिवार रात को जेल में रिंकू के दोस्त दार्जिलिंग निवासी नीमा ने इस सिम का उपयोग किया और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जान से मारने की धमकी देने के लिए जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर दिया। फिलहाल सीएम को धमकी के मामले में जयपुर के विधायकपुरी थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। वहीं जेल में आरोपी नीमा के पास मिली सिम के मामले में पापड़दा थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। सर्च अभियान के दौरान नौ अन्य मोबाइल मिलने के मामले में भी एक और एफआईआर पापडदा थाने में दर्ज हुई है। पुलिस सभी मोबाइलों में मौजूद सिम के धारकों की धरपकड के प्रयास में जुटी हुई है।

पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि जेल में सिम कौन सप्लाई कर रहा है। दौसा पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस मोबाइल और सिम सप्लाई मामले में जेल के कार्मिक भी शामिल थे या फिर नहीं। इधर पूरे मामले की जेल प्रशासन के द्वारा भी जांच कराई जा रही है। प्राथमिक जांच के आधार पर दौसा के विशिष्ट केंद्रीय कारागृह श्यालावास के कार्यवाहक अधीक्षक जेलर और जेल प्रहरी को सस्पेंड कर दिया गया है। वही पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाई जा रही है।

सरकार ने राजस्थान के हक और अधिकार दिल्ली में गिरवी रख दिए : नेता प्रतिपक्ष

जयपुर। विधानसभा में बजट पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने कांग्रेस सरकार के बजट को नया कवर चढ़ाकर पेश किया है। उन्होंने बजट को निराशाजनक बताते हुए कहा कि, सरकार ने राजस्थान के हक और अधिकार दिल्ली में गिरवी रख दिए हैं।

टीकाराम जूली ने कहा कि हमारी सरकार जरूरतमंद परिवारों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर दे रही थी। आपने 450 रुपए कर दिए। आपने जनवरी से आज तक इंदिरा रसोई का अनुदान नहीं दिया। हमने बजट में जयपुर मेट्रो फेज-2 की घोषणा की थी। आपने भी वापस यही घोषणा कर दी। ईआरसीपी के लिए हमने 13,500 करोड़ की घोषणा की थी। आपने उसी घोषणा को टुकड़ों में कर दी। नेता प्रतिपक्ष टीमाराम जूली ने कहा कि केंद्रीय बजट से बहुत उम्मीदें थी दो बार राजस्थान ने 25 सांसद भाजपा को दिए इस बार भी 14 सांसद दिए लेकिन केंद्रीय बजट में कुछ नहीं मिला। सरकार बचाने के लिए केंद्र का सारा बजट आंध्र और बिहार ले गए। उन्होंने कहा, डॉक्र किरोडी लाल मीणा ने मंत्री ने इस्तीफा दे दिया, लेकिन वह मंजूर नहीं हुआ। किरोड़ीजी अधिकारी के पास गए। क्या प्रोटोकॉल रहा, सरकार जवाब दे। वहां किरोड़ीलाल मीणा नहीं बल्कि पूरी सरकार गई है। जूली ने कहा कि पीएम ने राजस्थान जैसे शांत प्रदेश की तुलना जलते हुए मध्यप्रदेश से की थी। आज की वित्त मंत्री ने तब दिल्ली में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरना दिया था। आज प्रदेश में महिला अपराध और दलित उत्पीड़न के मामले बढ़े हैं। वित्त मंत्री कब बोलेंगी? सांभरलेक थाने में पुलिस ने कावड़ियो को पीटा, सरकार ने एक कांस्टेबल को हटाकर इतिश्री कर ली गई। जिम्मेदार सभी अफसरों पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

छात्र नेता को जबरन अस्पताल पहुंचाया

जयपुर। विश्वविद्यालय प्रशासन पर छात्र संघ चुनाव शुल्क और कॉशन मनी नहीं लौटा कर करोड़ों का घोटाला करने का आरोप लगाते हुए, इस वर्ष छात्र संघ चुनाव कराए जाने की मांग करने वाले छात्र नेता शुभम रेवाड़ का सोमवार को छठे दिन भी अनशन जारी रहा।

हालांकि, अब उनकी तबियत लगातार बिगड़ती जा रही है। शुभम के कीटोन लेवल बढ़ने और ब्लड प्रेशर लो होने के बावजूद उन्होंने अपना अनशन जारी रखा हुआ है। हालांकि, पुलिस प्रशासन ने सोमवार शाम उन्हें विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से उठाते हुए एसएमएस हॉस्पिटल में शिफ्ट किया।

राजमेस के चिकित्सक शिक्षक काम पर लौटे

- चिकित्सा मंत्री की संवेदनशील पहल के बाद मांगों के निस्तारण के लिए कमेटी गठित, 1 माह में रिपोर्ट देगी
- राज्य सरकार की ओर से सकारात्मक कार्यवाही पर चिकित्सक शिक्षकों ने आभार व्यक्त किया

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की संवेदनशील पहल के बाद राजमेस के अधीन संचालित 17 मेडिकल कॉलेजों के चिकित्सक शिक्षक सोमवार शाम को वापस काम पर लौट आए। ये चिकित्सक शिक्षक विभिन्न मांगों को लेकर करीब एक सप्ताह से सामूहिक अवकाश पर चल रहे थे। चिकित्सा मंत्री ने इन चिकित्सक शिक्षकों की मागों पर सकारात्मक एवं सहानुभूतिपूर्वक निर्णय लेने के लिए निदेशक, राजमेस की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया है। कमेटी में राजमेस के अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन), वित्तीय सलाहकार, अतिरिक्त निदेशक (अकादमिक) तथा राजस्थान मेडिकल कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन वेलफेयर सोसायटी के 4 नामित सदस्य शामिल होंगे।

चिकित्सक शिक्षकों ने मांगों पर सकारात्मक कार्यवाही के बाद काम पर वापस लौटने का निर्णय लिया। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, चिकित्सा शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह एवं चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान का आभार व्यक्त किया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि वित्त विभाग द्वारा राजमेस के अधीन संचालित मेडिकल कॉलेजों में 1 अगस्त, 2024 या इसके बाद नियुक्त चिकित्सक शिक्षकों को राजस्थान चिकित्सा शिक्षा नियम, 1962 के तहत नियुक्त चिकित्सक शिक्षकों के समान वेतन-भत्ते, डीएसीपी योजना अनुसार पदोन्नित एवं समय-समय पर निर्धारित वेतनमान दिया जाना प्रक्रियाधीन है। वर्तमान में कार्यरत चिकित्सक शिक्षकों पर भी यही नियम लागू करने के संबंध में उचित निर्णय लेने के लिए इस कमेटी का गठन किया गया है। यह कमेटी वर्तमान में कार्यरत चिकित्सक शिक्षकों की मांगों के निस्तारण के संबंध में अपनी रिपोर्ट प्रशासनिक विभाग के माध्यम से वित्त विभाग को एक माह में प्रस्तुत करेगी। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त ने बताया कि सामूहिक अवकाश के दौरान चिकित्सक शिक्षकों द्वारा लिए गए अवकाशों का आकस्मिक अवकाश, डे ऑफ या राजकीय अवकाशों में समायोजन किया जाएगा। इसके लिए संबंधित चिकित्सक शिक्षक को आवेदन करना होगा।

सार-समाचार

डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियम लीग संपन्न

जयपुर (कासं)। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में 28 जुलाई को डॉक्टर्स की 3 दिवसीय गायन प्रतियोगिता एस.बी.आई. डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियम लीग सीज़न- 3 ग्रैंड फिनाले के साथ संपन्न हुई। प्रतियोगिता के चैयरमेन डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि विजेताओं को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसबीआई बैंक के डीजीएम व सीडीओ कल्याण गजवेली, गेस्ट ऑफ़ ऑनर एमिटी यूनिवर्सिटी के वीसी डॉ. अमित जैन व बॉलीवुड सिंगर रविंद्र उपाध्याय ने ट्रॉफ़ी प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर दर्शकों की मांग पर उपाध्याय ने अपनी प्रस्तुति दी। लीग के आयोजन सचिव डॉ. अनिल यादव ने बताया कि इस वर्ष प्रतियोगिता में कुल आठ टीमों के 64 गायकों ने 3 दिनों तक प्रतिस्पर्धा करते हुए एक से बढ़कर एक दमदार प्रस्तुतियां दीं। लीग संयोजक डॉ. संदीप निझावन ने बताया कि फाइनल मुकाबले में प्रथम स्थान पाकर टीम आँगन मेडिनोवा ने बाज़ी मारी। वहीं रोमांचक मुकाबले के बाद टीम निविक हॉस्पिटल व टीम सीतादेवी हॉस्पिटल ने समान अंक पाकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। टीम रोहिन रोकर्स ने तीसरे स्थान पर कब्ज़ा जमाया। प्रतियोगता के चीफ कॉर्डिनेटर डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि, इसी दिन सम्पन्न हुए 40 से 55 वर्ष आयु वर्ग के युगल मुकाबलों में प्रथम स्थान, डॉ महेश बागड़ी व डॉ मनीष शर्मा ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया, डॉ राकेश शर्मा द्वितीय व डॉ प्रियंका रहारिया तृतीय स्थान पर रहे। लीग कॉर्डिनेटर डॉ. रवींद्र सिसोदिया ने बताया कि 40 वर्ष से कम आयु वर्ग के मुकाबलों में भी ज़बरदस्त टक्कर देखने को मिली, जहाँ टाई मैच में अंजलि जुनेजा व भरत कडेल को प्रथम स्थान मिला, डॉ. विदिशा को द्वितीय व डॉ सिमी को तृतीय स्थान मिला। कॉर्डिनेटर डॉ. हर्षुल टाक ने प्रतियोगिता के ज़्यूरी सदस्यों उमा विजय, दीपक माथुर,पंडित हेमन्त भट्ट, डॉ. माया रानी टाक व भरत पटेल को तीन दिनों तक लगातार लगभग 150 प्रस्तुतियों पर निर्णय देने के कठिन कार्य के लिए धन्यवाद दिया।

हॉफ मैराथन में विष्णु टांक को अवार्ड

जयपुर। 'रन इंडिया' हॉफ मैराथन में अव्वल रहे जयपुर के रिकॉर्ड होल्डर रनर विष्णु टांक को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया है। चैपियन फिटनेस की ओर से यह दौड़ वर्चअल रखी गई थी। इसके तहत प्रत्येक धावक को, अपने राज्य व जिले में ही 21 किलोमीटर की दौड़ पूरी करनी थी। विष्णु टांक ने 2 घंटे 40 मिनट में जयपुर में दौड़ पूरी की। जयपुर शहर से अन्य कई रनर्स भी इसमें शामिल हुए। अवार्ड मिलने पर विष्णु टांक ने कहा कि भागदौड़ की लाइफ में अपने स्वास्थ के लिए समय निकालना कोई बड़ी बात नहीं है। इस मैराथन का उद्देश्य आमजन को भी उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। विष्णु टांक ने कहा कि हर इंसान के लिए सम्मान होना,ख अपने आप में बेहद बड़ी बात है। इससे वह अपने को काफी अच्छा महसूस करता है और अपना अगला लक्ष्य और सही से पूरा करता है।

डॉ. स्नेहलता शर्मा ने जीता चुनाव

जयपुर। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय में सोमवार को हुए सिंडीकेट सदस्य चुनाव में साहित्य विभाग की सहायक आचार्या डॉ. स्नेहलता शर्मा विजयी रही। चुनाव अधिकारी कुलसचिव प्रियव्रत सिंह चारण ने बताया कि मतदान में 18 शिक्षकों ने भाग लिया, जिनमें 10 वोट डॉ. स्नेहलता शर्मा को मिले। उन्होंने 2 मतों के अंतराल से शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. कुलदीप सिंह पालावत को पराजित किया। चारण ने बताया कि संस्कृत विश्वविद्यालय में 24 वर्षों में पहली बार सिंडीकेट में महिला शिक्षक प्रतिनिधि सदस्य चुनी गई है।

खुले में मांस बेचने पर 5 दुकान सीज

जयपुर। हैरिटेज निगम की पशु प्रबंधन शाखा ने सोमवार को बिना लाइसेंस व खुले में मीट बेचने वाली दुकानों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 5 दुकानें सीज की है। हैरिटेज निगम के पशु प्रबंधन शाखा उपायुक्त राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि हैरिटेज निगम की ओर से बिना लाइसेंस और खुले में मांस बेचने पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। सोमवार को निगम टीम ने गुर्जर की थड़ी, न्यू सांगानेर रोड पर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कई दुकानों पर खुले में मीट बेचा जा रहा था। जिस पर कार्रवाई करते हुए मीट की पांच अवैध दुकानों को सीज किया। साथ ही 15 हजार रुपए का चालान कर 70 किलो अवैध मीट को जब्त कर नष्ट कराया गया। पशु प्रबंधन उपायुक्त राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि शाखा की ओर से लगातार कार्रवाई की जाएगी। नियमों के विपरीत दुकान चलाने पर आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कोचिंग संस्थानों की रिपोर्ट मांगी

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने सभी थानाधिकारियों को शहर में संचालित सभी कोचिंग संस्थानों की बिल्डिंग व बैसमेंट में जल भराव एवं अग्नि संबंधी आपदा से संबंधित नियमानुसार सुरक्षा प्रमाण पत्र की जांच कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए है। इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, कानून-व्यवस्था कुंवर राष्ट्रदीप ने सभी थानाधिकारियों को निर्देश जारी कर दो दिन में रिपोर्ट सौंपने को कहा है। उन्होंने कहा कि जयपुर में रहने वाल सभी अभिभावक एवं छात्र व छात्राएँ भी अपने कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा संबंधित समस्या से जयपुर पुलिस को सूचना देकर अवगत करवा सकते है। इसके लिए पुलिस नियंत्रण कक्ष, जयपुर के टोल फ्री नम्बर 100, 112 पर कॉल कर सकते है।

ARBiT
it happens here...

Share a Hug Day

There's something amazing about a *hug* that just makes the day so much better. Maybe, it's the warmth of someone you care about being close to you, maybe, it's the feeling of security and solidarity that happens when you're surrounded by the arms of others, maybe, it's the fact that you can't give one without getting one back. Whatever it is, there's never a bad time to share a hug with someone who's willing to give or receive one. *Share a Hug Day* is your opportunity to politely offer someone else a hug when they look like they're feeling down!

राष्ट्रदूत
TUESDAY
30 July 2024
A-B

#TRENDING

Does rubbing Magnesium oil on your feet help you sleep better?

Magnesium is an important mineral that is required to keep a lot of things in our bodies in check. From muscle function, mood regulation, bone health to the nervous system, insulin regulation to heart health, magnesium plays a role in everything.

Wellness influencers on the Internet have a new obsession, rubbing magnesium oil on their feet before sleeping. They are doing so to sleep better, reduce stress and relieve pain. Sounds like a cure-all, for sure! But does rubbing Magnesium oil on feet work for real or is it yet another baseless claim being used to create viral reels? This trend, let us tell you, has popped up on social media feeds amid the skyrocketing popularity of magnesium supplements.

Why Magnesium is important?

Magnesium is an important mineral that is required to keep a lot of things in our bodies in check. From muscle function, mood regulation, bone health to the nervous system, insulin regulation to heart health, magnesium plays a role in everything.

We primarily get magnesium through our diet. Foods like green leafy vegetables, wheat, lentils, chickpeas, milk and nuts are rich in magnesium. Yet, magnesium deficiency among adults is quite common. Some of the signs of magnesium deficiency are:

- Frequent headaches
- Fatigue
- Muscle cramps and spasms
- Loss of appetite
- Sleep issues
- Mood swings
- Constipation
- Nervousness

Here's how taking magnesium supplements helps!

- Relaxation and sleep.
- Promotes heart health.
- Muscle function and recovery.
- Regulates blood sugar levels.
- Supports bone health.
- Calms the nervous system, thereby reducing stress.

Magnesium oil - Does it help?

The popularity of the direct application of magnesium oil, surpassing oral supplements, is based on bypassing the digestive system so that the mineral can directly enter the bloodstream.

However, magnesium's absorption through the skin is quite questionable and not well researched yet. Though many people benefit from magnesium oil application on their feet, there is not much scientific proof suggesting so.

The effectiveness of oral magnesium supplementation, on the other hand, for the treatment of magnesium deficiency, has been studied in detail. Yet, doctors say that it is safe to rub magnesium oil on your feet to avail its potential health benefits. Many people look for natural ways to improve sleep and manage stress. Rubbing magnesium oil on your feet might help some people due to the potential relaxing effects of magnesium on muscles and the nervous system, anyway. Some people, who have been using and felt a positive difference, can use it as per their experiences.

Health experts, however, recommend using it in moderation and consulting a healthcare professional, if necessary. There are several products like sprays, creams and oils for the topical application of magnesium. But for magnesium oil, which is trending at the moment, one can also take the DIY route. One needs to mix magnesium chloride flakes with water, and that is it!

Things to Remember

Though using magnesium oil is generally safe, it is important to keep in mind a few things.

- Consult a doctor to discuss the usage.
- Start with a little dose.
- Avoid it, if you have kidney issues.
- Don't apply on broken skin.
- Do a patch test before to check for skin sensitivity.
- Discontinue use, if you experience irritation or symptoms of excess magnesium.

Too much magnesium in the body, a condition known as *hypermagnesemia*, can be harmful.

Saand Ki Aankh...

"India deserves many more medals. As many as possible. The feeling is really surreal, it takes a lot of effort," she said. It was a close final and she was also in with a chance to win silver at one stage. "In the last shot, I was fighting with all the energy I had. Maybe, I can get better in the next (event)." Mental toughness is one area where Bhaker has worked a lot over the years, with plenty of help also coming from her coach, Jaspal Rana.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

With her 10 m air pistol bronze, Bhaker becomes first Indian woman shooter to win an Olympic medal.

Haryana women have done it again. This time, again on an international platform. The Sports editorial staff on my desk were jubilant, as is expected, and turned to me, "*Kya khaati hai tumhare yahan ki auraten?*" (I belong to Haryana and Jhajjar.)

On July 27, Manu Bhaker rewrote history for India. She had qualified for the final of her event with a score of 580 points, finishing third out of 45 competitors, with the top-eight going through to Sunday's final. The 22-year-old became the first Indian to do so, at the 2024 Olympics.

This is the fifth shooting medal for India, rather India's first medal. Earlier, Rajyavardhan Singh Rathore (silver in Athens Olympics, 2004), Bindra (gold, Beijing 2008), Gagan Narang (bronze, London 2012) and Vijay Kumar (silver, London) have brought glory to the country in shooting.

She was in excellent form prior to the Paris Olympics 2024. The 22-year-old Bhaker, who hails from Jhajjar in Haryana, fought hard to get the bronze with a score of 221.7. Korea's Kim Yeji claimed the silver with a total of 241.3 while her compatriot Jin Ye Oh bagged the gold with a Games record of 243.2.

While World Championships produce the highest of high scores, the Olympics usually give way to slightly reduced points. The pressure is at its greatest and world-class levels usually get shredded. Yesterday, at the Paris Games' first shooting medal on the line, almost all teams faded at some point or the other bar the Chinese duo of Huang Yuting and Sheng Lihao, who finished with a score of 632.2.

The Indian shooting contingent has come into the Paris Olympics on the back of eight years of no shooting medals across two different Olympics. This contingent has had to go through the pressure of domestic trials, held over a month, with quota winners getting no love for their past performances and only this one-month test mattering.

It led to a 10 M Air Rifle team, that looks different on paper, to what many considered to be India's top rifle shooters. If selectors had their way, Rudrankksh Patil, Divyansh Singh Panwar, Mehuli Ghosh and Tilottama Sen would have been the rifle team for the individual and mixed events. Instead, the trials threw its own curveball and India landed on Ramita-Arjun and Sandeep-Elavenil. Out of those four, only Elavenil had the experience of having been to an Olympics before.

Bhaker was competing in her second Olympics, after drawing a blank in the previous edition.

Took long time to overcome Tokyo disappointment

"After Tokyo, I was very disappointed and it took me a very long time to overcome that. Frankly speaking, I really can't explain how good I am feeling today," Bhaker, whose Tokyo campaign had ended in tears after her pistol malfunctioned, during the qualification of the same event, said with a wide smile on her face.

"I was fighting with all the energy I have. Really grateful that I could win the bronze. I read *Bhagavad Gita* and always tried to do what I am supposed to do, left everything else to god." "We can't fight destiny," added the world champion in 25 m pistol event. "So, really grateful that I could win bronze, maybe (it will be) better next time," she added. "I feel great. This medal was long due for India. It feels surreal." The triumph opened the country's account in the Paris Games and ended a 12-year wait for its much-hyped shooters.

But, over the past two days, she has put up an effort, that is expected of an athlete, who has won many medals on the international stage.

Mental Toughness

"India deserves many more medals. As many as possible. The feeling is really surreal, it takes a lot of effort," she said. It was a close final and she was also in with a chance to win silver at one stage. "In the last shot, I was fighting with all the energy I had. Maybe, I can get better in the next (event)." Mental toughness is one area where Bhaker has worked a lot over the years, with plenty of help also coming from her coach, Jaspal Rana.

"I read a lot of *Bhagavad Gita*, and tried to do just what I am supposed to do, and left everything else to God. We can't fight destiny, you can't control the outcome. You can only keep trying and keep giving your best," Bhaker said, when asked about how she coped with the disappointment in Tokyo.

About the biggest win of her magnificent career, the nine-time World Cup medallist added, "I really can't explain how good I am feeling. I was fighting with all the energy that I have." She qualified for the final after shooting 580 while giving enough indications that she has set her sights on a podium finish this time. "As soon as the qualification was over, I didn't know how things were going to be. We have worked very hard. We will do as much as we can. It is a very good feeling. Thank you so much for sticking by me (to all the friends, relatives and well-wishers!). It is for them that I am standing here, strong." India last won an Olympic medal in shooting in 2012. Born in Haryana's Jhajjar, Manu Bhaker took to sports like tennis, skating and boxing when she was in school. She also participated in a form of martial arts called 'thang ta,' winning medals at the national level. She then impulsively decided to try her hand at shooting, when she was just 14 years of age. It was just after the 2016 Rio Olympics had ended. And she loved it.

How Manu Bhaker became Teenage Sensation

While 2018 was Manu Bhaker's breakthrough year as a shooter, she had already given glimpses of her calibre a year earlier. At the 2017 National Shooting Championships, Manu Bhaker stunned Olympian and former world No. 1, Heena Sidhu. Manu Bhaker shot a record score of 242.3 to erase Sidhu's mark to win the 10 m Air Pistol final. A year later, Manu Bhaker became a teenage sensation by bagging a gold medal at the Commonwealth Games, just at the age of 16. In the 2018 International Shooting Sport Federation World Cup, held at Guadalajara, Mexico, Manu Bhaker won the gold medal in the Women's 10-metre air pistol, defeating Mexico's Alejandra Zavala, a two-time champion. Manu Bhaker also sealed an Olympics quota place with a fourth-place finish at the 2019 Munich ISSF World Cup. Manu Bhaker was born in a Jat family in Goria village of Jhajjar district in Haryana. Her father, Ram Kishan Bhaker, works as a chief engineer in the Merchant Navy. Until the age of 14, she excelled in other sports like Huyen Langlon, a *Manipuri* martial art, as well as boxing, tennis and skating, winning medals at the national games in these events.

#OLYMPICS

Career

With an investment of 1,50,000 by her father, Bhaker decided to take up competitive shooting. She first tasted success at the international level when she won the silver medal at the 2017 Asian Junior Championships. In the 2017 National games held at Kerala, Bhaker won nine gold medals and defeated multiple World Cup medalist, Heena Sidhu, and broke Sidhu's record of 240.8 points, scoring 242.3 points in the final.

In the 2018 International Shooting Sport Federation World Cup, held at Guadalajara, Mexico. Bhaker won the gold medal in the Women's 10-meter air pistol, defeating Mexico's Alejandra Zavala, a two-time champion. Bhaker scored 237.5 in the final match against Zavala, who scored 237.1. By winning the gold medal at age 16, Bhaker became the youngest Indian to win a gold medal at the World Cup. Bhaker won her second gold medal at the World Cup in the 10-meter Air Pistol mixed team event. She was paired with fellow countryman, Om Prakash Mitharval. The pair shot a score of 476.1 points, defeating Sandra Reitz and Christian Reitz, who scored 475.2.

Bhaker scored 388/400 points at 2018 Commonwealth Games in women's 10 m air pistol qualifying round and qualified for the finals. In the final round of the women's 10 m air pistol event during the Gold Coast Commonwealth Games, she secured the gold medal with setting a new Commonwealth Games record of 240.9 points.

In 2018 Asian Games, she scored a game's record score of 593 in the qualification round of 25 m Air pistol event. But she failed to win a medal there, as she finished 6th in the final. Eventually, her compatriot, Rahi Sarnobat, clinched the Gold in this event.

At the Youth Olympics 2018, Manu Bhaker shot 236.5 to stand at the top of the points table, in the women's 10 m air pistol event. The Indian flag bearer at the opening ceremony of the Youth Olympics is also the World Cup and Commonwealth Games gold medalist. The 16-year-old Manu became the first shooter from India and the first female athlete from India to grab a gold medal at the Youth Olympic Games.

In February 2019, she won the gold medal in the 10 m air pistol mixed team event at 2019 ISSF World Cup in Delhi.

In May 2019, she qualified for the 2020 Tokyo Olympics in the 10 m pistol event via a fourth place finish at the Munich ISSF World Cup. This came days after her pistol jammed in the finals of the 25 m pistol event, when she was leading, eventually forcing her to forfeit due to her gun not being able to fire. In all the four Pistol and Rifle ISSF World Cups in 2019, she won the gold medal in the 10 m air pistol mixed event with Saurabh Chaudhary as her partner, making the pair a strong contender for the 2020 Tokyo Olympics.

She won the team gold for India in the women's 25 m pistol team event at the 2022 Asian Games, along with Esha Singh and Rhythm Sangwan. Manu won the bronze medal in 2024 Paris Olympics and became the first woman shooter from India to win a shooting medal at Olympics. She won with a score of 221.7 in the final, in the women's 10 meter Air Pistol category.

What happened to Manu Bhaker's pistol, last time?

Bhaker made a blistering start to her campaign, scoring 98 with her first 10 shots. However, at 156, she felt something wrong with her weapon. She consulted coach, Ronak Pandit, and found out that a lever in the pistol was broken, which was preventing the barrel from functioning smoothly.

The jury was made aware of the problem, but instead of the entire gun, they allowed the defective part to be replaced. So, after changing the spare part, when she returned to the lane, she had already lost six minutes.

Fellow pistol shooter and two-time Olympian, Heena Sidhu, also came to Bhaker's defence.

"For all d (the) people, who are quick to judge that Manu succumbed to pressure, I just got to know what happened to her equipment in detail n (in) how much time she lost. She didn't succumb to pressure, she rose to it. Giving a score of 575 in less than 34 mins is (an) achievement of her nerves," she tweeted.

Morini's 'Unconditional Apology'

The cocking lever of Bhaker's pistol broke after the 16th shot in the qualifications and in getting it fixed, the 19-year-old shooter lost more than 15 minutes, which affected her rhythm when she resumed shooting.

Swiss gun manufacturer, Morini, has tendered an 'unconditional apology' to National Rifle Association of India.

When she resumed shooting, at that point, she had another 44 shots left to take in the next 55 minutes. But the forced break due to the repair work meant she'd have to complete the qualification round in 36 minutes. Francesco Repich, owner of the gun manufacturing company, said that his repair outlet was located close by, but still no one approached him from the Indian camp for help. The series of social media posts, that he put up, did not go down well with the NRAI, which had sent him a legal notice, the result of which was the apology.

"I wish to submit an unconditional apology for posting an insensitive comment on my Facebook page. I am extremely sorry for hurting your sentiments. I understand and acknowledge that I should have expressed myself in a more responsible and discreet manner," Repich said, in a mail addressed to NRAI Secretary General, D. V. Seetharama Rao.

He said that his comments were prompted by shooters, he is fond of, Bhaker being one of them, not able to perform at the level they are capable of.

"However, I would like to clarify here that the sentiment and intention behind my comment was not at all influenced by any vested interest or racism (as apparently interpreted by your kind self), rather it was just a heartfelt expression of an ardent shooting professional.

Just like you and many others, even I had high hopes from the capable and potential Indian shooting team..."

These remarks forced the NRAI to demand an apology from the gun maker. Bhaker was in fourth position when the malfunction happened, the top eight make it to the finals.

By the time she finished the second series of 10 shots, most of her competitors were well into their fourth series, there are six series, or 60 shots in the qualification round.

Olympic rules do not compensate for lost time in such a scenario. Besides Bhaker, Morini pistols are used by several other Indians, including Saurabh Chaudhary and Abhishek Verma.

Repich's contention was that his people could have repaired the pistol quicker. He added, "It was my sheer disappointment that led me to make that insensitive and irresponsible comment, just in the heat of the moment."

"I request you to kindly accept my apology and do away with any hard feeling against me or my business. I am proud of my association with the Indian Shooting industry and I assure you that nothing of this sort will happen in future again." "The problem is that many coaches think that they are technicians too. When you do mistake, it is always easy to give to others, instead of taking responsibility of what you do!" wrote Repich. In Facebook, Indian Pistol coach, Ronak Pandit, stressed that Repich's office was situated far away from the spot where Manu was shooting, and that it wouldn't have been prudent on their part to go all the way there for repairing the gun. "The cocking lever of the weapon broke after 16 shots. We had to get it changed. She (Manu) had 44 shots remaining in 56 mins, and then when we started, it was 44 shots in 38 mins," Pandit said.

"To change the lever, the grip and the trigger circuit have to be removed. They were put back but then, the circuit would not work, so, we had to change that again. She was placed fourth when all this happened and by the time she resumed, others were in their fourth series while she was still on her second. No extra time is allowed according to the rules and the pressure at the end was too much."

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

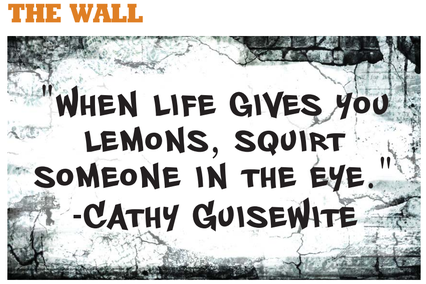

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

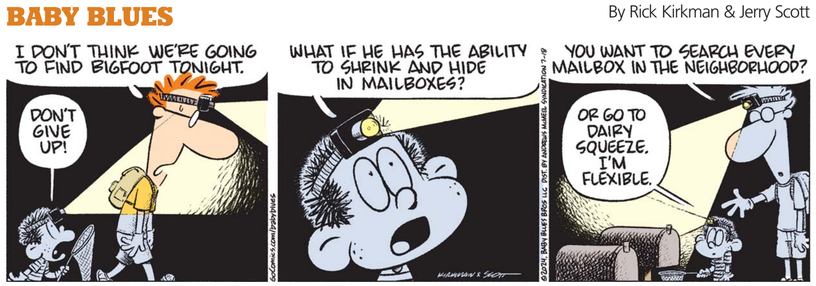

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

सोलर उपकरण रिपेयरिंग की दुकान से लाखों का सामान चोरी

दुकान का शटर तोड़कर चोरी की वारदात की, सीसीटीवी में कैद हुये चोर

देवली, (निसं)। इन दिनों शहर व आसपास के क्षेत्र में चोरी की वारदात दर वारदात होती चली जा रही है। यहां बढ़ती चोरी की वारदातों से पुलिस की सांसें भी फूली हुई है।

पुलिस चोरों को पकड़ने का प्रयास तो कर रही है परंतु शातिर चोर एक के बाद एक चोरी की वारदात को अंजाम देकर धमाल मचा रहे हैं। यहां लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने पुलिस पर सवालिया निशान खडा कर दिया है। ऐसा ही फिर से एक मामला रविवार की देर रात को घटित हो गया। यहां पुलिस से बेखौफ चोरों ने सोलर एनर्जी दुकान का शटर तोड़कर लाखों का माल पार कर लिया, हालांकि चोरी की इस वारदात में लिप्त चोर दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए हैं।

चोरी की वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई।

- चोरों ने सोलर मरम्मत की दुकान से 300 किलो से अधिक कॉपर वायर चुराया

जानकारी के अनुसार रविवार रात करीब तीन बजे कोटा रोड स्थित होटल राजभवर की बगल में सोलर एनर्जी की दुकान में चोरी की वारदात घटित हुई है। यह दुकान सोहनलाल माली निवासी पनवाड की है। इस घटना को लेकर पीड़ित ने बताया कि रविवार रात करीब तीन बजे मारुति ईको में सवार होकर चार चोर आए। जिन्होंने दुकान का शटर मोड़ दिया तथा भीतर घुसकर दुकान में रखे सोलर मोटर आदि की मरम्मत में काम आने वाले कॉपर वायर के कई बंडल चुराकर अपने साथ में लाए वाहन मारुति ईको में भरकर ले गए। यह सारी घटना सीसीटीवी फुटेज में साफ तौर पर कैद हो गई।

पीड़ित के अनुसार चोरों ने सोलर मरम्मत की दुकान से 300 किलो से अधिक कॉपर वायर चुराया है, जिसकी कीमत लाखों रुपए में बताई गई है। यहां हुई चोरी की घटना की सूचना पर देवली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और वारदात की जानकारी जुटाई। वहीं सोहनलाल माली ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज करवा दी है। इसी के साथ पुलिस भी मामले की जांच में जुट गई है।

लापता हैड कांस्टेबल को पुलिस ने उज्जैन से दस्तयाब किया

गत 23 जुलाई की शाम को लापता हो गया था हैड कांस्टेबल रामचरण

बूंदी, (निसं)। गत 23 जुलाई की शाम को शहर की इंद्रा कॉलोनी से लापता हुए हैड कांस्टेबल रामचरण धाकड़ को बूंदी की सदर थाना थाना पुलिस ने मध्यप्रदेश के उज्जैन से दस्तयाब किया है। रविवार देर रात पुलिस हैड कांस्टेबल को लेकर बूंदी पहुंची। फिलहाल पुलिस द्वारा हैड कांस्टेबल से पूछताछ की जा रही है। हैड कांस्टेबल के मिलने के बाद पुलिस और परिजनों ने राहत की सांस ली है। दरअसल, हैड कांस्टेबल गेण्डोली थाने में तैनात हैं और वह 16 जुलाई से थाने में गैरहाजिर चल रहा था।

- हैड कांस्टेबल को लेकर बूंदी पहुंची पुलिस, उससे पूछताछ की जा रही है
- हैड कांस्टेबल गेण्डोली थाने में तैनात हैं और 16 जुलाई से गैरहाजिर चल रहा था

हैड कांस्टेबल के पास नहीं था मोबाइल :- मामले की जानकारी देते हुए सदर थाना प्रभारी भगवान सहाय मीणा ने बताया कि लापता हैड कांस्टेबल को उज्जैन से दस्तयाब कर लिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस के लिए इसे ढूंढ़ना मुश्किल था, क्योंकि हैड कांस्टेबल के पास मोबाइल भी नहीं था। वह मोबाइल को घर पर ही छोड़ गया, लेकिन बैंक का एटीएम ले गया। जब हैड कांस्टेबल के पास पैसे खत्म हुए तो एटीएम से उसने पैसे निकाले। जैसे ही पांच हजार रुपए निकालने के मैसेज आया पुलिस ने कस्टमर केयर से जानकारी ली तो रुपए मध्यप्रदेश के उज्जैन से निकालने की बात सामने आई थी। इसके बाद उज्जैन पुलिस अधिकारियों से संपर्क कर पुलिस की एक टीम उज्जैन के लिए रवाना की।

रेलवे स्टेशन पर मिला :- सदर थानाधिकारी ने बताया कि बूंदी पुलिस की टीम ने स्थानीय पुलिस की मदद से उज्जैन में हैड कांस्टेबल को चप्पे-चप्पे पर तलाश किया। करीब 5 से 8 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने उसे उज्जैन के रेलवे स्टेशन से दस्तयाब किया है। इसके बाद उसे उज्जैन थाने ले गई। फिर पुलिस की टीम उसे देर रात बूंदी लेकर पहुंची। जहां उसके बयान दर्ज किया जा रहे हैं।

एसपी ने मामले को लिया गंभीर :- हैड कांस्टेबल रामचरण गेण्डोली थाने में तैनात है और वह 23 जुलाई को अचानक घर से लापता हो गया था। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश की लेकिन वह नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने थाने में गुमशुदगी का मामला दर्ज करवाया। इसके बाद एसपी हनुमान प्रसाद मीणा ने इस मामले को गंभीरता से लिया और सदर थाना प्रभारी भगवान सहाय मीणा को इसकी जिम्मेदारी दी। थानाधिकारी ने टीम का गठन कर शहर और आसपास के तमाम सीसीटीवी फुटेज निकाले, तकनीकी माध्यम से जानकारी जुटाई। पुलिस टीम ने कई स्थानों को भी सर्च किया, लेकिन पुलिस प्रयास में लगी रही। आखिर पांच दिन बाद सफलता मिल ही गई। उधर जिला पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद मीणा का कहना है कि इस तरह से स्वयं लापता होने से पुलिस विभाग में अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। कोई बात थी तो हमें बताया होता। इस तरह की घटनाओं से पुलिस की छवि खराब होती है।

घायल दो महिलाओं को दो घंटे तक नहीं मिला इलाज

खेतड़ी उप जिला अस्पताल में अव्यवस्थाओं को लेकर परिजनों ने हंगामा किया

अस्पताल में घायल के परिजनों व चिकित्सक में नोकझोंक हुई।

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल में सोमवार को मारपीट में घायल दो महिलाओं को उपचार नहीं मिलने पर परिजनों ने हंगामा कर दिया। इस दौरान परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार नानुवाली बावड़ी के ढाणी अमली वाली में जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। इस दौरान कुल्हाड़ी की चोट लगने पर सरीता देवी व कैलाशी देवी को उपचार के लिए उप जिला अस्पताल में लाया गया। इस दौरान जब वे डॉ. मोतीलाल रावत के पास गई तो डॉक्टर ने उसे कमरा नंबर आठ में दिखाने के लिए कह दिया। इसके बाद आठ नंबर कमरे में गए तो वहां बैठने वाले डॉक्टर कमरे के ताला लगाकर चले गए थे। इसके बाद दोबारा डॉ. मोतीलाल रावत के पास गए तो एक्स-रे करवाया गया। जब परिजनों ने हालत गंभीर होने पर भर्ती करने के लिए कहा तो एक्स-रे आने के बाद भर्ती करने के लिए कहा। इस दौरान दोनों घायल महिलाओं को दो घंटे तक बैठाया रखा, जिसके चलते दर्द में तड़फती रही। करीब दो घंटे तक उपचार नहीं किए जाने पर परिजन आक्रोशित हो गए तथा डॉ. मोतीलाल रावत के कमरे में हंगामा कर दिया।

- परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई की मांग की
- साझेदारी की जमीन में पेड़ काटने को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई थी

अस्पताल में तेज शोर शराबा होने पर काफी संख्या में भीड़ एकत्रित हो गई। इसके बाद डॉक्टर ने मामला बिगड़ता देख आनन फानन में उन्हें भर्ती कर लिया, लेकिन जब वह वार्ड में पहुंचे तो उन्हें वार्ड में कोई बैड खाली नहीं मिलने पर घायल महिलाओं व परिजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसके बाद जब महिला के परिजनों ने एसडीएम के पास जाने के लिए कहा तो एक बैड पर दो मरीजों को लिटाकर मारपीट में घायल दोनों महिलाओं को भर्ती कर उपचार किया गया। परिजनों ने बताया कि अस्पताल में प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं किए जाने के कारण अव्यवस्थाएं बनी हुई है। अस्पताल में व्यवस्था के सुधार करने को लेकर ग्रामीणों की ओर से पूर्व में भी धरना प्रदर्शन किए जा चुके हैं। इसके बावजूद भी चिकित्सा विभाग व प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

यह था मामला :- नानुवाली बावड़ी पंचायत की ढाणी अमली वाली में साझेदारी की जमीन में पेड़ काटने को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई थी। इस दौरान कुल्हाड़ी से मारपीट में सरीता देवी, कैलाशी देवी, सुमन देवी व कृष्णा देवी घायल हो गई थी। इस दौरान घायलों को खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल में लाया गया, जहां डॉक्टर की लापरवाही के चलते उन्हें उपचार नहीं मिल पाया तथा उन्हें उपचार के लिए दो घंटे इंतजार करना पड़ा।

डॉ. अक्षय कुमार शर्मा, पीएमओ उप जिला अस्पताल खेतड़ी का कहना है कि मारपीट के मामले में तीन मरीज आए थे, जिनका आते ही प्राथमिक उपचार किया गया था। उनका मुकदमा दर्ज नहीं हो पाया था। मरीजों को भर्ती कर लिया गया है तथा उपचार किया जा रहा है।

ग्राहक बनकर आये युवक ने सुनार को लूटने का प्रयास किया

दुकानदार के आक्रामक होने से लुटेरा अपनी चप्पलें छोड़कर भाग गया

बोरावड़, (निसं)। नया बाजार स्थित एक सुनार की दुकान पर ग्राहक बनकर आये युवक ने दिनदहाड़े सुनार को लूटने का प्रयास किया, लेकिन दुकानदार ने ग्राहक के व्यवहार से स्थिति को भांप लिया और दुकानदार के सजग व आक्रामक होने से लूटेरा अपनी चप्पलें छोड़कर पैदल ही भाग गया। सोनी की सजगता से लूटेरा लूटने में नाकामयाब रहा। दुकानदार हल्ला करने से लोग समझ पाते, युवक तेज भागकर बाइक सवार साथी के साथ भाग गया।

जानकारी के अनुसार नया बाजार स्थित किरण ज्वैलर्स के मालिक राधेश्याम सोनी रोजाना की तरह अपनी दुकान पर बैठे थे कि दोपहर 12.15 बजे बाइक सवार दो युवकों में से एक उतरकर सुनार की दुकान पर ताबिज लेने के बहाने दुकान पर आया। ताबिज दिखाने के बाद स्वर्णाभुषण दिखाने को कहा। आभूषण दिखाने के दौरान ग्राहक बनकर आये युवक ने एक ही मिनट मे दो से तीन बार गहनों पर झपट्टा मारा। सोनी ने स्थित भांपते हुए युवक को झटक दिया, जिससे लुटेरा भरे बाजार पकड़े जाने के डर से अपनी चप्पलें वहीं छोड़ कर पैदल ही बैंक की तरफ भागा। हालांकि दुकानदार द्वारा हल्ला करने पर वहां खड़े लोग पीछे भागे। तब तक बैंक के पास इंतजार कर रहे हेलमेट पहने साथी के साथ लाल रंग की सीडी डीलक्स बाइक पर तेजी से फरार हो गये। दिनदाहाड़े अचानक हुई घटना से बाजार में हड़कंप मच गया। वहीं चोर लुटेरों के बुलंद हौसलों के आगे पुलिस पस्त है।

रियां राधानी ने विश्व रिकॉर्ड बनाया

अजमेर, (कासं)। अजमेर की बेटी रियां राधानी द्वारा इस्कान के संत स्वामी जयपताका की प्रेरणा से निरन्तर श्रीमद्भागवत गीता का 21 घंटों तक निरन्तर 30 हजार शब्दों की कविता रचने पर वर्ल्ड हार्वर्ड रिकॉर्ड के विश्व रिकार्ड कायम करने वालों में नाम दर्ज किया जाकर प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जा चुका है।

निरन्तर अध्ययन करने और उसके पश्चात गीता के 18 अध्यायो की ही तर्ज पर जीत के 18 अध्यायों की 120 पृष्ठ की पुस्तक का सम्पादन व प्रकाशन करने वाली रियां राधानी का अजमेर के प्रमुख सिन्धी मुखियों द्वारा आयोजित सिन्धी समाज के कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी एवं सिन्धी समाज के प्रमुख सुरेश सिन्धी, पूज्य सिन्धी पंचायत अजमेर के महासचिव रमेश लालवानी, सिन्धू ज्योति सेवा समिति के अध्यक्ष मंधाराम भिरयानी, तेजभान आसवानी, अजयमेरू सेवा समिति के किशोर विधानी और राजू जोधानी ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपनी आध्यात्मिक पुस्तक जीत के 18 अध्याय की प्रतिलिपि अतिथियों को भेंट की।

अज्ञात वाहन ने नवदंपति को टक्कर मारी, पति की मौत, पत्नी घायल

मकराना, (निसं)। उपखंड के आसरवा गांव में रविवार रात नवविवाहित दंपति पैदल अपने घर की ओर जा रहे थे। इस दौरान रास्ते में एक अज्ञात वाहन ने दोनों को टक्कर मार दी, जिससे पति गंभीर रूप से घायल हो गया और पत्नी भी चोटिल हो गई। लोगों की सहायता से घायल युवक को मकराना के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने युवक देवाराम को मृत घोषित कर दिया। दंपति बनबागरिया घुमक्कड़ जाति से है।

सूचना मिलने पर पुलिस भी अस्पताल पहुंच गई और शव को मॉर्च्यूरी में रखवाया।

पुलिस ने बताया कि नगवाड़ा खुर्द निवासी देवाराम (21) पुत्र मोहनाराम बनबागरिया रविवार रात्रि को अपनी पत्नी के साथ बुडसु रोड से नागवाड़ा अपने घर की ओर जा रहा था। इस दौरान रास्ते में आसरवा गांव के पास किसी अज्ञात वाहन ने दोनों को टक्कर मार दी। टक्कर से देवाराम के सिर, पैर और पेट में चोटें आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया, वहीं उसकी पत्नी के सिर, पैर और शरीर पर चोटें आईं। लोगों ने युवक को मकराना के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। युवती को मामूली चोटें होने के कारण उसे घर ले जाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस भी अस्पताल पहुंच गई और शव को मॉर्च्यूरी में रखवाया। सोमवार सुबह शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। मृतक के पिता ने पुलिस को रिपोर्ट दी है कि उनका बेटा और पुत्रवधु रात में घर जा रहे थे, जब रास्ते में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उनके पुत्र की मौत हो गई। थानाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक देवाराम की बीस दिन पूर्व ही चंदा के साथ शादी हुई थी। उसके पिता ने बताया कि दोनों शादी से काफी खुश थे।

मांगों को लेकर रोडवेज कर्मियों का कार्य बहिष्कार

अजमेर, (कासं)। राजस्थान परिवहन निगम केन्द्रीय कार्यशाला माखुपुरा में कार्यरत रोडवेज कर्मचारियों का गुस्सा सोमवार को फूट पड़ा। पिछले कई माह से रोडवेज कर्मचारियों को समय पर वेतन व पेंशन नहीं मिलने नाराज कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार कर प्रदर्शन किया और मुख्य उत्पादन प्रबंधक को ज्ञापन सौंपकर वेतन व पेंशन का भुगतान शीघ्र दिलाने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों का शीघ्र निस्तारण नहीं हुआ तो कर्मचारी टूल डाउन हड़ताल पर चले जाएंगे, जिसकी जिम्मेदार शासन व प्रशासन की होगी।

राजस्थान परिवहन निगम केन्द्रीय कार्यशाला माखुपुरा के कर्मचारियों ने मुख्य उत्पादन प्रबंधन को दिए ज्ञापन में बताया कि कार्यरत व सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पिछले कई माह से समय पर वेतन व पेंशन का भुगतान नहीं किया जा रहा है, जिससे कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति दयनीय बनी हुई है। उन्होंने कहा कि बैंक लोन की किश्त, बच्चों की स्कूल की फीस, एलआईसी किश्त सहित अन्य वस्तुओं की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों ने बताया कि बैंकों को भारी पेनल्टीयां चुकानी पड़ रही है। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी कई बार ज्ञापन दिए गए हैं, लेकिन आज दिनांक तक कोई भी सकारात्मक रुख नहीं अपनाया गया है।

कर्मचारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि आज सभी कर्मचारी कार्य पर रहते हुए कार्य बहिष्कार किया है। यदि वेतन व पेंशन समय पर प्रदान नहीं किया गया तो मजबूरन कर्मचरी टूल डाउन हड़ताल पर उतर जाएंगे, जिसकी जिम्मेदारी शासन व प्रशासन की होगी। ज्ञापन देने वालों में अमित श्रीवास्तव, अभिषेक, हिम्मत सिंह, राकेश कुमार, विक्रम सिंह, पुखराज, महेंद्र सिंह, जय सिंह, बिशन सिंह, लालचंद, संजय सोनी सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

बाइक की टक्कर से युवक की मौत

सादुलपुर, (निसं)। गांव डोकवा के पास बस स्टैंड से पैदल जा रहे एक युवक की एक मोटरसाइकिल चालक ने टक्कर मार दी, गंभीर चोट लगने के कारण युवक की मौत हो गई। मृतक युवक अपने माता पिता की इकलौती संतान था। सोमवार को दर्ज मामले में थाना अधिकारी पुष्पेंद्र झाझड़िया ने बताया कि जुगल किशोर धाणक निवासी भामासी ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि उसका चचेरा भाई पारस हमेशा की तरह सादुलपुर में मजदूरी करने गया था। शाम को मजदूरी कर वापस बस से उतरकर बस स्टैंड डोकवा से पैदल-पैदल गांव की तरफ आ रहा था। तभी गांव के कृष्ण कुमार के घर के पास शाम को करीब सात बजे पहुंचा, तो पीछे से मोटरसाइकिल चालक महेश ने उसके भाई को टक्कर मार दी, जिसके कारण उसके भाई को गंभीर चोटें लगी। सूचना मिलते ही घटना स्थल पर पहुंचे तथा उसके भाई को उपचार के लिए वाहन से हिसार के लिए रवाना हुए, लेकिन हिसार पहुंचने से पहले ही उसके भाई पारस की दुर्घटना में आई चोटों के कारण मौत हो गई।

बाघों का संरक्षण हमारा सामूहिक दायित्व : कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव

अन्तर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर ''बाघों को बचाएं'' थीम पर बाघ संरक्षण संगोष्ठी का आयोजन

सवाई माधोपुर, (निसं)। अन्तर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर आमजन में बाघ संरक्षण के लिए जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से ''बाघों को बचाएं'' थीम पर बाघ संरक्षण संगोष्ठी का आयोजन सोमवार को जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव के मुख्य आतिथ्य में रणथम्भौर नेशनल रिसोर्ट में हुआ।

जिला कलेक्टर ने कहा कि वन एवं वन्य जीव धरती पर प्रकृति की अमूल्य धरोहर हैं। मानव, पर्यावरण और वन्यजीव एक-दूसरे के पूरक हैं। बदलते परिवेश में हमें वन्यजीवों के संरक्षण और जैव विविधता के लिए अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। बाघों का संरक्षण हमारा सामूहिक दायित्व है। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा मन की बात कार्यक्रम में रणथंभौर नेशनल पार्क से प्रारंभ हुए कुल्हाड़ी बंद पंचायत अभियान की सराहना के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निश्चित ही सभी पर्यावरणविदों को प्रकृति प्रेमियों में नवीन उत्साह एवं ऊर्जा का संचार करेगी। उन्होंने कहा कि इस अभियान के फलस्वरूप क्षेत्र के वन पुनः हरित हो रहे हैं।

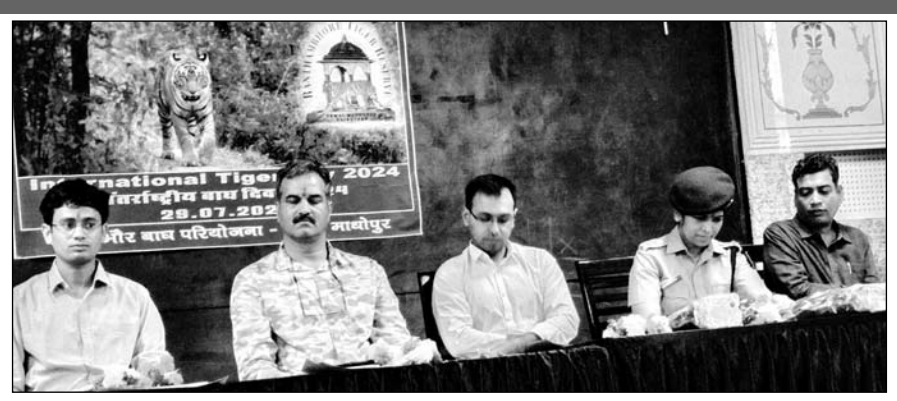

बाघ संरक्षण संगोष्ठी का आयोजन जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव के मुख्य आतिथ्य में हुआ।

साथ ही बाघों के लिए अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हो रहा है। उन्होंने रणथम्भौर टाईगर रिजर्व में पर्यावरण एवं बाघ संरक्षण के लिए मिशन बीट प्लास्टिक एवं पथिक लोक सेवा समिति के कार्यो की सराहना की। उन्होंने मानसून के दौरन अधिक से अधिक पौधारोपण कर अपने आस पास के क्षेत्र को हरा-भरा कर पर्यावरण संरक्षण करने की अपील की। उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक प्रथम रणथम्भौर बाघ परियोजना डॉ. रामानन्द भाकर ने कहा कि बाघ सवाई माधोपुर में रहने वाले हजारों लोगों की आजीविका का माध्यम है। हम सभी इनके संरक्षण के लिए आगे आएं।

इस अवसर पर वन्य जीव विशेषज्ञ धर्मेंद्र खांडल, टाईगर प्रोजेक्ट से जुड़े हरिमोहन मीना ने बाघ संरक्षण के क्षेत्र में समय-समय पर किए गए प्रयासों, वन्यजीव सुरक्षा एवं सरंक्षण के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी प्रदान की। इस दौरान वन विभाग द्वारा प्लास्टिक मुक्त रणथम्भौर के उद्देश्य से राजीविका समूह की महिलाओं निर्मित कपड़े के थैलों का वितरण कर सभी को वन्यजीव एवं प्रकृति के संरक्षण संवर्धन की दिशा में प्रेरित करने का संदेश दिया गया। संगोष्ठी के उपरांत उपस्थित सभी को रणथम्भौर टाईगर रिजर्व का भ्रमण करवाकर बाघ संरक्षण के महत्व के बारे में बताया। इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता, सहायक निदेशक पर्यटन मधुसूदन सिंह, प्रशिक्षु उप वन संरक्षक तेजस पाटिल, सहायक वन संरक्षक अरूण शर्मा, डीसीएफ लाखन सिंह, पशु चिकित्सक डॉ. सी.पी. मीना, मिशन बीट प्लास्टिक के रूपसिंह मीना, शिक्षक, वकील, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधी पर्यावरणविद उपस्थित रहे।

- 'सवाई माधोपुर में रहने वाले हजारों लोगों की आजीविका का माध्यम है बाघ'

संक्षिप्त

गणेशदास मंदिर में बर्तन भेंट किए

खाटूश्यामजी, (निसं)। वीर बर्बरीक सेवा समिति (रजि) ने सोमवार को खाटूश्यामजी स्थित गणेशदास मंदिर को भोजन बनाने के लिए उपयोगी बर्तन प्रदान किए। समिति के अध्यक्ष मुकेश वैष्णव ने बताया कि मंदिर में भट्टी, कढाई, टोपिया, प्रात, ट्रे, बाल्टी, जग, ड्रम, चम्मच, ढक्कन आदि विभिन्न प्रकार के बर्तन मंदिर समिति को दिए गए हैं। समिति के महामंत्री विकास सोनी ने कहा कि गणेशदास मंदिर में कई सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होता रहता है, जिसके चलते यहां बर्तनों की महत्ती आवश्यकता रहती थी। समिति द्वारा प्रदान किए गए बर्तन इन कार्यक्रमों को सुचारू रूप से संचालित करने में सहायक होंगे। इस अवसर पर कालूराम पूनियां, उपमंत्री अंशुमन शर्मा, उपाध्यक्ष सुरज स्वामी, संगठन मंत्री जितेंद्र सैन, सोनू तुलछानी, महेन्द्र शर्मा, झाबर सिंह धायल सहित समिति के अन्य सदस्यों ने मंदिर व्यवस्थापक को बर्तन सुपुर्द किए। यह पहल मंदिर के विभिन्न आयोजनों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और समाज के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करेगी।

पत्र लेखन प्रतियोगिता आयोजित

टोंक, (निसं)। उपखंड के दूनी तहसील मुख्यालय स्थित पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को साहित्य मंच टोडारायसिंह (केकडी) के तत्वावधान में पाती जवानों के नाम पत्र लेखन साहित्यक प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी एवं प्रधानाचार्य भंवरलाल कुम्हार ने बताया कि साहित्य मंच टोडारायसिंह केकडी के संयोजक सेवानिवृत शिक्षक शिवराज कुर्मी के सानिध्य में विद्यालय के तकरीबन 200 छात्रों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। वरिष्ठ साहित्यकार एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. सूरज सिंह नेगी द्वारा चलाई गई साहित्यिक मुहिम "पाती अपनो को" के तहत जिले के विभिन्न विद्यालयों में यह प्रतियोगिता आयोजित करवाई जा रही है। कुर्मी ने बताया कि साहित्य के क्षेत्र में चलाई गई मुहिम से बच्चों में साहित्य के प्रति लगाव बढेगा। शिक्षक सुरेंद्र सिंह नरूका ने बताया कि चयनित पत्रों को संकलित कर पुस्तक प्रकाशित की जायेगी तथा चयनित छात्रों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया जाएगा।

शिवलिंग पूजा का आयोजन

पावटा, (निसं)। बाबा भूतनाथ जोहडा धाम पावटा परिसर में स्थित प्राचीन शिवलिंग पर श्रावण मास के दूसरे सोमवार को रामोतार गोयल, कन्हैयालाल मीणा, गजांनद बोहरा, सुभाष यादव, ओमप्रकाश गौड सहित 15 जोडों द्वारा मंदिर महंत जयराम दास महाराज के सानिध्य में पंडित अश्वनी शास्त्री द्वारा विधि विधान से विशेष पूजा अर्चना के साथ पार्थिव शिव लिंग पूजा का अयोजन किया गया। इस दौरान पूजा अर्चना करने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड से मेले सा दृश्य बना रहा।

विभिन्न बिन्दुओं पर की चर्चा

पावटा, (निसं)। शारीरिक शिक्षकों द्वारा मिलन समारोह का आयोजन कर जिलाध्यक्ष बलवीर खोला के नेतृत्व में विधायक निवास स्थान ग्राम भांकरी में विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड का माला व साफा पहनाकर स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। इस मौके पर विधायक धनकड से नवगठित जिले में अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी शारीरिक शिक्षा का पद सृजित करने, शिक्षा विभाग के विद्यालय खिलाडियों का दैनिक भत्ता बढाने, स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा को पाठ्यक्रम में समिलित कराने तथा खेल गतिविधियों पर चर्चा की गई। इस दौरान धर्मवीर जाट समेत पावटा, कोटपूतली, विराटनगर के सभी शारीरिक शिक्षक मौजूद रहे।

विभागीय अधिकारी विकास कार्यों को गति प्रदान करें : कलेक्टर

अलवर, (निसं)। जिला कलेक्टर आशीष गुप्ता की अध्यक्षता में जिले में संचालित विकास योजनाओं, लंबित सम्पर्क प्रकरण एवं बजट घोषणा के संबंध में समीक्षा बैठक लेकर निर्देश दिये कि विकास कार्यों को गति प्रदान करें तथा निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ कराये जाये।

जिला कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिले में संचालित विकास योजनाओं के कार्यों तथा बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की प्रभावी मॉनिटरिंग करें, निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखे तथा हर सप्ताह किए गए कार्यों की प्रगति की रिपोर्ट भिजवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि हरियालो राजस्थान अभियान के तहत दिए गए पौधारोपण के लक्ष्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करें तथा पौधों की जीयो टैगिंग फोटो अपलोड करें।

उन्होंने मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिये कि ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर ई-लाइब्रेरी शुरू करने हेतु विकास अधिकारियों से समन्वय कर स्थान चिन्हित करावे। उन्होंने निर्देश दिये कि जिले के जिन 80 विद्यालयों के लिए स्वीकृत बोरिंग की ड्रिलिंग जलदाय विभाग से समन्वय कर पेयजल उपलब्धता वाले स्थानों पर ही कराई जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि शेष रहे विद्यालयों में भी वाईफाई लगवाना सुनिश्चित करें। ग्राम पंचायत पाला के भवन में ई-लाइब्रेरी प्रारम्भ करने हेतु बीडीओ से समन्वय करें। वृक्षारोपण, कीचन गार्डन, वाईफाई, नामांकन वृद्धि की प्रगति साप्ताहिक रिपोर्ट भिजवाए।

कलेक्टर आशीष गुप्ता की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

उन्होंने राजीविका की डीपीएम को निर्देश दिये कि सिलीसेढ झील के पास राजीविका द्वारा हस्तशिल्प उत्पादों, आर्ट्स, क्राफ्ट एवं मसालों की स्टॉल शुरू करावे तथा इसी प्रकार इंदिरा गांधी स्टेडियम में महिला स्वयं सहायक समूह की महिलाओं के द्वारा संचालित की जाने वाली कैन्टीन यथाशीघ्र चालू करावे। साथ ही निर्देश दिये कि सीडीईओ से समन्वय कर चिन्हित 6 मर्ज विद्यालयों में राजीविका के समूहों के कार्यालय प्रारम्भ करावे। उन्होंने पर्यटन विभाग की सहायक निदेशक को निर्देश दिये कि विभाग की जिला वेबसाइट को यथाशीघ्र लॉन्च करावे। उन्होंने निर्देश दिये कि यूआईटी एवं वन विभाग से समन्वय कर सिलीसेढ झील पर वाटर स्पोर्ट्स, बालाकिला पर वैपन म्यूजियम व शौचालय प्रारम्भ करावे। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक को निर्देश दिये कि पेंशन सत्यापन व छात्रवृत्ति सत्यापन को एक सप्ताह में राज्य औसत से अधिक करावे तथा औसत से अधिक कराते हुए शत-प्रतिशत सत्यापन करावे।

- 'सिलीसेढ़ झील पर वाटर स्पोर्ट्स, बालाकिला पर वैपन म्यूजियम व शौचालय प्रारम्भ करावे'

बैठक में डीएसओ मानसिंह मीना, सहायक कलक्टर सुश्री नवज्योति कंवरिया, सीडीईओ नेकीराम, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पी.सी मीणा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक अनिल मच्चा, पर्यटन विभाग की सहायक निदेशक टीना यादव, डीएलसी राकेश चौधरी, राजीविका की डीपीएम रेखारानी व्यास, जिला रोजगार अधिकारी श्रेष्ठ दीक्षित सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

दुष्कर्म मामले में ज्ञापन सौंपा

किशनगढबास, (निसं)। पंजाबी समाज ने बारा में पंजाबी समाज की बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म को लेकर जिला कलेक्टर डाक्टर आर्तिका शुक्ला को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। इस दौरान जिलाध्यक्ष कपिल शर्मा, मुखी गोविंद सोनी, जगदीश मुखीजा, भिवाडी अध्यक्ष अनिल वधवा, सूरज प्रकाश कपाही , किशनगढ अध्यक्ष हेमंत भूगडा, संरक्षक हरमेश खुराना , उपाध्यक्ष तिलकराज कालरा, मदन कालरा, मेघराज अदलक्खा, सचिव पंकज खुराना, महेंद्र छाबडा, भारत गुलयानी, भूपेंद्र सिंह भिवाडी, प्रवीण (सोनू) खत्री, उमेश मेहंदीरता आदि मौजूद रहे। ज्ञापन में समाज के लोगों ने अपराधी को शीघ्र गिरफ्तार करने तथा स्कूल की मान्यता रद्द करने की मांग की है।

प्रचलित रास्ते से अतिक्रमण हटाया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। उपखंड अधिकारी श्रीमाधोपुर अनिल कुमार के आदेशों की पालना में तहसीलदार श्रीमाधोपुर जगदीश प्रसाद बैरवा के नेतृत्व में सोमवार को राजस्व टीम द्वारा ग्राम पंचायत लिसाडिया के राजस्व ग्राम लिसाडिया के खसरा नं 210 किस्म गैर मुमकिन ढाणी से गुजरने वाले प्रचलित रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कर रास्ता सुचारू किया गया। बताया गया है कि ग्राम पंचायत लिसाडिया के राजस्व ग्राम के खसरा नंबर 210 किस्म गैर मुमकिन ढाणी से गुजरने वाले प्रचलित रास्ते पर ग्राम के ही कैलाश स्वामी द्वारा ईंधन और रूडी डालकर रास्ता अवरूद्ध करने व बारिश के मौसम में रास्ते पर डाली गई गंदगी से मौसमी बिमारियां फैलने की संभावना होने की समस्या से उपखंड अधिकारी श्रीमाधोपुर को जनसुनवाई में वार्डपंच मुरारी लाल स्वामी द्वारा अवगत कराया गया था, जिस पर उपखंड अधिकारी श्रीमाधोपुर के आदेश की पालना में तहसीलदार श्रीमाधोपुर जगदीश प्रसाद बैरवा व पटवारी नांगल तेजपाल यादव द्वारा ठाम पंचायत के सहयोग से दोनों पक्षों की समझाईश कर अतिक्रमण हटाकर रास्ता सुचारू करवाया गया। अतिक्रमण हटाने के दौरान सरपंच प्रतिनिधि मक्खन यादव, पूर्व सरपंच जगदीश यादव व ठामीण उपस्थित रहे।दो वर्ष पुरानी समस्या का समाधान होने पर ढाणी श्योनदास के ग्रामीणों द्वारा तहसील प्रशासन का आभार व्यक्त किया गया।

बलाई समाज विकास परिषद का प्रतिभा सम्मान समारोह

फुलेरा, (निसं)। कस्बे पुराना फुलेरा, बिचून रोड स्थित बलाई समाज सामुदायिक भवन परिसर में रविवार को प्रात: 10:15 बजे बलाई समाज विकास परिषद के तत्वावधान में एक प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सरपंच शांति लाल, विशिष्ट अतिथि के रूप में पालिका अध्यक्षा प्रतिनिधि जितेन्द्र अग्रवाल, ताराचन्द मेहरडा, रामेश्वर लाल वर्मा, बी.एल. सांभरिया, जगदीश सुराणिया, जी.एल.वर्मा, तारा चन्द मेहरडा, जलदाय विभाग के एईएन जगराम वर्मा, पूर्व एडीएम के.आर. बुनकर, पूर्व अध्यक्ष पांचू लाल बरवड रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता बलाई समाज विकास परिषद अध्यक्ष प्रमोद कालावत के द्वारा की गई। गौरतलब है कि कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ.जी.सी.जिन्दल, पूर्व आईपीएस जसवंत संपतराय रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में आगन्तुक अतिथियों के द्वारा लोक देवता बाबा रामदेव जी महाराज व डॉ. भीमराव अम्बेडकर के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कार्यक्रम के दौरान कक्षा 10 वीं, 12 वीं में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने तथा सरकारी सेवाओं में चयनित हुए सामाज के प्रतिभावान बालक बालिकाओं का प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया गया।

कक्षा 10वीं, 12वीं में 70 प्रतिशत से अधिक अंक पाने तथा सरकारी सेवाओं में चयनित सामाज के प्रतिभावानों का सम्मान किया।

वहीं कार्यक्रम में मंच का संचालन परिषद के विधि सलाहकार एड. भागचन्द सांभरिया व महामंत्री शिक्षाविद रामप्रसाद नारनोलिया ने किया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में परिषद के अध्यक्ष प्रमोद कालावत ने सभी आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर समाज के प्रतिभावान विद्यार्थी और समाज के लोग उपस्थित रहे।

सड़कों की स्वीकृति पर आभार जताया

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। सार्वजनिक निर्माण विभाग से विधानसभा क्षेत्र चौमूं में 2.39 करोड की लागत की 4 सडकों के निर्माण की स्वीकृति मिलने पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दिया कुमारी का आभार जताया। सडक कार्यों के लिए सिरसा फाटक शिव मंदिर से रणजीतपुरा तेजाजी मंदिर तक दूरी 2.10 किमी. लागत 63 लाख रुपये, कानररपुरा से स्वामियो की ढाणी वाया दोलतपुरा तक दूरी 2.50 किमी. एवं लागत 75 लाख, बागडियो की ढाणी से छोटागुढा तक दूरी 1.70 किमी. एवं लागत 51 लाख और छोटागुढा से नांगल गोविंद तक दूरी 1.70 किमी. एवं लागत 50 लाख रुपयों की स्वीकृति मिली है। पूर्व विधायक शर्मा ने बताया कि क्षेत्र में 2.39 करोड की लागत की 4 सडकों की स्वीकृति मिली है।

'बाघों को बचाए' थीम पर बाघ संरक्षण संगोष्ठी का आयोजन

बौंली-बामनवास, (निसं)। सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय के रणथंभौर नेशनल रिसोर्ट में आमजन में बाघ संरक्षण हेतु जागरूकता लाने के लिए बाघों को बचाए थीम पर बाघ संरक्षण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सवाई माधोपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर खुशाल यादव थे।

संगोष्ठी में जिला कलेक्टर ने कहा कि वन एवं वन्य जीव धरती पर प्रकृति की अमूल्य धरोहर है मानव पर्यावरण और वन्य जीव एक दूसरे के पूरक हैं बदलते परिवेश में हमें वन्यजीवों के संरक्षण और जैव विविधता के लिए ध्यान देने की आवश्यकता है बाघों का संरक्षण हमारा सामूहिक दायित्व है। संगोष्ठी में उपवन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक प्रथम रणथंभौर बाघ परियोजना डॉक्टर रामानंद भाकर ने कहा कि बाघ सवाई माधोपुर जिले में रहने वाले हजारों लोगों की आजीविका का माध्यम है हम सभी इनके संरक्षण के लिए आगे आए। इस अवसर पर वन्य जीव विशेषज्ञ धर्मेंद्र खांडल ने बाघ संरक्षण के क्षेत्र में समय-समय पर किए गए प्रयासों वन्य जीव सुरक्षा एवं संरक्षण पर विस्तार से जानकारी दी। टाइगर प्रोजेक्ट से जुड़े हरिमोहन मीणा ने कैरबल की विभिन्न प्रजातियों के संरक्षण, पर्यावरण, रणथंभौर पार्क के विभिन्न रूप इकोसिस्टम, प्राकृतिक संपदा, वनो, पक्षियों एवं वन्यजीवों के महत्व के बारे में जागरूक किया। आयोजित संगोष्ठी में जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता, सहायक निदेशक पर्यटन मधुसूदन सिंह, प्रशिक्षु उपवन संरक्षक तेजस पाटिल, सहायक वन संरक्षक अरुण शर्मा, डीसीएफ लाखन सिंह, पशु चिकित्सक डॉक्टर सीपी मीना, मिशन बीट प्लास्टिक के रूप सिंह, पत्रकार, शिक्षक, वकील, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि एवं पर्यावरण विद आदि संगोष्ठी में उपस्थित थे।

बाघ संरक्षण हेतु जागरूकता लाने के लिए बाघ संरक्षण संगोष्ठी हुई।

भक्ति से मानव परहित व परोपकार भी कर सकते है : विज्ञाश्री

निवाई/गुन्सी, (निसं)। गांव गुन्सी में स्थित सहस्त्रकूट जिनालय विज्ञातीर्थ में धूमधाम से चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में श्रद्धालुओं ने आर्यिका की मौजूदगी में वर्षायोग का ध्वज और पताकाएं स्थापित की।

जैन समाज के प्रवक्ता योगेंद्र सिंहल व निवाई चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष सुनील भाणजा ने बताया कि विज्ञातीर्थ में चातुर्मास का मुख्य मंगल कलश स्थापना निर्मल जैन, सुधा जैन मध्यप्रदेश ने पं. विमल शास्त्री बनेठा के सानिध्य में विधि विधान और मंत्रोच्चार एवं भजनों के साथ स्थापित किए। द्वितीय कलश कंवरपाल जैन, मनोरमा जैन व हितार्थ जैन बाइस गोदाम नंदपुरी जयपुर ने किया। तृतीय कलश स्थापना सुनील जैन सांगानेर ने किया। उन्होंने बताया कि वर्षायोग के लिए 9 बडे और108 छोटे मंगल कलशों की स्थापना श्रद्धालुओं द्वारा आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सान्निध्य में की गई। इस अवसर पर विज्ञाश्री महिला मंडल द्वारा मंगलाचरण किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, पादप्रक्षालन, शास्त्र भेंट, जिनवाणी भेंट तथा वस्त्र भेंट किए। विज्ञाश्री माताजी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि ईश्वर की भक्ति और ध्यान से मानव का कल्याण होता है। मानव को सदैव सदाचारी रहते हुए भगवान महावीर के मुख्य तीन संदेश अहिंसा, अपरिग्रह और सत्य को जीवन में अपनाना चाहिए। भक्ति से मानव परहित व परोपकार भी कर सकता है। सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा विज्ञातीर्थ में कलश स्थापना करने वाले परिवारों का स्वागत सत्कार किया गया। समारोह में मध्यप्रदेश, जयपुर, सांगानेर, टोंक, निवाई, चाकूस, मालपुरा व झिलाय सहित कई स्थानों से श्रद्धालु विज्ञातीर्थ पहुंचकर आर्यिका विज्ञाश्री माताजी को श्रीफल चढाकर आशीर्वाद लिया।? इस दौरान उद्योगपति सुशील जैन, महावीरप्रसाद पराणा, राजेंद्र बगडी, नरेश बनेठा, अशोक जैन, अरविंद जैन व जितेन्द्र जैन सहित जैन समाज के विभिन्न महिला मंडल तथा सैकडों श्रद्धालु मौजूद थे।

विद्युत तकनीकी कर्मचारियों ने जेवीवीएनएल एसई को सौंपा ज्ञापन

कोटपूतली, (निसं)। राजस्थान विद्युत तकनीकी कर्मचारी एशोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष प्रदीप जांगिड के नेतृत्व में तकनीकी कर्मचारियों ने जेवीवीएनएल एसई मनोज गुप्ता को ज्ञापन सौंपकर 12 सूत्रीय मांगों को पूरा किये जाने की मांग की। ज्ञापन में जांगिड समेत विवेक सैनी, सुमित, बुधराम गुर्जर, हरिश यादव, महेश गुर्जर, सिकंदर आदि कर्मचारियों ने अवगत करवाया कि जिला मुख्यालय पर यूनियन हेतु कार्यालय उपलब्ध करवाया जायें।

वहीं तकनीकी कर्मचारियों को समय-समय पर सुरक्षा उपकरण, 33/11 केवी जीएसएस पर नियमानुसार चार शिफ्ट ड्युटी में आईटीआई कर्मचारी लगाये जायें, उक्त जीएसएस का समय-समय पर रखरखाव करवाया जायें, जीएसएस पर सीयूजी सिम उपलब्ध करवाकर उन्हें चालू रखने के लिये ठेकेदारों को पाबंद किया जायें, जीएसएस पर कार्यरत ठेकाकर्मियों को शिफ्ट ड्युटी के समय जीएसएस पर ही उपलब्ध रहने के लिये पाबंद किया जायें, एक फिडर पर एक तकनीकी कर्मचारी को ड्युटी देकर कार्यभार कम किया जायें, बिना किसी ठोस वजह या राजनैतिक दबाव में तकनीकी कर्मचारियों का स्थानान्तरण नहीं किया जायें, तकनीकी कर्मचारियों को नियमानुसार मूल पद पर लगाया जायें, साथ ही कर्मचारी कल्याण शिविर का आयोजन, रिडिंग कार्य के दौरान तकनीकी कर्मचारियों को लाईन फॉल्ट व रखरखाव के कार्य से मुक्त रखने, पूर्व में अलवर वृत्त में जारी तकनीकी कर्मचारियों को पीडीसी राशि वसूली, बिलिंग कार्य, एमसीओ आदि के लिये कमिशन स्कीम को पुन: लागू किया जायें।

राजस्थान विद्युत तकनीकी कर्मचारी एशोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष प्रदीप जांगिड़ के नेतृत्व में तकनीकी कर्मचारियों ने जेवीवीएनएल एसई मनोज गुप्ता को ज्ञापन सौंपा।

- 12 सूत्रीय मांगों को पूरा किये जाने की मांग

तीये की बैठक

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरी धर्मपत्नी **श्रीमती मीरा देवी**

का स्वर्गवास दिनांक 28/7/2024 को हो गया है जिसकी तीये की बैठक 30/7/2024 मंगलवार को शाम 4.30 से 5.30 बजे राजपुताना सभा भवन थडी मार्केट में रखी गई है।

शोकाकुल: जितेन्द्र मलानी (पति) ,गौरव- कंचन, रवि- सिमरन (पुत्र-पुत्रवधू), दीपक- नीतू (पुत्री- दामाद), हिमांशु, यश, भविष्य, अनन्य (पौत्र) रिया, पलक (दोहती), फर्म: गणपति मोटर पार्ट्स सांगानेर, 7737803890

खोया पाया

मेरे मकान नम्बर 262/307-B, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर का अलाटमेंट लेटर नम्बर 8336, Date 4/12/2005, कहीं खो गया मिलने पर सूचित करें- 9785222207

मेरा मकान सं. 64/120, प्रताप नगर, जयपुर का मूल नोड्यूज व कब्जा पत्र कहीं गुम हो गया है मिलने पर सम्पर्क करें। रमेश-9414517800

मैं सरोज W/o महेश कुमार निवासी 70 आर्य नगर मुरलीपुरा जयपुर हूं की मेरी प्रॉपर्टी प्लॉट 170 ऑटोमोबाइल नगर के मूल आवंटन पत्र कब्जा पत्र साइट प्लान कहीं गुम हो गए हैं मिलने पर सूचित करें 9414333610

नाम परिवर्तन

मेरी सभी अंकतालिकाओं में माता का नाम गलती से मनोहरी देवी हो गया। मुझे पायल वर्मा माता छोटा देवी पत्नी श्री भंवर लाल बलाई निवासी माली की कोठी, बगराना (जयपुर) के नाम से जाना जावें। मो.न. 7733905109

मैंने अपना नाम शगुफा से बदलकर शगुफा मंसूरी पुत्री बाशा मंसूरी रख लिया है भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना जावे। निवास-ए-504, गुरूशिखर अपार्टमेन्ट, शिवदासपुरा, बीलवा कलां, जयपुर

पहले मेरा नाम उत्कर्ष बागरा था लेकिन अब मेरा नाम उत्कर्ष लोकन्डा है भविष्य में मुझे उत्कर्ष लोकन्डा के नाम से जाना जावे। पता-उत्कर्ष लोकन्डा पुत्र महेश कुमार लोकन्डा 30, जमुना डेयरी सोडाला अजमेर रोड जयपुर आर एस राजस्थान पिन-302006

मैं आर्मी न. 15711207Y रैंक- लान्स नायक तोमर उमेश ऐवरनसिंह पुत्र श्री ऐवरनसिंह निवासी गांव फ्रूट वाली चाली, तहसील- अहमदाबाद, गुजरात ने सभी सर्विस रिकॉर्ड में अपनी पत्नी का नाम श्वेता से बदलकर तोमर श्वेता उमेश सिंह कर दिया है। भविष्य में उसे इसी नाम से जाना जाए।

मेरे पुत्र चंद्र मोहन रैगर के शाला रिकार्ड में मेरा नाम ओम प्रकाश हाथीवाल दर्ज है। जबकि अन्य समस्त दस्तावेजों में ओम प्रकाश रैगर दर्ज है जो कि सही है। अतः भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये। ओम प्रकाश रैगर पुत्र चंदा लाल रैगर, निवासी ग्राम-राहोली, तह.निवाई (टोंक-राज.) मो.9828709561

I have changed my name from Meenakshi Bhardwaj to Banarsi Devi W/o Shri Krishan Kumar Bhardwaj Plot no.13, Kesar Nagar, Karni Place ke pass, Jaipur for all purposes in future vide affidavit dated 27 July, 2024, under notary public jaipur

I army no 2882390 L Ex NK (RFN) Rajendra Singh Rathore S/O phool singh rathore R/O 170 A janak vihar gali no 5 panchyawala sirsi road jaipur that have changed my daughter name From NEETU KUMARI To. NEETU RATHORE vide affidavit dated 22 July 24 before district magistrate south jaipur

I Shashi Bala yadav legally wedded spouse of army no 2988550L Ex Hav bijendra singh R/O 29 D/519 gharondha nale ke pass Pratap nagar sanganer jaipur that have changed my name From SHASHI BALA YADAV (DOB 8/1/1970) To SHASHI DEVI (DOB 1/1/1970) vide affidavit dated 27/7/24 before district notary sanganer jaipur

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 249/2024

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्रीमती सुनिता कंवर, निवासी रघुनाथ सिंह गोविन्दपुरा @ मंडलीय जयपुर 303006 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत मंदिर श्री चारभुजा सेवा समिति, प्रन्यास कार्यालय ग्राम गोविन्दपुरा उर्फ मण्डालिया, तहसील माधोराजपुरा जिला जयपुर ग्रामीण राजस्थान प्रन्यास के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 11.7.24 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइंदा तारीख पेशी 19.9.24

मोहर अदालत

आकाश रंजन (आर.ए.एस.)
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

न्यायालय-अपर जिला एवम् सैशन न्यायाधीश, संख्या-1, हिण्डौन सिटी

दिनेश कुमार मीना आदि बनाम हरखासआम

प्रार्थना-पत्र बाबत् उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र अंतर्गत धारा-372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

नोटिस

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनेश कुमार, रमेश, सुमेर सिंह पुत्रगण स्व. श्री रामकिशन मीना, जाति-मीना, निवासी-खेड़ी चांदला, तहसील-श्रीमहावीरजी, जिला करौली एवम् मनीषा पुत्री स्व. रामकिशन पत्नि अमृतलाल, जाति-मीना, निवासी-302, नवदीप अपार्टमेंट, कोचरवा आश्रम के पास, पाडली अहमदाबाद (गुजरात) द्वारा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, शाखा हिण्डौन सिटी में जमा राशि को एवम् आवेदकगण की माताजी श्रीमती सरूपी देवी के मेडीकल बिलों का भुगतान प्राप्त करने के लिए माननीय न्यायालय हाजा में उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर दिया है। लिहाजा जिस किसी भी व्यक्ति को उक्त प्रार्थना-पत्र के स्वीकार करने में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी उपस्थिती इस न्यायालय में दिनांक 30.8.24 को समय 10.00 बजे असालतन व वकालतन उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दे, वर्ना गुजरने उक्त दिनांक कोई आपत्ती स्वीकार नहीं होगी एवं प्रार्थना-पत्र इकतरफा में सुनवाई फैसला कर दिया जावेगा। मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से आज दिनांक 26.7.24 को जारी किया गया।

मोहर अदालत

रीडर
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश हिण्डौन-सिटी

कार्यालय नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा (कोटपुतली-बहरोड़)

नवोदय स्कूल के पास पावटा-303106, राज.

फोन/01421-294619 Email.Id.: Nagarpalikapaotapragpura@gmail.com Website:www.paotapragpura.com

क्रमांक : न.पा.पाव.प्रा./2024-25/भूमि/796 दिनांक : 29.07.2024

आपत्ती आमंत्रण सूचना

निम्न आवेदक ने नगरपालिका कार्यालय में पट्टा पत्रावली पालिका कार्यालय में प्रस्तुत की है उक्त पत्रावली में किसी को कोई आपत्ती हो तो 07 कार्य दिवस में नगरपालिका कार्यालय में आपत्ती प्रस्तुत करें अन्यथा पत्रावली पे अग्रीम कार्यवाही की जावेगी।

क्र.सं.	आवेदक का नाम	खसरा संख्या	राजस्व ग्राम	क्षेत्रफल (वर्गमीटर)	प्रयोजनार्थ
1	श्रीमती सोनी चौधरी पत्नी श्री रघुनाथ प्रसाद चौधरी	1079	पावटा	278.74	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा

संक्षिप्त

मिलन सॉफ्टवेयर से करे आवेदन

अलवर, (निसं)। अल्पसंख्यक समुदाय के व्यक्ति व्यावसायिक एवं शिक्षा ऋण हतु मिलन सॉफ्टवेयर पर 31 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिला अल्पसंख्यक अधिकारी सीमा कुमारी ने बताया कि राजस्थान अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड एवं राष्ट्रीय अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम के द्वारा विकसित मिलन सॉफ्टवेयर के लिंक पर वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु व्यावसायिक एवं शिक्षा ऋण योजना के अन्तर्गत अल्पसंख्यक समुदाय मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, जैन, बौद्ध एवं पारसी समुदाय के इच्छुक व्यक्ति 31 जुलाई 2024 तक ऑनलाइन भर सकते हैं। यह सुविधा ऋण प्रक्रिया को सरल एवं आसान बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई। शेष शर्ते पूर्व की भांति यथावत रहेगी।

अंडरपास बनाने की मांग पर प्रदर्शन

दौसा, (निसं)। यहां जयपुर आगरा नेशनल हाईवे पर दौसा बाईपास के पुलिस लाइन चौराहे पर अंडरपास बनाने की मांग को लेकर स्थानीय महिला और पुरुषों ने सोमवार को कलेक्ट्रेट के सामने प्रदर्शन किया। उन्होंने इस चौराहे पर अंडर पास बनाने, बेरिकेट लगाने और 24 घंटे चार पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाने की मांग की और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन देने वालों में रामविलास, भजन लाल, रतनलाल, बंशीलाल, विकास मीना, नन्द, मनीष पार्षद कमलेश मीणा , पार्षद दिनेश मीणा और अन्य शामिल थे।

विधायक का आभार जताया

कोटपूतली, (निसं)। कस्बा स्थित अपर जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में स्थित एडवोकेट कॉम्पलेक्स में अधिवक्ताओं के बैठने हेतु टीनशैड व इन्टरलॉक टाईल्स लगाई जायेगी। इसको लेकर अभिभाषक संघ कोटपूतली के आग्रह पर विधायक हंसराज पटेल ने विधायक कोष से 32 लाख 15 हजार रूपयों की राशि स्वीकृत की है। उपरोक्त स्वीकृति पर अभिभाषक संघ अध्यक्ष दयाराम गुर्जर ने विधायक पटेल का आभार व्यक्त किया है।

बीपी, शुगर परामर्श शिविर कल

श्रीमाधोपुर, (निसं)। लायंस क्लब श्रीमाधोपुर द्वारा हर माह के अंतिम दिन लगाए जाने वाला शिविर इस माह 31 जुलाई बुधवार को प्रात: 10 से दोपहर 12 बजे तक डॉक्टर महेंद्र प्रताप तिवारी हॉस्पिटल स्टेशन रोड श्रीमाधोपुर में लगाया जाएगा। लायंस क्लब के अध्यक्ष सीताराम सैनी पूर्व वैज्ञानिक ने बताया कि शिविर में नि:शुल्क मधुमेह जांच, ब्लड प्रेशर जांच और वजन करवा सकते हैं साथ ही डॉक्टर महेंद्र प्रताप तिवारी नि:शुल्क परामर्श भी देंगे। लायंस क्लब ने श्रीमाधोपुर और आसपास के क्षेत्र के लोग इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया है।

श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

निवाई, (निसं)। श्रीगौरी शंकर महादेव मंदिर में सोमवार को आचार्य पं.आचार्य रामकल्याण शास्त्री के निर्देशन में अखंड सहस्त्र घट का आयोजन हुआ। उन्होंने बताया कि आचार्य अरविन्द दाधीच, नवरत्न शर्मा, अवधेश शर्मा, हनुमान शर्मा व तुषार शर्मा सहित कई श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ की विधि विधान से पूजा कर जलाभिषेक किया। सहस्त्र घट के बाद भगवान भोलेनाथ का पुष्पों से विशेष श्रृंगार किया गया। इसके बाद भोग लगाकर महाआरती का आयोजन हुआ जिसमें श्रद्धालु उमड पडे। इस अवसर पर मंदिर समिति के ओमप्रकाश विजय, कालूराम सैनी, भंवरलाल सैन, राधेश्याम शर्मा व रामू स्वामी सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

कावड़ यात्रियों पर की पुष्पवर्षा

मालपुरा, (निसं)। सोमवार को बिसलपुर गोकर्णेश्वर महादेव मंदिर से पवित्र जल की कावड लेकर पंवालिया गांव के लिये कावडियो का दल रवाना हुआ। टोडारायसिंह कस्बे से होकर गुजरे कावडियों के दल का केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी के आवास पर व बिल्स इंटरनेशनल स्कुल के सामने सहित जगह-जगह पुष्पवर्षा से कावडियों का स्वागत किया गया। भगवान शिव के जयकारे लगाते हुये कावडियो का दल पंवालिया ग्राम के लिये रवाना हुआ। पवित्र श्रावण मास में कावड यात्रा के आयोजनो मे दिन-प्रतिदिन हो रही है वृद्धि। इसी प्रकार गोकर्णेश्वर महादेव मंदिर से ही कावड भरकर बडी संख्या मे कावडियो का दल चांदसेन के लिये रवाना हुआ।

नकदी व जेवर चुराने वाले एक माह बाद गिरफ्तार

देवली, (निसं)। निकटवर्ती हनुमान नगर थाना पुलिस ने गत जून माह में हुई नकदी व आभूषणों की चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इन चोरों से चोरी किया गया माल भी बरामद कर लिया है।

जानकारी अनुसार यह वारदात गत 23 जून को मोरला चौराहा स्थित संत निरंकारी आश्रम के चौकीदार के मकान में हुई थी। मामले में पीडित सुखदेव मीणा ने हनुमान नगर पुलिस थाना पहुंचकर प्रकरण दर्ज कराया था। इसके बाद से पुलिस ने चोरों की तलाश शुरू कर दी थी। इस चोरी की वारदात में लिप्त चोरों को पकडने के लिए थाना अधिकारी ने पुलिस टीम गठित कर आरोपी कुलदीप पुत्र बाबूलाल रेगर निवासी बिंदी गेट दरवाजा जहाजपुर जिला शाहपुरा व बंटी कुमार पुत्र कैसरलाल रेगर निवासी देवली रोड हरिओम नगर वार्ड नं 21 पुलिस थाना जहाजपुर जिला शाहपुरा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उक्त चोरों से माल भी बरामद कर लिया है। वहीं गिरफ्तार हुए चोरों से पुलिस अन्य वारदातों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है। चोरों को गिरफ्तार करने वाली

हनुमान नगर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद किया।

गठित टीम में सहायक उप निरीक्षक कैलाशलाल, महेंद्र सिंह,पुलिसकर्मी मनीष कुमार, लालाराम, लेखराज शामिल रहे।

ऐसे में हनुमान नगर थाना पुलिस को इस मामले में 1 महीने बाद तो सफलता प्राप्त हो गई लेकिन रविवार को फिर से हनुमान नगर थाना क्षेत्र के जैन कॉलोनी स्थित जैन मंदिर में चोरी की एक घटना घटित हो गई। यहां अज्ञात चोरों ने मंदिर पेटी में रखी राशि पर हाथ साफ कर लिया है। ऐसे में देखा जाए तो यहां भी आए दिन चोरी की वारदातों ने हनुमान नगर थाना पुलिस का सर दर्द बढा रखा है। यहां हनुमान नगर थाना क्षेत्र के जैन कॉलोनी के एक मंदिर में दिनदहाडे रविवार की दोपहर को चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम देकर

- बीते रविवार को भी चोरों ने जैन मंदिर की दान पेटी में रखी राशि चुराई

दान पेटी में रखी राशि चुरा ली। इस घटना का मामला भी पुलिस थाने में दर्ज हो गया है। उल्लेखनीय है कि हनुमान नगर थाना क्षेत्र की ज्योति कॉलोनी शिव कॉलोनी जैन कॉलोनी श्याम नगर कुचलवाडा रोड कोटा रोड की इत्यादि कॉलोनियां देवली शहर के साथ देवली शहर के नाम पर बसी हुई है। वही हनुमान नगर कि उक्त कालोनियो की वजह से देवली शहर का विस्तार बढ गया है और हनुमान नगर क्षेत्र की सभी कॉलोनिया देवली शहर कि सीमा में समाई हुई है। हालांकि देवली शहर टोंक जिले की नगर पालिका है और हनुमान नगर भीलवाडा जिले का हिस्सा है। ऐसे में देवली पुलिस और हनुमान नगर पुलिस को चाहिए कि यहां बढती चोरी की वारदात को रोकने के लिए एक साथ मिलकर योजना बनाए ताकि चोरी की बढती घटनाओं और अन्य वारदातों पर अंकुश लग सके।

उन्नत तकनीक से खेती का दिया प्रशिक्षण

मालपुरा, (निसं)। सिकोईडिकोन संस्था मालपुरा के बैनर तले 29 जुलाई को कुशलवाटिका चौसला मे एक दिवसीय शिविर लगा उन्नत तकनीक से उन्नत खेती एवं विधियों को लेकर प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर किसानों को लाभान्वित किया।

संस्था प्रभारी विवेक कुमार त्रिपाठी ने बताया कि जैविक पद्धति से खेती करने से किसानो की आजीविका मे वृद्धि होने के साथ-साथ जमीन की उपजाउ क्षमता भी बढती है। आज किसान ज्यादा से ज्यादा उपज लेने के लालच मे रासायनिक खाद व कीटनाशक रासायनिक दवाईयों का उपयोग कर जमीन की उपजाउ क्षमता को नष्ट कर रहा है। जो कि उसके लिये आगे जाकर घातक साबित होगा। त्रिपाठी ने बताया कि जैविक पद्धति को किसान खरीफ की फसलो मे फलदार पौधो व सब्जी के बागान लगा कम समय व कम लागत मे अच्छी उपज ले सकता है। जगदीश शर्मा व प्रभु सिंह ने मौजूद किसानो को फलदार पौधो के रोपण व उनकी देखरेख की विधि से अवगत करवाया। मोहन मीणा ने भी किसानो को जानकारी दी। शिविर मे चैनपुरा, अरनिया, डेंचवास व चौसला के किसान मौजूद रहै।

सार-समाचार

ज्ञापन सौंप ट्रांसफार्मर लगवाने की मांग

निवाई, (निसं)। ग्राम पंचायत ढाणी जुगलपुरा के वार्ड नंबर 7 निवासियों ने जयपुर डिस्काम के अधिशाषी अभियंता नन्दकिशोर खिंची को ज्ञापन सौंपकर ट्रांसफार्मर लगवाने की मांग की है। कॉलोनी निवासी ज्ञानसिंह हरसाना ने बताया कि ने ग्राम पंचायत ढाणी जुगलपुरा के वार्ड नंबर 7 में मीणा छात्रावास के पीछे विभिन्न कॉलोनियों में करीब 1500 लोग निवास करते हैं लेकिन विद्युत सप्लाई कम आती है। जिसकी वजह से घरेलू उपकरण नहीं चल पाते हैं। इसके अलावा बार-बार विद्युत कटौती होती है। लाइनमैन को अवगत करवाते हैं तो वह टोल फ्री नंबर पर बात करने के लिए कहते हैं। वार्डवासियों ने अधिशाषी अभियंता को ज्ञापन सौंपकर एक अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगवाने की मांग की है। नारायण लाल, पप्पू, मीरा, कजोडमल, रामफूल, विशाल कीर, शर्मिला, पपुडी, गौरा व गणपत सैन सहित कई कॉलोनीवासी मौजूद थे।

'नई सोच नई उमंग' कार्यक्रम आयोजित

टोंक, (निसं)। मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वाधान में और टोंक जिला माहेश्वरी महिला संगठन के सानिध्य में माहेश्वरी महिला मंडल टोंक द्वारा आओ उन्मुक्त आकाश की ऊंचाइयों को छुए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन महेश वंदना और अतिथियों के स्वागत से किया गया। सर्वप्रथम स्थानीय अध्यक्ष हेमलता तोषनीवाल और जिला अध्यक्ष कमलेश मूंदडा ने सभी अतिथियों का अपने शब्द सुमनों से स्वागत किया। प्रदेशध्यक्ष शशि लडा द्वारा राष्ट्रीय संगठन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। प्रदेश सचिव मनीषा बागला द्वारा संगठन का प्रतिवेदन प्रस्तुत कर राष्ट्रीय संगठन में प्रदेश की भूमिका सभी के समक्ष प्रस्तुत की। विशेष आमंत्रित मेहमान के रूप में पधारी पश्चिमाँचल स्वयंसिद्धा प्रभारी कंचन राठी ने बताया कि यदि महिलाएं स्वावलंबन की दिशा में कदम बढाये तो हम आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो सकते हैं। यह कदम हमें आत्मविश्वास और आत्म-समर्पण का महत्व समझाता है। जब हम अपनी जिम्मेदारियों को स्वीकार करते हैं और अपनी क्षमताओं पर विश्वास करते हैं, तो हम अपनी राह खुद बना सकते हैं। स्वावलंबन हमें मजबूती और स्वतंत्रता की ओर ले जाता है और हमें खुद पर भरोसा करना सिखाता है।

युवा कांवड़ियों का स्वागत किया

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। कालाडेरा कस्बे में पवित्र श्रावण मास के सोमवार को श्रीधूलेश्वर महादेव मंदिर में गांव के युवा कांवडियों द्वारा म्हारकलां मालेश्वर धाम से 51लीटर पवित्र जल भरकर पैदल 25 किलोमीटर की कावड यात्रा करके श्रीधूलेश्वर महादेव का जल अभिषेक किया गया। मालेश्वर धाम से रविवार रात को युवा कांवडियों द्वारा 51 लीटर पवित्र जल भरकर कांवड यात्रा प्रारंभ की गई थी जो सुबह सोमवार को 10 बजे श्री धूलेश्वर महादेव मंदिर कालाडेरा पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा चारों युवा कांवडियों पीयूष चतुर्वेदी, राज जांगिड, शिवम चतुर्वेदी और पीयूष सैनी का माला पहनाकर स्वागत किया गया।

'31 जुलाई तक पेंशन का सत्यापन करावे'

अलवर, (निसं)। सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स 31 जुलाई तक आयोजित किए जा रहे उपखण्डवार शिविरों में पहुंचकर पेंशन स्वीकृकर्ता अधिकारी कार्यालय में पेंशन का सत्यापन करावे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक अनिल मच्चा ने बताया कि विभाग द्वारा संचालित एवं राज्य सरकार की स्टेट फ्लैगशिप योजनान्तर्गत शेष रहे सामाजिक सुरक्षा पेंशन के भौतिक सत्यापन हेतु विशेष कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं अत: जिन पेंशनर्स का सत्यापन बकाया है वे 31 जुलाई तक कार्यालय समय में अपने संबंधित पेंशन स्वीकृर्ता अधिकारी (ग्रामीण क्षेत्र में विकास अधिकारी एवं शहरी क्षेत्र में उपखण्ड अधिकारी)कार्यालय में अपने पेंशन पीपीओ नम्बर, आधार कार्ड, जनाधार कार्ड, बैंक की पासबुक, आधार से लिंक मोबाइल नम्बर सहित उपस्थित होकर पेंशन सत्यापन करावे। सत्यापन के अभाव में पेंशन राशि का भुगतान नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत जिले में 242287 पेंशनर्स पेंशन योजना का लाभ ले रहे हैं जिनमें से 21755 पेंशनर्स का भौतिक सत्यापन कराया जाना शेष है।

बेरोजगार नर्सिंगकर्मियों ने सौंपा ज्ञापन

दौसा, (निसं)। बेरोजगार नर्सिंग कर्मियों ने मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग कर्मियों की भर्ती में ठेका प्रथा का विरोध कर चिकित्सा मंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। राकेश सैनी ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग स्टाफ की भर्ती का कार्य राजमेस द्वारा किया जाता है।लेकिन राजमेस इस प्रक्रिया को ठेकेदारों को सौंप रहा है। विजय मीणा ने इस प्रक्रिया में एक बडे गडबडझाले का आरोप लगाते हुए कहा कि राजमेस यदि इस प्रक्रिया को अपनाता है तो एक नर्सिंग कर्मी को लगभग 25 हजार से अधिक वेतन देना पडता है। यही कार्य ठेकेदारों के द्वारा करवाता है तो एक नर्सिंग कर्मी को महज आठ या नौ हजार के लगभग वेतन देते हैं। बाकी का पैसा ठेकेदारों और राजमेस के कर्मचारियों के बीच बंट जाता है। जिससे नर्सिंग स्टाफ का शोषण होता है। ठेकदार जिस फर्म के द्वारा यह कार्य करता है वह एनजीओ होता है।जबकि एनजीओ इस तरह का शोषण का कार्य नहीं कर सकता साथ ही एनजीओ नो लॉस नो प्रॉफिट में चलता है। मेडिकल कॉलेजों में नर्सिंग कर्मियों की भर्ती प्रक्रिया ठेकेदारों के माध्यम से किए जाने को लेकर विरोध जताते हुए चिकित्सा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया है। इस दौरान राकेश सैनी बनियाना, विजय मीना गुडलिया, गजानंद कसाना, सुनील मीना, मुनीराम मीना, उमेश मीना, दशरथ गुर्जर आदि मौजूद रहे।

गंगा जल से शिव का रुद्राभिषेक किया

शाहपुरा, (निसं)। शहर के पुलिस थाने के पीछे श्री श्याम मंदिर में सावन के दूसरे सोमवार को श्याम मंदिर के कार्यकर्ता द्वारा कावड यात्रा से लाए गंगा जल से शिव भोले का रुद्राभिषेक व श्याम बाबा का स्नान करवाया गया। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद अठावाल कोषाध्यक्ष राजेश मंडोवरा व सचिव अनिल कुमार नरवल ने बताया कि शिव भोले के रुद्राभिषेक के दौरान शाहपुर नगर पालिका अध्यक्ष बंशीधर सैनी, प्रधान मंजू शर्मा, समाजसेवी महेंद्र शर्मा, राजेंद्र चौहान के द्वारा पूजा अर्चना करके शिव भोले का रुद्राभिषेक प्रारंभ किया गया।

छात्राओं को यातायात के नियम बताये

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के डाबला रोड स्थित पाना देवी मोरीजावाला राजकीय कन्या महाविधालय में यातायात पुलिस द्वारा छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। ट्रैफिक पुलिस के अरविंद भारद्वाज, हनुमान प्रसाद गुर्जर व मुकेश कुमार ने छात्राओं को विभिन्न नियमों की जानकारी देते हुये उन्हें जागरूक किया। ट्रैफिक इंचार्ज अरविंद कुमार ने बताया कि जीवन अनमोल है और युवक युवतियां परिवार व देश का भविष्य हैं, इन्हे सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक होना बेहद आवश्यक है। हनुमान प्रसाद गुर्जर ने विभिन्न कानूनों और सावधानियों से अवगत करवाते हुए हेलमेट के प्रयोग व ड्राईविंग नियमों से अवगत करवाया। प्राचार्य प्रो. आर पी गुर्जर ने ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूकता अभियान की प्रशंसा करते हुये इसको अति आवश्यक कार्य बताते हुए स्थानीय पुलिस अधिकारियों व पुलिसकर्मियों के साथ साथ अभियान की सराहना की। इस दौरान प्रो. ओमप्रकाश कपूरिया सहित बडी संख्या में छात्रायें उपस्थित रही।

चाकसू के राशन डीलर्स मानदेय की मांग को लेकर लामबद्ध हुए

चाकसू, (निसं)। चाकसू राशन डीलर्स एशोसिशन के अध्यक्ष हेमराज गुर्जर की अध्यक्षता में सोमवार को तहसील चौराये पर स्थित राममंदिर में राशन विक्रेताओं की मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जब तक राज्य सरकार 30 हजार मासिक वेतन देने का लिखित में आश्वासन नहीं देगी तब तक राशन वितरण व्यवस्था ठप रहेगी। इस अवसर पर चाकसू, कोटखावदा व नगरपालिका चाकसू के समस्त राशन डीलर्स ने ऐशोसिशन को पोस मशीनें जमा करवा दी और नोटरी पब्लिक से प्रमाणित करवाकर स्वेच्छा से कार्य नहीं करने का शपथ पत्र भी सौंपे।

मीटिंग में कमल किशोर घीया, वहीद मोहम्मद, कजोड़ गुप्ता, महेंद्र सिंह, जगदीश गुर्जर, शकील मोहम्मद, पपुल मालावत, जगदीश जाट, दीपक जांगिड, बन्ना लाल जाट, प्रकाश चौधरी, मोहन लाल गुर्जर, गिर्राज शर्मा, शाबिर

चाकसू राशन डीलर्स एशोसिशन ने पोस मशीन जमा करवाई।

हुसेन, हीरालाल मीना, छाजू लाल, गंगासहाय आदि राशन डीलर्स मौजूद थे।

अलवर। मालाखेडा में खाद्य सुरक्षा योजना से जुडे हुए पात्र लाभार्थियों को अब मुफ्त में मिलने वाले गेहूं की परेशानी का सामना करना पड सकता है। राशन डीलर संघ के प्रदेश व्यापी आवाहन पर 1 अगस्त से मालाखेडा

- पोस मशीनें जमा कराई, काम नहीं करने के दिये शपथ पत्र

क्षेत्र में 64 राशन डीलर पूर्ण रूप से हडताल पर रहेंगे। उससे पहले क्षेत्र के राशन डीलरों ने मालाखेडा ब्लॉक अध्यक्ष हितेंद्र प्रधान के नेतृत्व में सोमवार को आयोजित मीटिंग के दौरान करीब दो दर्जन से अधिक डीलरों ने अपनी पोस मशीन जमा कर दी।

वहीं शेष रहे राशन डीलरों का कहना है कि वह भी अपनी पोस मशीन जमा करा देंगे और 1 अगस्त से पूर्ण रूप से मालाखेडा क्षेत्र के सभी राशन डीलर हडताल पर रहेंगे। ब्लॉक अध्यक्ष हितेंद्र प्रधान ने बताया कि प्रदेशव्यापी आव्हान पर वह संघ के साथ सरकार के खिलाफ हैं जिसके चलते 1 अगस्त से हडताल पर रहेंगे।

अलवर में सफाई भर्ती में वाल्मीकि समाज को प्राथमिकता देने समेत कई मांगों को लेकर सफाई कर्मियों की हडताल जारी है। इसके चलते अलवर शहर में गंदगी के ढेर लग गए। वही जनता को परेशानी होने लगी है। प्रदेशव्यापी हड़ताल होने के कारण नगर निगम रास्ता नहीं निकाल पा रहा है। हडताल के चलते शहर के प्रमुख मार्ग रेलवे स्टेशन, हनुमान सर्किल मार्ग, मनु मार्ग, पुराना कलेक्ट्रेट मार्ग पर कूड़े के ढेर लगे रहे। इसके अलावा गौरव पथ से जुड़ें संपर्क मार्गों पर भी कचरा जमा रहा। सफाई कर्मचारियों का कहना है कि उनकी मांगों पर जब तक अमल नहीं होगा, तब तक वह हड़ताल पर रहेंगे।

ओड समाज की बैठक में समाज सुधार के निर्णय लिए

अलवर, (निसं)। अलवर ओड समाज की ओमप्रकाश मांगल की अध्यक्षता में ओड समाज छात्रावास बुद्ध विहार अलवर में मीटिंग का आयोजन किया गया। निर्मल प्रकाश सूरा ओड प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय ओड महासभा राजस्थान ने अवगत करते हुए बताया की ओड समाज की मीटिंग में अलवर तिजारा किशनगढबास टपूकडा गोविंदगढ रामगढ से ओड समाज के लोग मौजूद रहे।

सभी लोगों ने समाज सुधार व आगामी जिला कार्यकारणी बनाने पर अपने-अपने विचार रखें। समाज सुधार के कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। समाज सुधार में टूट रहे रिश्ते, नशेबाजी आदि पर चिंता की गई व समाज को मिलकर इस संबंध में समझाइश कर समाज सुधार के प्रयास किए जाएंगे व शिक्षा को बढावा देने के लिए छात्रावास के निर्माण को आगे बढने पर चर्चा हुई

ओड समाज के अलवर जिले के सभी गांवों में आगामी मीटिंग की सूचना पहुंचने के बाद आगामी मीटिंग आयोजित कर नई ओड जिला अलवर

- अलवर, तिजारा, किशनगढ़बास, टपूकड़ा, गोविंदगढ़, रामगढ़ से समाज के लोग मौजूद रहे

कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा व ओड समाज जिला अलवर की आगामी मीटिंग 25 अगस्त 2024 को ओड छात्रावास अलवर में आयोजित की जाएगी। ओड समाज की इस मीटिंग में ओड समाज संरक्षक हुकुमचंद मीटिंग की अध्यक्षता कर रहे ओम प्रकाश मांगल दिनेश खाम्बरा सरपंच भिन्डूसी रामस्वरूप पूर्व जिला अध्यक्ष ओड समाज अलवर सुदेश खाम्बरा कामरेड पालीराम निर्मल सूरा पुष्पेंद्र मुढाई अध्यापक शंकर मांगल जगदीश मजोका शिवलाल मजोका दीवान प्रिंसिपल मिल्कराज बीका इंद्रजीत मांगल देशराज अध्यापक फूल सिंह रामकुमार अशोक कुमार नापा विनोद नापा उदय कुमार ओड समाज ब्लॉक अध्यक्ष तिजारा गोपी राम आदि मौजूद रहे।

अघोषित विद्युत कटौती के विरोध में युवा कांग्रेसियों ने किया पैदल मार्च

कोटपूतली, (निसं)। कस्बा सहित कोटपूतली-बहरोड जिले में जारी अघोषित विधुत कटौती एवं बिजली व पेयजल की किल्लत के विरोध में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आक्रोश जमकर फूटा। बडी संख्या में युकां कार्यकर्ताओं ने राजमार्ग स्थित मोरीजावाला धर्मशाला से जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय तक विधुत कटौती के विरोध में पैदल मार्च किया।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुये राज्य सरकार, जिला प्रशासन व विधुत विभाग के विरूद्ध प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जिंदड, जिला प्रभारी रवि कुमार सिगदार, विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष अशोक कसाना व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राकेश रावत ने प्रैस को बताया कि

अघोषित विद्युत कटौती एवं बिजली व पेयजल की किल्लत के विरोध में युकां कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर कल्पना अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा।

अघोषित विधुत कटौती से जिले भर में आमजन को भारी समस्या का सामना करना पड रहा है।भीषण गर्मी व उमस के इस समय में हो रही विधुत कटौती के चलते आमजन सहित बुजुर्ग, बच्चे व महिलायें बीमार हो

- जिला कार्यकारिणी की बैठक में संगठन को मजबूत करने पर विचार विमर्श

रहे है। कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल को ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द अघोषित विधुत कटौती से निजात दिलाने की मांग की।

साथ ही कहा कि अगर विधुत आपूर्ति सुचारू नहीं हुई तो कार्यकर्ता धरना प्रदर्शन पर मजबूर होगें। इससे पूर्व मोरीजावाला धर्मशाला में प्रदेशाध्यक्ष अभिमन्यू पूनियां के निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जिंदड की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन हुआ। जिला मीडिया प्रभारी धीरज यादव ने बताया कि बैठक में कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूती को लेकर विचार विमर्श किया। साथ ही आमजन की समस्याओं को प्रमुखता के साथ उठाने, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को जोडने व केन्द्र व राज्य सरकार की दमनकारी नीतियों के विरूद्ध आन्दोलन शुरू करने का निर्णय लिया गया। इस दौरान जिला प्रभारी रवि कुमार सिगदार, युकां विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष अशोक कसाना, पूर्व अध्यक्ष राकेश रावत, पूर्व प्रदेश सचिव प्रदीप कसाना, विराटनगर अध्यक्ष हरदान गुर्जर, पवन गुर्जर, संदीप डेलीगेट, जीतू आर्य, देशराज गिराड़ी, विनोद यादव, मनीष योगी समेत अन्य मौजूद रहे। संचालन रामसिंह मुक्कड ने किया।

इतना नजदीक आके में पदक से चूक गया, इससे में निराश जरूर हुआ लेकिन यह मेरे लिए प्रेरणादायक है। चौथे स्थान पर रहने से बुरा कुछ नहीं होता परन्तु मैं किस्मत को दोष नहीं दूंगा। पता नहीं मुझसे वो आखिरी शॉट कैसे मिस हो गया। **-अर्जुन बबूता**

ओलिंपिक खिलाड़ी, पदक मिस करने पर दुःख बया किया।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

यशस्वी जायसवाल

श्रीलंका के खिलाफ यशस्वी जायसवाल ने अपने 30 रन की पारी के दौरान खास कारनामा कर दिखाया और साल 2024 के कैलेंडर में इंटरनेशनल क्रिकेट में एक हज़ार रन पूरा करने वाले पहले बल्लेबाज़ बन गए हैं। जायसवाल के बल्ले से साल 2024 में 13 मुकाबले खेले हैं और इस दौरान उनका 63.93 का शानदार औसत रहा है और अपने काबिलियत का बखूबी प्रदर्शन करते हुए उन्होंने 94.54 के स्ट्राइक रेट से 5 अर्धशतक और 2 शतक की बदौलत 1023 रन बनाये हैं। रनों के हिसाब से बात करें तो 1023 में से 740 रन टेस्ट और 283 रन टी 20 में बनाये गए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... बेसबॉल में औसतन 108 टांके होते हैं क्रिकेट बाल में 65 से 70 के बीच तथा फुटबॉल में 642 से अधिक टांके लगाये जाते हैं।

आज पांच खेलों में भारतीय खिलाड़ी भाग लेंगे

निशानेबाजी

ट्रैप पुरुष क्वालीफिकेशन: पृथ्वीराज तोंडइमन - दोपहर 12:30 बजे

ट्रैप महिला क्वालीफिकेशन: श्रेयसी सिंह और राजेश्वरी कुमारी - दोपहर 12:30 बजे

10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम कांस्य पदक मैच: भारत (मनु भाकर और सरबजोत सिंह) बनाम कोरिया - एक बजे

हॉकी

पुरुष पूल बी मैच: भारत बनाम आयरलैंड - शाम 4:45 बजे

तीरंदाजी

महिला व्यक्तिगत 1/32 एलिमिनेशन राउंड: अंकिता भकत (शाम 5:15 बजे) और भजन कौर (शाम 5:30 बजे)

पुरुष व्यक्तिगत 1/32 एलिमिनेशन राउंड: धीरज बोम्मादेवरा (रात 10:45 बजे)

बैडमिंटन

पुरुष युगल (ग्रुप चरण): सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी बनाम अल्फियन फजर और मुहम्मद रियान अर्दियांतो (इंडोनेशिया) -शाम 5:30 बजे

महिला युगल (ग्रुप चरण): अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो बनाम सेतयाना मपासा और एंजेला यू (ऑस्ट्रेलिया) - शाम 6:20 बजे।

मुक्केबाजी

पुरुषों का 51 किग्रा राउंड ऑफ 16: अमित पंघाल बनाम पैट्रिक चिन्येम्बा (जाम्बिया) - शाम 7:15 बजे।

महिलाओं का 57 किग्रा राउंड ऑफ 32: लेम्बोरिया बनाम नेस्टी पेटेसियो (फिलिपींस) - रात 9:25 बजे

महिलाओं का 54 किग्रा राउंड ऑफ 16: प्रीति पवार बनाम येनी मार्सेला एरियास (कोलंबिया) - देर रात 1:20 बजे (31 जुलाई)

आखिरी क्षणों में पदक से चूके अर्जुन, चौथे स्थान पर रहे

पेरिस, 29 जुलाई। भारत के स्टार निशानेबाज अर्जुन बबूता सोमवार पेरिस ओलिंपिक 2024 खेलों में पुरुषों के 10 मीटर के एयर रायफल के फाइनल मुकाबले में पदक से चूक गए। अर्जुन बबूता 208.4 का स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में चीन के लिहाओ शेंग ने (252.2) के स्कोर के साथ ओलिंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक और मौजूदा विश्व चैंपियन स्वीडन के विक्टर लिंडग्रेन ने (251.4) स्कोर करते हुए रजत और क्रोएशिया के मिरान मैरिसिक ने (230.0) तीसरे स्थान पर रहे हुए कांस्य पदक जीता। अर्जुन ने 10.7 के साथ शुरुआत करते हुए फाइनल में जल्द ही बढ़त बना ली। उन्होंने अपने पहले 10 शॉट्स में 105.0 का स्कोर किया और लिहाओ शेंग (105.8) और क्रोएशिया के मिरान मैरिसिक (105.1) के बाद तीसरे स्थान पर रहे। लेकिन उनके 13वें शॉट पर 9.9 और उनके 20वें और अंतिम शॉट पर 9.5 के स्कोर ने उन्हें पदक की दौड़ से बाहर कर दिया।

ओलिंपिक दिन-3 **हॉकी में दूसरी जीत, मनु-सरबजोत, चिराग-सात्विक, लक्ष्य अपने-अपने इवेंट्स में आगे बढ़े**

अंतिम लम्हों पर गोल दाग कर हरमनप्रीत ने दी संजीवनी

भारत अर्जेंटीना के बीच मुकाबला ड्रॉ | आज ऑयरलैंड से भिड़ेगा भारत

पेरिस, 29 जुलाई। आखिरी लम्हों में संयम का परिचय देते हुये भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल दाग कर न सिर्फ अर्जेंटीना के साथ मैच को बराबरी पर खत्म किया बल्कि अपनी टीम को क्वार्टर फाइनल की रेस में बनाये रखा।

यवेस-डु-मनोइर स्टेडियम में सोमवार को पूल बी मैच में हरमनप्रीत 59वें मिनट में गोल करके अर्जेंटीना के खिलाफ मैच को 1-1 से बराबरी पर लाकर खड़ा कर दिया। अर्जेंटीना के लुकास मार्टिनेज ने मैच के 22वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी थी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला गेम 3-2 से जीतने के बाद भारतीयों ने आत्मविश्वास के साथ मैच की शुरुआत की और पहले क्वार्टर में भारतीय फॉरवर्डों ने जोरदार आक्रमण किया हालांकि अर्जेंटीना की रक्षा पंक्ति को चकमा देने में वे विफल रहे। अर्जेंटीना अपना पिछला मैच ऑस्ट्रेलिया से 0-1 से हार गया था।

भारत को पहला पेनाल्टी कार्नर मैच के दसवें मिनट में मिल गया था लेकिन गोल में तब्दील नहीं कर सका। अगले मिनट में अभिषेक ने गोल पर एक शॉट लगाया, लेकिन गेंद क्रॉसबार से टकरा गई। पहला क्वार्टर गोलरहित रहने के बाद, भारत को 19वें मिनट में एक और पेनाल्टी कार्नर मिला, लेकिन अर्जेंटीना के गोलकीपर सैंटियागो ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए भारतीय कप्तान को गोल करने से रोक दिया। इस बीच 22वें मिनट में लुकास मार्टिनेज ने गोल करने का प्रयास किया।

डिफेंडर हरमनप्रीत को पछाड़ते हुए सर्कल में जगह बनाते हुए मार्टिनेज ने श्रीजेश के दायीं ओर से गेंद को नेट में डाल दिया। इसके बाद भारत ने कई हमले किये मगर वे अगले 37 मिनट के खेल में गोल करने में नाकाम रहा। अब जबकि भारत एक निश्चित हार की ओर मुड़ चुका था, ऐसे नाजुक मोड़ पर हरमनप्रीत ने शानदार प्रदर्शन और शक्तिशाली ड्रैग के साथ गेंद को सैंटियागो के पार पहुंचाया। देर से किए गए गोल ने स्टैंड में मौजूद भारतीय प्रशंसकों को जश्न मनाने का मौका दे दिया।

भारत को फिर से मनु पर आस

मनु और सरबजोत ने कांस्य के लिए किया क्वालीफाई, रमिता पदक से चूकी

पेरिस, 29 जुलाई। मनु भाकर और सरबजोत सिंह की भारतीय जोड़ी ने पेरिस ओलिंपिक में सोमवार को 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक मुकाबले के लिए क्वालीफाई कर लिया। वहीं 10 मीटर एयर राइफल महिला फाइनल में रमिता जिंदल पदक जीतने से चूक गई।

क्वालीफाईंग राउंड के पहले सेट में मनु और सरबजोत ने 193 अंक, दूसरे सेट में 195 अंक और तीसरे सेट में 192 अंक अर्जित किये। दोनों ने कुल 580 अंक के साथ तीसरे नंबर पर रहे। अब भारतीय मिश्रित टीम मंगलवार को कांस्य पदक के लिए मुकाबला करेगी। इस स्पर्धा में भारत की रमिता जिंदाल आठ महिलाओं के साथ हुई स्पर्धा में एक समय चौथे स्थान पर थीं। लेकिन लय बरकरार रखने में विफल रही और 145.3 अंक सातवें स्थान पर रही। दक्षिण कोरिया की बान ह्योजिन ने महिलाओं की 10 मीटर राइफल निशानेबाजी स्पर्धा में 251.8 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता।

यह वर्ष 1992 के बाद से दक्षिण कोरिया की किसी एथलीट के लिए इस स्पर्धा में पहला स्वर्ण और ओलिंपिक ग्रीष्मकालीन खेलों के इतिहास में दक्षिण कोरिया की टीम द्वारा जीता गया 100वां स्वर्ण पदक है। स्पर्धा में चीन की 17 वर्षीय हुआंग युटिंग को मिला तथा कांस्य पदक स्विट्जरलैंड की ऑड्रे गोगनियाट ने जीता।

चिराग-सात्विक क्वार्टरफाइनल में, लक्ष्य ने भी जीत दर्ज की

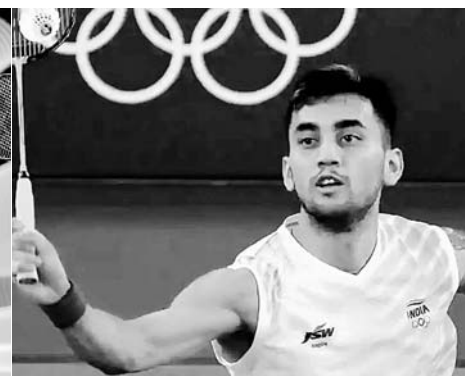

पेरिस, 29 जुलाई। भारत के चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की जोड़ी ने सोमवार को पेरिस ओलंपिक 2024 बैडमिंटन स्पर्धा में पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। एकल मुकाबले में लक्ष्य सेन ने बेल्जियम के शटलर जूलियन कैरागी को हराया।

चिराग-सात्विकसाईराज की जोड़ी का मुकाबला जर्मनी के मार्क लैम्सफस और मार्विन सीडेल से होना था। लैम्सफस चोट के कारण इस जोड़ी को ओलंपिक से हटना पड़ा, जिसके कारण मैच रद्द हो गया।

दुनिया की तीसरे नंबर की चिराग-सात्विक की जोड़ी ने अपने पेरिस 2024 अभियान की शुरुआत 40वीं रैंकिंग वाले फ्रांस के लुकास कोरवी और रोनन लाबर को 21-17, 21-14 से हराकर की थी। वहीं, कोरवी और लाबर को दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी इंडोनेशिया के मुहम्मद रियान अर्दियांतो और फजर अल्फियान से हार मिली। फ्रांसीसी जोड़ी के दो मैच हारने के कारण भारतीय जोड़ी ने क्वार्टरफाइनल में आराम से जगह बना ली। सात्विक-चिराग का अगला ग्रुप सी मुकाबला मंगलवार को इंडोनेशियाई जोड़ी से होगा।

इसके अलावा भारत के लक्ष्य सेन ने सोमवार को पेरिस ओलंपिक में ग्रुप एल पुरुष एकल मुकाबले में जीत दर्ज की। सेन ने ला चैपल एरिना में 43 मिनट तक चले मुकाबले में 21-19, 21-14 से जीत हासिल की। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी इस मुकाबले में 52वीं रैंक के प्रतिद्वंद्वी पर पूरी तरह से हावी रहे और बेल्जियम के शटलर जूलियन कैरागी को शिकस्त दी।

सेन बुधवार को अपने एल ग्रुप मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त 26 वर्षीय जोनाटन क्रिस्टी से भिड़ेंगे। अगर सेन अपने इंडोनेशियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जीत हासिल करते हैं तो वह ग्रुप विजेता के रूप में प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच जायेंगे। वहीं बैडमिंटन महिला युगल ग्रुप सी मुकाबले में भारत की तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा को जापान की नामी मत्सुयामा और चिहारू ने 21-11, 21-12 से हराया। चौथी वरीयता प्राप्त जापानी जोड़ी ने क्रास्टो-पोनप्पा को 48 मिनट में हरा दिया। भारतीय जोड़ी को शनिवार को दक्षिण कोरिया की किम सो येओंग और कोंग ही योंग से सामना करना पड़ा था। क्रास्टो-पोनप्पा मंगलवार को अपने अंतिम ग्रुप -स्टेज मैच में ऑस्ट्रेलिया के सेत्याना मापसा और एंजेला यू से मुकाबला करेगी।

भारतीय पुरुष तीरंदाजी टीम क्वार्टरफाइनल में तुर्कीय से हारी

पेरिस, 29 जुलाई। धीरज बोम्मदेवरा, तरुणदीप राय और प्रवीण जाधव की भारतीय पुरुष तीरंदाजी टीम सोमवार को पेरिस ओलिंपिक 2024 में तुर्कीय के साथ हुये क्वार्टरफाइनल में मुकाबले में 6-2 से हार बाहर हो गई। लेस इनवैलिड्स में पहले दो सेटों में भारतीय तिकड़ी 57-53 और 55-52 से हार गई थी। जबकि तीसरा सेट भी तुर्कीय के पक्ष में जाता दिख रहा था, लेकिन बर्किम टुमर ने आखिर में सात का शॉट लगाते हुए यह सेट अपने नाम कर लिया। भारतीय तीरंदाजों को तुर्क की तिकड़ी मेटे गाजोज, बर्किम टुमर और अब्दुल्ला यिलदिरमिस ने हराया। अंतिम सेट में जाधव ने दो 10 का स्कोर किया लेकिन दो बार के विश्व कप कांस्य पदक विजेता बोम्मदेवरा ने टीम के अंतिम प्रयास में केवल सात का स्कोर कर सके। तुर्कीय ने चौथा सेट 58-54 से जीत लिया।

ओलिंपिक में भारत का टेनिस अभियान समाप्त

पेरिस, 29 जुलाई। एकल वर्ग में सुमित नागल और युगल वर्ग में रोहन बोपन्ना और एन.श्रीराम बालाजी के अपने शुरुआती मैचों में हारने के साथ भारत का पेरिस ओलिंपिक में टेनिस अभियान समाप्त हो गया। पुरुष युगल स्पर्धा में बोपन्ना और बालाजी की गैरवरीय जोड़ी को फ्रांसीसी खिलाड़ियों गेल मोनफिल्स और एडौर्ड रोजर-वेसलिन के खिलाफ चुनौतीपूर्ण मुकाबले का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम को 76 मिनट तक चले मुकाबले में 7-5, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। पहले सेट में पांचवें गेम में मोनफिल्स और रोजर-वेसलिन ने सर्विस तोड़ी लेकिन बोपन्ना और बालाजी ने जल्दी ही स्कोर बराबर कर दिया। इससे पहले दिन में दुनिया के 80वें नंबर के खिलाड़ी सुमित नागल का सामना फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट आ। ढाई घंटे तक चले मुकाबले में नागल को मैटेट से 6-2, 2-6, 7-5 से हार का सामना करना पड़ा था।

नोवाक जोकोविच ने नडाल को एकतरफा अंदाज में हराया

पेरिस, 29 जुलाई। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने पेरिस ओलिंपिक में अपना पहला स्वर्ण पदक जीतने के अभियान को गति दी और स्पेन के राफेल नडाल के खिलाफ एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज करते हुए तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। जोकोविच ने अपने सबसे कड़े प्रतिद्वंद्वी नडाल को लगातार सेटों में 6-1, 6-4 से हराया। दोनों खिलाड़ियों के बीच 2022 में फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल के बाद यह पहला मुकाबला था जिसमें जोकोविच अपने प्रतिद्वंद्वी पर भारी पड़े।

नडाल और जोकोविच पुरुष एकल वर्ग में मौजूदा समय के दिग्गज खिलाड़ी हैं। इन दोनों के नाम ओपन एरा में सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम जीतने के रिकॉर्ड दर्ज हैं। नडाल और जोकोविच के बीच पिछली बार 2022 में रोलां गैरों के क्वार्टर फाइनल का मुकाबला खेला गया था जिसमें नडाल ने चार सेटों में जीत दर्ज की थी। जोकोविच और नडाल के बीच इस मैच से पहले जीत हार का रिकॉर्ड 30-29 का था और जोकोविच स्पेनिश खिलाड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड मजबूत करने में सफल रहे। जोकोविच ने पहले एक घंटे में ही नडाल पर बढ़त बना ली थी। पहले सेट में जोकोविच ने एकतरफा अंदाज में नडाल को पछाड़ा, जबकि नडाल ने दूसरे सेट में कुछ चुनौती पेश करने की कोशिश, लेकिन इसमें सफल नहीं हो सके। नडाल ने जोकोविच को 2008 के बीजिंग ओलिंपिक में हराया था और अब इस सर्बियाई खिलाड़ी ने नडाल से पुराना हिसाब चुकता कर लिया। 2008 में आखिरी बार ओलिंपिक पदक जीतने वाले जोकोविच का सामना अब तीसरे दौर में जर्मनी के डॉमिनिक कोएफर और इटली के मातेओ एर्नाल्डी के बीच होने वाले मैच के विजेता खिलाड़ी से होगा।

मोर्ने मोर्कल बन सकते हैं टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच

नई दिल्ली, 29 जुलाई। गौतम गंभीर ने टीम इंडिया के हेड कोच का पद श्रीलंका दौरे से पहले ही ग्रहण कर लिया था। लेकिन टीम के गेंदबाजी कोच कौन होंगे इस पर अभी भी फैसला आना है। हालांकि, क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेदंबाज मोर्ने मोर्कल को भारतीय टीम का गेंदबाजी कोच बनाया जा सकता है। मोर्कल बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के साथ भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच के रूप में जुड़ सकते हैं।

मौजूदा समय में भारतीय टीम के साथ साईराज बहुतुले श्रीलंका दौरे पर हैं और अंतरिम गेंदबाजी कोच के रूप में काम कर रहे हैं। वहीं रिपोर्ट के मुताबिक उनका मुख्य गेंदबाजी कोच बनना निश्चित नहीं लग रहा है। बहुतुले स्पिन गेंदबाज रहे हैं और उन्हें लेकर कुछ भी साफ नहीं है तो वहीं मोर्कल तेज गेंदबाज रहे हैं और अगर वो भारतीय टीम के बॉलिंग कोच बनते हैं तो फिर टीम इंडिया को एक स्पिन कोच की भी जरूरत पड़ सकती है। वैसे श्रीलंका में चल रही क्रिकेट सीरीज के दौरान भारतीय टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ता टीम के मौजूदा कोचिंग टीम का मूल्यांकन करेंगे और फिर उन्हें लेकर फैसला किया जाएगा ऐसे में बहुतुले की भूमिका को लेकर बी निश्चितता दिख रही है। वैसे साईराज बहुतुले अगर अपने पद पर बने रहते हैं तो गौतम गंभीर की अगुवाई वाले भारतीय कोचिंग स्टाफ में 6 सदस्य होंगे।

क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगा भारत

पल्लेकेले, 29 जुलाई। भारतीय टीम मंगलवार को श्रीलंका के साथ होने वाले तीसरे टी-20 मुकाबला जीतकर सीरीज क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगी। वहीं श्रीलंका की नजर जीत के साथ श्रृंखला समाप्त करने पर होगी। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम अपने नये कोच गौतम गंभीर के साथ पहली बार श्रीलंका के दौरे तीन टी-20 मैचों की श्रृंखला के दो मुकाबलों में जीत दर्ज कर 2-0 की बढ़त बना चुकी है। अगर देखा जाये तो दोनों देशों के बीच खेले गए पिछले पांच टी-20 मैचों में श्रीलंका को केवल मैच में ही जीत मिली। श्रीलंका ने भारत को जनवरी 2023 में हराया था। इस श्रृंखला में भी भारत ने जीत दर्ज की थी। इस श्रृंखला में भारत ने गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में ही बेहतरीन प्रदर्शन किया है। पहले मैच में श्रीलंका जीत की तरफ बढ़ रहा था तभी भारतीय गेंदबाजों ने विकेटों की झड़ी लग गई। वही दूसरे मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका 200 के स्कोर तक पहुंचती दिखाई दे रही थी अंतिम पांच ओवर में उसने अपने सात विकेट गंवा दिए। मेजबान टीम अपने बल्लेबाजो पर भरोसा कर सकती है। पतुम निसंका और कुसल मेंडिस इस समय अच्छी फार्म में चल रहे हैं। निसंका ने पिछले दस टी-20 मैचों में 35 की औसत और 142.85 के स्ट्राइक रेट से 350 रन बनाए हैं जबकि मेंडिस ने पिछले 41 की औसत और 162.91 के स्ट्राइक रेट से 246 रन बनाए हैं।

वाणी एवं अनंत बने शतरंज चैम्पियन

जयपुर, 29 जुलाई। कावेरी पथ मानसरोवर स्थित महात्मा गांधी सरकारी स्कूल में आज पेरेंट्स एसोसिएशन राजस्थान द्वारा ओपन चेस टूर्नामेंट का आयोजन हुआ, इंटरनेशनल ऑर्बिटर भगवती प्रसाद शर्मा ने बताया कि इसमें 56 बच्चों ने भाग लिया, जिसमें महिला वर्ग में वाणी जैन प्रथम, जिया कंवर द्वितीय व पुरुष वर्ग में अनंत जैन प्रथम, आशुतोष सोनी द्वितीय, प्रिंस चौधरी तृतीय स्थान प्राप्त किया।

टूर्नामेंट डायरेक्टर जिनेश कुमार जैन ने बताया कि इस टूर्नामेंट के मुख्य अतिथि सुनील जैन गंगवाल व स्कूल प्रिंसिपल अनू चौधरी ने दीप प्रज्वलन कर, शतरंज की बिछात पर पहला कदम चलकर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया ।

इस कार्यक्रम में समाजसेवी के के गुप्ता, श्री दिगंबर जैन समाज समिति वरुण पथ के अध्यक्ष एम. पी. जैन, भागचंद जैन, संजीव गोठवाल, हनुमान प्रसाद, विमल कुमार, गजेंद्र प्रसाद, अरविंद चांवला, पी ई टी डाक्टर मोहनलाल चौधरी व अन्य अध्यापक गण के साथ बहुत सी संख्या में अभिभावक गण भी उपस्थित रहे।

प्रिंसिपल अनू चौधरी ने बताया कि इस तरह का टूर्नामेंट स्कूल में पहली बार हुआ है, यह टूर्नामेंट खिलाड़ियों के अलावा अन्य बच्चों वह अभिभावकों के लिए भी काफी प्रेरणादायक रहेगा। इस सफल कार्यक्रम के लिए चेस पेरेंट्स एसोसिएशन, मुख्य अतिथि सुनील जैन गंगवाल एवं टूर्नामेंट डायरेक्टर जिनेश कुमार जैन का आभार प्रकट किया। मुख्य अतिथि सुनील जैन गंगवाल व प्रिंसिपल अनू चौधरी ने प्रतिभावान सफल खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह बैठकर व अन्य सभी खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर प्रोत्साहित किया। चेस पेरेंट्स एसोसिएशन के सचिव ललित बरडिया ने बताया सितंबर 7 व 8 को एसएमएस इनडोर स्टेडियम में ओपन अंतरराष्ट्रीय रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट का आयोजन होगा, जिसमें 300000 कैश एवं बहुत सी ट्रॉफीज प्राइज मनी के रूप में रखी जाएगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को विधानसभा में बजट पर बहस एवं चर्चा का जवाब पेश किया।

'देश में चार जातियां, युवा, महिला, किसान, और गरीब, हमारा बजट इन चारों के लिए है'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने विधानसभा में बजट पर हुई बहस का जवाब देते हुए कहा

- मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री पर कटाक्ष किया और बोले, वो कहते थे मांगते-मांगते थक जाओगे पर मैं देते-देते नहीं थकूंगा, पर सिर्फ थोथी घोषणाएं कीं, एक भी घोषणा फलीभूत नहीं हुई।
- पेपर लीक पर मुख्यमंत्री ने व्यंग्यात्मक अंदाज में कांग्रेस व डोटासरा को घेरा और बोले, पेपरलीक इतने हुए, कितने करुं बयान, पास हुए ''परिवारजन क्या-क्या करू बयान।''
- उन्होंने ई.आर.सी.पी. पर कांग्रेस की आलोचना की व कहा, ई.आर.सी.पी. हमारी सरकार लाई है। एम.ओ.यू. हमने किया, आपने क्या किया बता दीजिए।

जयपुर, 29 जुलाई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधानसभा में जवाब देते हुए कहा कि बजट को लेकर सदन में काफी कुछ कहा गया। यह बजट चहुंमुखी विकास करने वाला है। इन लोगों को तकलीफ इस बात से है कि विपक्ष के कुछ विधायकों ने भी खुले मन से तारीफ की। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि देश में चार जातियां हैं, युवा, महिला, किसान और गरीब। यह बजट इन चारों को आगे ले जाने वाला है।

मुख्यमंत्री शर्मा कहा कि राजस्थान की नहर परियोजना का नाम पहले राजस्थान नहर था, लेकिन 1984 में इस नहर का नाम बदलकर इंदिरा गांधी के नाम पर कर दिया। कांग्रेस के लोग योजनाओं के नाम बदलने की चर्चा कर रहे थे। अन्नपूर्णा रसोई का नाम इंदिरा गांधी के नाम पर कर दिया। अरे भाई, एक परिवार के नाम कितनी योजनाओं के नाम करोगे? मां अन्नपूर्णा के नाम से क्या दिक्कत थी। कांग्रेस में एक ही परिवार की भक्ति की परंपरा है। मुख्यमंत्री ने रॉबर्ट वाड्रा पर भी नाम लिए बिना हमला बोला। उन्होंने कहा, नेता प्रतिपक्ष ने अभी नेहरूजी का जिक्र किया, उन्होंने आगे भी सबके नाम लिए। वो नाम नहीं लिए होते तो दामादजी का नाम कैसे आता। दामादजी का राजस्थान से क्या रिश्ता है, सब जानते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा- इंदिरा गांधी का बचपन का नाम प्रियदर्शिनी था, महिलाओं की योजना का नाम कहां से ढूंढकर लाए। एक परिवार के प्रति ऐसा समर्पण कहीं देखने को नहीं मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के लोग संविधान की बात ज्यादा करते हैं, लेकिन आपातकाल के काले दिनों को भी याद कर लीजिए। इसीलिए 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित किया गया है, ताकि आने वाली पीढ़ी को पता लगे कि किस तरह संविधान की हत्या की गई थी।

संविधान हत्या दिवस का जिक्र करने पर कांग्रेस विधायकों ने आपत्ति की और कुछ देर के लिए सदन में शोर-शराबा हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा, पिछली सरकार ने केवल थोथी घोषणाएं कीं। कहते थे कि आप मांगते-मांगते थक जाओगे, मैं देते-देते नहीं थकूंगा। पशुधन स्वास्थ्य बीमा की घोषणा की, लेकिन एक भी पशु का बीमा नहीं किया। राजसमंद-जालोर जिले में मेडिकल कॉलेज बनाने की घोषणा की थी, वहां बने क्या? डे केयर सेंटर खोलने की घोषणा की थी, कितने बने?

मुख्यमंत्री ने कविता कहकर कांग्रेस और डोटासरा पर तंज कसा। उन्होंने कहा, ''पेपर लीक इतने हुए, कितने करूं बखान, पास हुए परिवारजन, क्या-क्या करूं बयान। खूब करी मेहमान नवाज़ी अपनी सरकार बचाने को, जनता का पैसा लुटवाया अपना राज बचाने को।अपने स्वार्थ की खातिर अपनों को ही दी गाली, केवल अपना ध्यान रखा, सिर्फ भरी रहे मेरी थाली।

पेपर लीक पर सीएम ने कहा, नेता प्रतिपक्ष ने भी कहा है कि अभी छोटी-छोटी मछलियां पकड़ी हैं, बड़े मगरमच्छ तो अभी बाहर हैं। वे बिल्कुल चिंता न करें, छोटी मछलियों के लिए इनका जाल छोटा पड़ गया था, लेकिन मैं बृज भूमि से आता हूं, मेरी सुदर्शन चक्रधारी बंसीवाले में अटूट आस्था है। आपको पता है, इनका जाल जरूर छोटा पड़ गया होगा, परंतु उसके सुदर्शन चक्र से कोई नहीं बच पाएगा। सुदर्शन चक्र वाला जब आएगा तो बड़े-बड़े मगरमच्छों का भी इलाज होगा। सीएम ने तंज कसते हुए कहा- श्रवण कुमार 44 साल से सदन में आ रहे हैं। वे सीनियर हैं, दर्द ज़ाहिर कर रहे थे। मैं उनके दर्द को समझता हूं। चवालिस सालों में एक भी कांग्रेस नेता ने पानी के लिए लेटर लिखा हो तो बता दीजिए। ई.आर.सी.पी. लाई तो हमारी सरकार लाई। हमारी वसुंधरा राजे सरकार के समय बनी। आपने ई.आर.सी.पी. के लिए क्या किया, यह बता दीजिए। ई.आर.सी.पी. पर एम.ओ.यू. हमने किया। कांग्रेस ने एम.ओ.यू. किया हो तो सदन में रख दीजिए। कांग्रेस वाले हमेशा भ्रम फैलाते हैं।

देवयानी से जल लेकर जा रहे कांवड़ियों की सांभर थाना पुलिस ने पिटाई की

कांवड़ियों के साथ पुलिस मारपीट के विरोध में सोमवार को हिन्दू संगठनों ने सांभर थाने के आगे जमा होकर विरोध प्रदर्शन किया।

- डीजे की धुन पर नाचते गाते लौट रहे कांवड़ियों को पुलिस ने रोका।
- विभिन्न हिंदू संगठनों ने सांभर थाना पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन किया।
- मामले में एस.पी. ग्रामीण ने एक कांस्टेबल को सस्पेंड कर दिया।

सांभरझील, 29 जुलाई (निसं)। ग्राम सांवरदा से देवयानी तीर्थ स्थल का पवित्र जल लेकर डीजे की धुन पर नाचते-गाते लौट रहे कांवड़ियों को थाना अधिकारी के निर्देश पर सांभर थाने के पुलिसकर्मियों ने पहले उनका डीजे बंद करवाया व डीजे संचालक के साथ मारपीट की और म्यूज़िक सिस्टम जब्त कर कांवड़ियों को थाने ले गई। बताया जा रहा है कि सिविल ड्रेस में कांस्टेबल खेमचंद इतना अधिक गुस्से में भर गया कि थाना परिसर में ही उसने एक कांवड़िया को पकड़कर चांटे मारना शुरू कर दिया। बचाव में जब अन्य कांवड़ियों ने विरोध किया तो मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी कांस्टेबल खेमचंद को थाना परिसर में अंदर ले गए।

इस घटना का वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो सनातन प्रेमियों में जबरदस्त आक्रोश पैदा हो गया। घटना रविवार रात करीब 11:30 बजे की बताई जा रही है। पुलिस की इस बर्बरता को लेकर सांभर थाना परिसर में विश्व हिंदू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी, देवयानी विकास समिति सहित जनप्रतिनिधियों के अलावा, बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ सोमवार सुबह करीब 9:15 बजे थाने पहुंच गई और दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन कर रहे लोगों की मांग थी कि तत्काल प्रभाव से मारपीट करने वाले पुलिसकर्मी और थानाधिकारी को सस्पेंड किया जाए। सुबह से दोपहर तक कई बार वार्ताओं का दौर चला। मामला शांत होते नहीं देख पुलिस ने नजाकत को समझते हुए एस.पी. को भी सूचना दी और पूरे घटनाक्रम की जानकारी से भी अवगत कराया। पिटाई का विडियो एडिशनल एस.पी. और जयपुर ग्रामीण एस.पी. तक भी पहुंचा तो उन्होंने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए दोषी पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई किए जाने का संदेश भिजवाया।

धरना स्थल पर मौजूद सभी का कहना था कि जब तक कांस्टेबल को सस्पेंड करने का ऑर्डर उन्हें नहीं दिखाया जाएगा, वे यहां से हिलने वाले नहीं है। दोपहर में ही पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शांतनु कुमार ने कांस्टेबल खेमचंद को सस्पेंड करने के आदेश जारी कर दिए और सस्पेंशन की कॉपी धरना स्थल पर मौजूद जनप्रतिनिधियों को भी वॉट्सएप पर उपलब्ध करवाई गई। इसके बाद लोगों ने थानाधिकारी को भी सस्पेंड करने का मुद्दा उठा लिया और यह मामला करीब शाम 5:00 बजे तक चलता रहा।

इसके बाद एडिशनल एस.पी. मौके पर पहुंचे और बात की तथा थानाधिकारी के खिलाफ एक्शन लेने और उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया, तब कहीं जाकर मामला शांत हुआ। इस मामले में पिटाई का शिकार हुए कांवड़िया ने लिखित में पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है।

इस मामले में विधायक विद्याधर चौधरी ने कहा, मेरे विधानसभा क्षेत्र में कल रात सांभर में कांवड़ियों के साथ पुलिस प्रशासन के द्वारा मारपीट की घटना हुई है। उसकी मैं कठोर निंदा करता हूं।

पूर्व विधायक निर्मल कुमावत का कहना है कि घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। हमारी सरकार ने मामले को संज्ञान में लिया है तथा पुलिसकर्मी को निलंबित करने के आदेश जारी किए गए हैं।

एडिशनल एस.पी. ब्रजमोहन मीणा का कहना है कि शिकायत पर चार सदस्यों की कमेटी गठित कर दी गई है तथा अनुसंधान के बाद दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस उपाधीक्षक सारिका खंडेलवाल का कहना है कि मामले की जांच कर सभी दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

'हालांकि, भाजपा की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्हें ए-1 तथा ए-2 कहा करेंगे।

राहुल ने कहा कि इस चक्रव्यूह के खिलाफ शिवजी की बारात है, जिसमें सबका स्वागत है तथा शिवजी की यह बारात (अर्थात इंडिया गठबंधन) इस चक्रव्यूह को तोड़ देगी।

इन दिनों, जब राहुल बोलते हैं तो वे रुकते तो है ही नहीं, जब वे विभिन्न मुद्दों पर मोदी सरकार को टक्कर देते हैं, उस समय वे काफी मजेदार बातें भी बोल देते हैं। उन्होंने कहा कि इस बजट ने मध्यम वर्ग के सीने तथा पीठ में छुरा भौंका है। उन्होंने कहा कि यही मध्यम वर्ग मोदी सरकार की प्रशंसा के गीत गाते थकता नहीं है।

राहुल ने संसद की कार्यवाही की कवरेज करने वाले मीडिया का भी पक्ष लिया, यद्यपि, उनके अनुसार, इनमें से अधिकांश राहुल गांधी को ज्यादा जगह कभी नहीं देते, बल्कि ज्यादातर तो उनकी उपेक्षा ही करते हैं।

उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से कहा कि वे उन्हें इस ''कांच पिंजरे'' से मुक्त कर दें। संसद की सिक्योरिटी द्वारा मीडिया से कहा गया है कि वे लोग मीडिया के लिये बनाये गये ग्लास कन्टेनर में ही रहें तथा नये भवन के प्रवेश द्वार पर सांसदों और मन्त्रियों की बाइट्स भी न लें, जिससे सांसद परेशान न हों।

जब राहुल ने लोकसभा के पटल पर यह मुद्दा उठाया, तो मीडिया ने सांसदों आदि का बहिष्कार कर दिया तथा इस मुद्दे ने एक बड़ा रूप ले लिया।

4 जून से पहले वाले समय को बड़े पैमाने पर अलविदा कहते हुये, अब मुख्य धारा वाले चैनलों ने राहुल को दिखाना शुरू कर दिया है तथा उनके भाषण सोशल मीडिया पर हर समय दिखाई और सुनाई दे रहे हैं।

आगामी दिन और भी ज्यादा दिलचस्प होंगे।

बारामूला में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सोपोर कस्बे के शेर कॉलोनी में एक कबाड़ विक्रेता की दुकान के अंदर हुआ। घटना के वक्त कुछ लोग ट्रक से कबाड़ उतार रहे थे। अधिकारियों का कहना है कि धमाके इतना जोरदार था कि दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दो अन्य की इलाज के दौरान मौत हो गई।

अधिकारियों के अनुसार, मृतकों की शिनाख्त नजीर अहमद नादरू (40), आजिम अशरफ मीर (20), आदिल राशिद भट (23) और मोहम्मद अजहर (25) के रूप में हुई है। इस घटना में एक अन्य घायल भी हुआ है। वहीं, विस्फोट के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। फोरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम घटनास्थल पर पहुंच गई है। सेना और पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंचकर छानबीन कर रही है। वहीं, इलाके में विस्फोट के बाद दहशत का माहौल है।

'ऑफ ड्यूटी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है और वह किसी क्षतिपूर्ति राशि को प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है। लोक अदालत के पीठासीन अधिकारी अनूप कुमार सक्सैना व दीपक चाचान ने यह आदेश श्याम सुन्दर रूण्डला के प्रार्थना पत्र को खारिज करते हुए दिया।

प्रार्थना पत्र में जे.वी.वी.एन.एल. व के-3 कंस्ट्रक्शन कंपनी सहित अन्य को पक्षकार बनाते हुए कहा कि वह कंस्ट्रक्शन कंपनी के अधीन काम करता है। इस दौरान वह बिजली लाइन का काम कर रहा था तो ड्यूटी कर्मचारी मुकेश ने लापरवाही से बिजली लाइन को चालू कर दिया, जिससे वह करंट से झुलस गया और उसका बांया हाथ कंधे से काटना पड़ा। इस कारण आई निशक्तता से वह बेरोजगार हो गया है। इसलिए उसे जे.वी.वी.एन.एल. सहित अन्य पक्षकारों से क्षतिपूर्ति दिलवाई जाए। जवाब में जे.वी.वी.एन.एल. ने कहा कि जिस समय यह हादसा हुआ, तब परिवादी की ड्यूटी नहीं थी और उसने कार्यक्षेत्र से बाहर जाकर काम किया है। ऐसे में विभाग किसी तरह की क्षतिपूर्ति करने के लिए जिम्मेदार नहीं है। उसने बिना शट डाउन लिए काम किया है, जो गलत है। अदालत ने विभाग व अन्य पक्षकारों की दलीलों से सहमत होकर प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया।

गुरुद्वारों पर अब भगवा झण्डा नहीं लहराया जायेगा

सिखों की सर्वोच्च संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंध समिति ने यह फैसला जारी किया

- अब पवित्र निशान साहिब पर फहराया जाने वाला झण्डा बसंती रंग का होगा।

नई दिल्ली, 29 जुलाई। खालसा पंथ की शान और सम्मान का प्रतीक निशान साहिब का रंग अब केसरिया नहीं होगा। सिखों की सर्वोच्च संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने आदेश जारी किए हैं कि अब से इसका रंग बसंती होगा। यह फैसला शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने अकाल तख्त साहिब में हुई पांच सिंह साहिबान की बैठक के बाद लिया है। एसजीपीसी की ओर से एक पत्र जारी कर इस बात की जानकारी दी गई है।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने कहा है कि केसरी निशान साहिब को लेकर संगत के बीच दुविधा थी। कुछ मामले अकाल तख्त साहिब के ध्यान में आए जिसके बाद इस पर चर्चा हुई। पांच सिंह साहिबानों की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई कि निशान साहिब का रंग बेशक भगवा है, लेकिन गलती से यह हिंदू धर्म के प्रतीक भगवा रंग से मिलता-जुलता है। इस कारण कई बार संगत के लोग या अजनबी लोग इसमें अंतर नहीं कर पाते हैं और दोनों को एक ही समझ लेते हैं। इसी दुविधा को दूर करने के लिए यह फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि क्योंकि सिख धर्म हिंदू धर्म से अलग है, इस कारण कभी-कभी कुछ लोग यह प्रचार करते हैं कि हिंदू और सिख एक ही धर्म हैं। इस तरह के भ्रम से बचने के लिए यह फैसला लिया गया है।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महासचिव गुरचरण सिंह ग्रेवाल ने कहा कि उनका फैसला किसी धर्म या भगवा रंग के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा कि सर्कुलर को किसी धर्म से जोड़कर विवाद पैदा नहीं किया जाना चाहिए। यह फैसला कोई नया नहीं है। अनुपालन परिपत्र बिना किसी तय मानक के जारी किया गया है।

निशान साहिब सिखों के लिए पवित्र ध्वज होता है। यह हर गुरुद्वारे के बाहर फहराता रहता है। इसे वो अपनी धार्मिक रैलियों या धार्मिक-राजनीतिक रैलियों में भी इस्तेमाल करते हैं। अपने वाहनों में सबसे ऊपर लगाकर भी चलते हैं। ये पवित्र त्रिकोणीय ध्वज कॉटन या रेशम के कपड़े का बना होता। इसके सिरे पर एक रेशम की लटकन होती है। इसे हर गुरुद्वारे के बाहर एक ऊंचे ध्वजदंड पर फहराया जाता है। सिख परंपरा के अनुसार निशान साहिब को फहरा रहे डंड में ध्वजकलश (ध्वजदंड का शिखर) के रूप में एक दोधारी खंडा (तलवार) होता है और डंडे को पूरी तरह कपड़े से लपेटा जाता है। झंडे के बीच में एक खंडा चिह्न होता है।

'निर्देशों का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परीक्षा की प्रक्रिया में शिथिलता नहीं दिला सकता। ऐसे में याचिकाकर्ताओं को किसी भी तरह की राहत नहीं दी जा सकती। चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव व जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश पायल व अन्य की याचिकाओं को खारिज करते हुए दिए।

याचिकाओं में कहा गया था कि उन्होंने आर.जे.एस. भर्ती परीक्षा में भाग लिया था। इस दौरान उन्होंने ओ.एम.आर. शीट में उत्तर देते समय गोलों को सही तरीके से नहीं भरा है।

कर चोरी के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताया कि आरोपी गौतम गर्ग ने करीब 7.48 करोड रुपए की कर चोरी की थी। जीएसटी एक्ट की धारा 70 के तहत दर्ज बयानों में आरोपी ने माना कि उसने अपने अंकल से मिलकर फर्जी फर्मों को सप्लाई दिखाकर कर चोरी की है। इसके अलावा, विभाग को उसके घर से चार लाख रुपए की नकदी भी मिली थी। इसके अलावा, उसके मोबाइल में सोशल मीडिया के बने ग्रुप में भी कर चोरी की बातें सामने आई हैं। इसके बावजूद भी निचली अदालत ने माना कि आरोपी ने सामान्य परिस्थितियों में बयान दर्ज नहीं कराए थे। वहीं, इस बात का भी कोई साक्ष्य नहीं है कि वह संबंधित कंपनियों का मैनेजर है तथा अन्य साक्ष्य भी ऐसे नहीं है कि उसे जेल में रखा जाए। इसके साथ ही, निचली अदालत ने गत 3 नवंबर को उसकी जमानत अर्जी को मंजूर कर उसे जेल से रिहा करने के आदेश दिए। केन्द्र सरकार की याचिका में मांग की गई थी कि उसे मिली जमानत को रद्द कर आरोपी को पुन: जेल भेजा जाए, जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने आरोपी को मिली जमानत रद्द कर उसे निचली अदालत में सरेंडर करने के आदेश दिए हैं।

कर्नाटक सरकार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर रही हैं। ''इसके बाद मुख्यमंत्री पार्टी आलाकमान से मुलाकात के लिए दिल्ली चले गये।

वित्त मंत्री की आलोचना करते हुये, उन्होंने कहा कि केन्द्र की नीतियाँ उद्योगों को राज्य से बाहर खदेड़ रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार की नीतियों के कारण, देश में एफ.डी.आई. 31 प्रतिशत कम हो गई है। मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि कर्नाटक और महाराष्ट्र जैसे टैक्स की ज्यादा आय देने वले राज्यों को आखिर बजट में क्या मिला। उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में हुई नीति आयोग की बैठक, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री ने की थी, का कई विपक्ष-शासित राज्यों ने जो बहिष्कार किया था, उसके लिए केन्द्र सरकार का रूख और तौर-तरीका ही पूरी तरह जिम्मेदार था।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बोलने के लिये यथेष्ट समय नहीं दिया गया। उन्होंने अपने बिन्दु को मजबूत देते हुए कहा कि विपक्ष शासित राज्य केन्द्र सरकार के सौतेले जैसे व्यवहार से बहुत क्षुब्ध एवं निराश हैं।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री द्वारा लगाये गये आरोपों को खारिज करते हुये, वित्त मंत्री ने कहा कि यू.पी.ए. सरकार के 10 वर्षों के दौरान, टैक्स के हस्तान्तरण के रूप में कर्नाटक को प्रतिवर्ष 8,179 करोड़ रूपए मिला करते थे, जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने अकेले इस वर्ष में ही राज्य के 45,485 करोड़ रूपए दिये हैं।

उन्होंने राज्य सरकार द्वारा लगाये गये आरोपों के जवाब में कहा कि यू.पी.ए. शासन के 10 वर्षों में कर्नाटक को सहायता-अनुदान (ग्रान्ट-इन-एड) के रूप में 60,779 करोड़ रूपए अर्थात् 6,077.9 करोड़ प्रतिवर्ष मिले थे। लेकिन एन.डी.ए. शासन में गत वर्ष यह राशि 2,36,955 करोड़ रूपए थी।

झारखंड के मुख्यमंत्री...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एस.टी. पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराए जाने का भी उल्लेख किया।

किन्तु उच्च न्यायालय ने कहा था, ''यद्यपि प्रवर्तन निदेशालय ने याचिकाकर्ता के आचरण को बहुत उभारने की कोशिश की है, और इसका कारण रहा याचिकाकर्ता द्वारा ई.डी. के अफसरों के खिलाफ दर्ज की गई एफ.आई.आर.। लेकिन इस केस का पूरा अवलोकन करने पर, ऐसी कोई सम्भावना प्रतीत नहीं होती कि याचिकाकर्ता द्वारा उसी किस्म का अपराध कर रहा है।''

उच्च न्यायालय ने कहा कि अदालत द्वारा रिकॉर्ड किये गये निष्कर्षों का परिणाम ''प्रिवेन्शन ऑफ मनीलॉन्डरिंग एक्ट, 2002 के धारा की शर्त को सन्तुष्ट करता है तथा यह कहता प्रतीत होता है कि ऐसा मानने का पर्याप्त कारण है कि याचिकाकर्ता उस अपराध का दोषी नहीं है, जिसका आरोप उस पर लगाया गया है।''

ई.डी. ने आरोप लगाया था कि उन्होंने अपने मुख्यमंत्री पद का दुरूपयोग करके, राज्य की राजधानी के बारगेन क्षेत्र 8.86 एकड़ जमीन ''गैर कानूनी रूप से'' ले ली।

एजेंसी ने दावा किया था कि जाँच के दौरान, सोरेन ने मीडिया सलाहकार अभिषेक प्रसाद ने यह स्वीकार किया था कि जे.एम.एम. नेता ने उन्हें निर्देश दिये थे कि सम्बन्धित भूखंड के स्वामित्व-विवरण को बदलने के लिये सरकारी रिकॉर्ड्स में हेर-फेर कर दिया जाये।

ई.डी. ने यह भी कहा कि जब जमीन के मूल स्वामी, राजकुमार पाहन ने उस समय शिकायत दर्ज करने की कोशिश की थी, जब उसकी जमीन पर अनाधिकृत कब्जा कर लिया गया था लेकिन शिकायत दर्ज नहीं हुई।

'देश में भय का माहौल है, पर, हम भाजपा के इस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाता है। इक्कीसवी सदी में एक नये ''चक्रव्यूह'' की रचना की गई है और वह भी कमल जैसा ही निर्मित किया गया है। प्रधानमंत्री उसके प्रतीक चिन्ह को अपने सीने पर टांगते हैं। उस समय जो व्यवहार अभिमन्यु के साथ किया गया था, वही व्यवहार भारत की जनता -युवाओं, किसानों, महिलाओं, छोटे व मध्यम व्यापारियों के साथ किया जा रहा है।''

उन्होंने आगे कहा कि ''आज भी ''चक्रव्यूह'' के केन्द्र में छ: लोग मौजूद हैं--- ये हैं नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत, अजित डोवल, अंबानी व अडाणी।''

उन्होंने इसको विस्तार से बताते हुए कहा कि वो यह मानते हैं कि आधुनिक ''चक्रव्यूह'' के पीछे तीन ताकते हैं।

भारत जिस चक्रव्यूह में फंस चुका है ''उसके पीछे तीन ताकतें ये हैं।

1- पूंजी के एकाधिकार का विचार- सिर्फ दो लोगों को भारत की सम्पूर्ण सम्पदा का स्वामित्व मिलना चाहिए। इसलिए, चक्रव्यूह का एक तत्व वित्तीय शक्तियों के केन्द्रीकरण से निकलकर आ रहा है। दूसरा तत्व देश की संस्थाएं, एजेन्सियां, सी.बी.आई., ई.डी. आयकर हैं।

तीसरा तत्व है सरकार। गांधी ने कहा, ये तीनों तत्व ''चक्रव्यूह'' के केन्द्र में हैं और इन्होंने इस देश को बर्बाद कर दिया है।''

एम.एस.पी. के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह लम्बे समय से चली आ रही किसानों की मांग है। इस पर लोकसभा में विपक्ष के नेता वादा किया कि एक ऐसा विधेयक लाया जाएगा जो किसानों को उनकी फसल का गारंटीड न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान करेगा।

''मैं देश के किसानों से एक बात कहना चाहता हूं कि जो (एन.डी.ए.) ने नहीं किया, वो हम किसानों के लिए करेंगे। हम इस सदन में वैधानिक गारंटी वाला एम.एस.पी. (बिल) उनके लिए पारित करेंगे।''

गांधी ने आगे बोलते हुए ''इंडिया गठबंधन'' के दलों सहित वादा किया कि वे इस सदन में पारित करने के लिए विधिक गारंटीवाला न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) का (बिल) विधेयक लाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जातिगत जनगणना कराने के लिए भी एक विधेयक इस सदन में पारित किया जाएगा, और इस कार्य को इंडिया गठबंधन पूरा करेगा।''

उन्होंने सरकार की इस बात को लेकर आलोचना की कि वह युवाओं को प्रभावित करने वाली महत्वपूर्ण चिन्ता की उपेक्षा कर रही है, विशेष रुप से बजट में पेपर लीक के मुद्दे पर।

उन्होंने उल्लेख किया कि ''पेपर लीक'' युवाओं को प्रभावित करने वाला सबसे बड़ा मुद्दा है परंतु वित्त मंत्री ने अपने बजट में इसका उल्लेख नहीं किया।''

गांधी ने केन्द्रीय बजट 2024 को ''मध्यम वर्ग के लोगों की पीठ में छुरा भोंकने वाला बताया'' और जोर देकर कहा कि इस बजट का एकमात्र उद्देश्य ''बड़े व्यवसायियों को मजबूत करना है।''

आगे यह भी कहा कि ''इस बजट में टैक्स आतंक के मुद्दे पर कुछ नहीं कहा गया है, जिसकी मार छोटे कारोबारियों पर बहुत पड़ी है। इसका एकमात्र उद्देश्य बड़े कारोबारियों के एकाधिकार को मजबूती प्रदान करना है। सरकार ने इस बजट के माध्यम से मध्य वर्ग की पीठ में छुरा भोंका है।''

अध्यक्ष ओम बिड़ला ने चर्चा के दौरान उन लोगों के नामों का उल्लेख किए जाने पर आपत्ति प्रकट की, जो उस समय सदन में उपस्थित नहीं थे इस पर गांधी ने जवाब दिया, ठीक है, वे उन लोगों का नाम नहीं बोलेंगे जो सदन में उपस्थित नहीं है और उन्होंने अन्य दो लोगों को 'ए-1' व 'ए-2' के रुप में सम्बोधित किया।

राहुल ने कहा कि यह लड़ाई चक्रव्यूह की रचना करने वालों और जो लोग ''शिव की बारात'' में भरोसा करते हैं उनके बीच है और आगे कहा कि इस ''बारात'' का हिस्सा हर वह व्यक्ति है जो बहु-आस्था एवं विविध पृष्ठभूमि में विश्वास करता है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908